वर्ष : 2 अंक: 186 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शनिवार, 27 फरवरी 2021

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

किसान आंदोलन लंबा चला तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खिसक सकता है भाजपा का वोटबैंक

केंद्रीय मंत्री संजीव बलियान ने पार्टी प्रमुख नड्डा को सौंपी रिपोर्ट दी है

नई दिल्ली। कई महीने से चल रहे किसान आंदोलन पर अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। जमीनी रिपोर्ट के अनुसार भाजपा के लिए संकेत अच्छे नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्री संजीव बलियान ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर कृषि कानूनों के खिलाफ लगभग तीन महीने से चल रहे आंदोलन पर रिपोर्ट दी है कि आंदोलन लंबा चला तो आंदोलन से भाजपा को नुकसान हो सकता है। पिछले हफ्ते जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा, पश्चिमी यूपी, राजस्थान और मध्य प्रदेश की चालीस जाट बहुल सीटों से आने वाले सांसदों, विधायकों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की थी। बैठक में तय किया गया था कि सांसद आम जनता के बीच जाकर कृषि कानूनों के बारे में बताएं कि किस तरह से ये कानून किसानों के लिए फायदेमंद हैं, साथ ही यह भी बताएं कि दें आंदोलन नरेंद्र मोदी सरकार को बदनाम करने की मंशा से विपक्षी दलों की ओर से चलाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार किसान आंदोलन को लेकर जो फीडबैक मिला है वह भाजपा के लिए अच्छा नहीं है। पश्चिमी यूपी में जिस तरह से फीडबैक मिल रहा है, उसके मुताबिक, अगर किसान आंदोलन लंबा चलेगा तो 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी का जाट वोट बैंक खिसक सकता है। जमीनी स्तर के लोगों का मानना है कि किसान आंदोलन जल्दी से जल्दी खत्म हो, इसके लिए सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। हरियाणा में जाटों की नाराजगी की असली वजह हरियाणा का नेतृत्व है और कृषि

कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन ने ये नाराजगी और बढ़ा दी है। पश्चिमी यूपी में जाटों की नाराजगी इस कारण भी बढ़ी है कि गन्ने पर मिलने वाली सब्सिडी को भी नहीं बढ़ाया गया है।

इसके साथ-साथ गन्ना किसानों के बकाया पैसों का भुगतान भी नहीं किया गया है। खबरों के मुताबिक, पार्टी को सुझाव मिले हैं कि किसान आंदोलन के कारण जाटों के साथ अलग-अलग जातियों में नाराजगी बढ़ सकती है। पश्चिमी यूपी की 36 जातियों की खाप पंचायतों का मुख्यालय मुजफ्फरनगर में हैं। इन खाप पंचायतों से बैक चैनल बातचीत करके आम लोगों की नाराजगी को दूर किया जा सकता है। आंदोलन लंबा चला तो जाट और मुस्लिम वोट बैंक एकजुट होने की सम्भावनाएं बढ़ सकती हैं। पश्चिमी यूपी में ही नहीं, बल्कि जिन-जिन प्रदेशों में भी जाट हैं, वे अन्य जातियों को भी प्रभावित करने में सक्षम हैं। पार्टी को जमीन पर लोगों समझाना पड़ेगा कि तीनों कृषि कानून किसान के लिए फायदे का सौदा हैं, इसका बड़े स्तर पर प्रचार करना होगा। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से किसानों समेत सभी वर्गों में सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन-पेंशन में देरी पर सरकार को देना होगा ब्याज:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि सरकारी कर्मचारी अपना वेतन और पेंशन पाने के हकदार हैं। अगर सरकार कर्मचारियों के वेतन और पेंशन के भुगतान में देरी करती है, तो सरकार को उसे उचित ब्याज दर के साथ वेतन और पेंशन का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया जा सकता है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक पूर्व जिला और सत्र न्यायाधीश द्वारा दायर जनहित याचिका को अनुमति प्रदान की थी और जिसमें मार्च-अप्रैल 2020 के स्थगित वेतन का भुगतान 12 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से वेतन का भुगतान करने तथा समान ब्याज दर के साथ मार्च 2020 के महीने के लिए लंबित पेंशन का भुगतान करने के लिए कहा गया। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को दी चुनौती में केवल ब्याज दर के मुद्दे तक सीमित रखा। राज्य ने तर्क दिया कि राज्य ने वेतन और पेंशन के भुगतान को स्थगित करने का निर्णय लिया था क्योंकि राज्य ने स्वयं को महामारी के कारण अनिश्चित वित्तीय स्थिति में पाया था। ऐसे में राज्य को ब्याज का भुगतान करने के दायित्व देना सही नहीं होगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने फैसले में कहा कि वेतन और पेंशन के विलंबित भागों के भुगतान के लिए दिया गया निर्देश साफ नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

जाड़े की वजह से बढ़ी गैस की कीमत, गर्मी आने के साथ ही घटने लगेंगे दाम : प्रधान

वाराणसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शुक्रवार से दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के सवाल पर जबाब देते हुए कहा कि जाड़े की वजह से दाम बढ़े हैं। जाड़ा घटेगा तो दाम भी कम हो जाएंगे। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को गैस के दाम में हुई बढ़ोतरी को लेकर कहा कि सर्दी के कारण गैस का दाम बढ़ा है। जैसे-जैसे मौसम बदलेगा दाम कम हो जाएगा। यह अंतरराष्ट्रीय मामला है, जैसे-जैसे सर्दी कम होगी, गैस का दाम भी घट जाएगा। अभी मांग ज्यादा है।

प्रियंका गांधी ने भरतपुर मामले में कार्रवाई के लिए सीएम गहलोत को कहा धन्यवाद

जयपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भरतपुर में दुष्कर्म के मामले में संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का धन्यवाद किया है। प्रियंका ने ट्वीट किया कि भरतपुर मामले में संज्ञान लेकर शीघ्रता से न्यायोचित कार्रवाई करने के लिए अशोक गहलोत का बहुत धन्यवाद। उन्होंने लिखा कि कोई भी राजनीतिक व्यवस्था महिलाओं के प्रति संवेदनशील हुए बिना प्रगति नहीं कर सकती।

24वीं भारत-यूएसए कार्यकारी संचालन समूह (ईएसजी) की बैठक का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। भारत-यूएसए कार्यकारी संचालन समूह (ईएसजी) की बैठक का 24वां संस्करण दिनांक 22 से 24 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस बैठक में अमरीकी सेना के 12 सदस्यीय शिष्टमंडल ने भाग लिया और अमरीका के विभिन्न स्थानों से लगभग 40 अधिकारियों ने आभासी रूप से भाग लिया। मेजर जनरल डेनियल मैकडेनियल, डिप्टी कमांडिंग जनरल, यूएस आर्मी पैसिफिक (यूएसएआरपीएसी) अमेरिका की ओर से प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख थे। भारतीय सेना के प्रतिनिधिमंडल में 37 अधिकारी शामिल थे। यह सेना से सेना के संबंधों के लिए एक मंच है जो हर साल बारी-बारी से भारत और अमेरिका में सेना से सेना के सहयोग के विषय पर चर्चा करने के लिए मिलता है। आपसी हितों के कई समकालीन मुद्दों पर विविध क्षेत्रों में आपसी तालमेल बढ़ाने के उद्देश्य से चर्चा की गई। कोविड-19 के प्रतिबंधों के कारण पहली बार यह बैठक वैयक्तिक और आभासी तरीके के माध्यम से आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों के बीच रक्षा सहयोग के प्रासंगिक मुद्दों और हित के साझा विषयों पर इस बैठक के दौरान चर्चा की गई।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने औषधि तथा चिकित्सा उपकरण क्षेत्र पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली। केन्द्रीय रेल, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज भारतीय औषधि तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से गुणवत्ता सुविधा में श्रेष्ठ व्यवहारों को अपनाने तथा उच्च मानक बनाए रखने के संकल्प का आह्वान किया। गोयल औषधि तथा चिकित्सा उपकरण क्षेत्र पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी को सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में मैन्यूफैक्चरिंग का व्यवहार श्रेष्ठ हो। संपूर्ण स्वास्थ्य इकोसिस्टम को विश्व को यह विश्वास प्रदान करना चाहिए कि भारत एक स्थान है जहां स्वास्थ्य की सभी चीजें मिल सकती हैं और यह वन स्टॉप सॉल्यूशन है। गोयल ने कहा कि गुणवत्ता कीमत पर नहीं मिलती बल्कि गुणवत्ता हमारे मूल्य को घटाती है। उन्होंने कहा कि नियामक व्यवस्था तथा अच्छे मैन्यूफैक्चरिंग व्यवहार, प्रणालियां तथा प्रमाणीकरण, स्वीकृति हमेशा हमें बढ़ने में मदद देंगी और कीमतों में कमी करेंगी। गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए स्वर्णिम अवधि देखी है। उन्होंने कहा कि हमें अगले दशक को भारत का दशक बनाना है जब पूरा विश्व भारतीय मानकों का अनुसरण करेगा। पीयूष गोयल ने कहा कि विश्व आज क्योर (रोग मुक्ति) चाहता है। रोग मुक्ति अनुसंधान और उद्यम के माध्यम से लागत प्रभावी सार्वभौमिक समाधान से मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुडुचेरी में गुरुवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते हुए।

मेट्रो मैन ई श्रीधरन बीजेपी में हुए शामिल केंद्रीय मंत्री आरके सिंह रहे मौजूद

नई दिल्ली। मेट्रो मैन के नाम से मशहूर केरल के ई श्रीधरन औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। श्रीधरन ने केरल के मलप्पुरम में बीजेपी के एक कार्यक्रम में पार्टी ज्वाइन की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री आरके सिंह भी मौजूद रहे। श्रीधरन ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह भाजपा में शामिल होकर राजनीति के मैदान में उतरेंगे। उन्होंने बीते सप्ताह ही कहा था कि अगर भाजपा चाहे तो वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और यदि पार्टी कहे तो वह मुख्यमंत्री पद के लिए भी तैयार हैं। मेट्रोमैन के रूप में जाने जाने वाले और बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने में कुशल माने जाने वाले 88 वर्षीय टेक्नोक्रेट ने यह भी कहा था कि उनका मुख्य उद्देश्य भाजपा को केरल में सत्ता में लाने में मदद करना है। भारतीय जनता पार्टी में श्रीधरन की एंट्री को केरल में पार्टी के लिए एक प्रमुख प्रोत्साहन के रूप में देखा जा रहा है। ई श्रीधरन ने केंद्र के नए कृषि कानूनों का जमकर समर्थन करते हुए

शुक्रवार को कहा था कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के हर कदम का विरोध करना एक फैशन सा बन गया है। श्रीधरन ने कहा कि देश में कोई असहिष्णुता नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी विदेशी मंच अथवा माध्यम में सरकार की छवि खराब करने की किसी भी कोशिश को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह व्यवस्था के खिलाफ युद्ध के समान होगा और अगर इसका इस्तेमाल हमारे देश के ही खिलाफ हो रहा है तो इस संवैधानिक अधिकार पर नियंत्रण किया जाना चाहिए।

चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में एनएमसी लाएगा व्यापक बदलाव: पीएम

चेन्नई। देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार के योगदान की प्रशंसा करते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला रही है तथा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) इन क्षेत्रों में बहुत पारदर्शिता लेकर आएगा। यहां स्थित एमजीआर चिकित्सा विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'हम पूरे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला रहे हैं।' उन्होंने कहा कि एनएमसी के गठन से इस क्षेत्र में पारदर्शिता आएगी और यह नए चिकित्सा कॉलेजों की स्थापना को तर्कसंगत बनाएगा। उन्होंने कहा, 'इससे इस क्षेत्र में मानव संसाधन की उपलब्ध्ता और उसकी गुणवत्ता में सुधार आएगा।'

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के वर्तमान कालखंड में भारत के स्वास्थ्य ढांचे को दुनिया भर में नए नजरिए, नए सम्मान और नई विश्वसनीयता के साथ देखा जा रहा है और ऐसे में चिकित्सकों

की जिम्मेदारी भी बहुत बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, 'आप सब ऐसे समय में स्नातक की उपाधि हासिल कर रहे हैं जब भारतीय चिकित्सा जगत के पेशेवरों, वैज्ञानिकों और फार्मा जगत के पेशेवरों को सम्मान के नजरिए से देखा जा रहा है। कुल मिलाकर भारत के पूरे स्वास्थ्य ढांचे को नए नजरिए, नए सम्मान और नई विश्वसनीयता के साथ देखा जा रहा है।' उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह भी है कि देश के युवा चिकित्सकों के कंधों पर जिम्मेदारी को बोझ भी बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले छह वर्षों के दौरान एमबीबीएस सीटों में 30 हजार से अधिक की वृद्धि हुई, जो 2014 की संख्या से 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

इसी प्रकार एमबीबीएस की स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में 24 हजार की वृद्धि हुई जो 2014 की संख्या से लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि 2014 में देश में सिर्फ छह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान थे जबकि पिछले छह वर्षों में केंद्र सरकार ने देश भर में 15 और एम्स को मंजूरी दी है। इस दौरान तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित भी उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा उपाधियां प्रदान की गई। एमजीआर विश्वविद्यालय तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन के नाम पर रखा गया है। यह पहला मौका था जब देश के प्रधानमंत्री ने इस विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

अजीत डोभाल के प्रयास से रिश्ते ठीक होने की जगी आस

जम्मू। भारत-पाकिस्तान सीमा पर संघर्ष विराम की घोषणा अगर वास्तविक रूप में अमल में आई तो इसका सकारात्मक असर दोनो देशों के कूटनीतिक रिश्तों पर भी देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि जम्मू-कश्मीर में 4जी सेवा शुरू होना, भारत की पहल पर बुलाई गई पड़ोसी देशों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोविड जैसी स्थितियों से निपटने के लिए सुझाये गए उपायों का पाकिस्तान द्वारा समर्थन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विमान को भारतीय एयर स्पेस के उपयोग की इजाजत देना और अब दो कदम आगे बढ़कर संघर्ष विराम पर परस्पर सहमति इस बात का संकेत है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों में बहुत कुछ चहलकदमी हो रही है। रणनीतिक स्तर पर सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की सक्रियता संघर्ष विराम के पीछे बताई जा रही है। कई अन्य स्तरों पर चहलकदमी का असर आने वाले दिनों में देखने को मिल सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत ने ताजा घटनाक्रम के

बाद पाकिस्तान को लेकर जिस तरह से सधी प्रतिक्रिया दी है उससे संकेत साफ हैं कि रिश्तों को बेहतर करने की पहल पर्दे के पीछे चल रही है। दोनों तरफ से कुछ सद्भावना दिखाने का प्रयास हो रहा है। सूत्रों ने कहा कि अगर जमीन पर पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का सख्ती से पालन किया और आतंकवाद और घुसपैठ को रोका जा सका तो दोनो देशों के रिश्ते बेहतर बनाने के कुछ और कदम नजर आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने संघर्ष विराम के बाद बातचीत की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल पर सतर्क बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा है,ह्यभारत, पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह रिश्ते चाहता है।

संवेदना के धागों से बुनी गयी किताब है 'जिंदगी का बोनस'

पद्मश्री से अलंकृत अशोक चक्रधर ने किया सच्चिदानंद जोशी की पुस्तक का लोकार्पण

नई दिल्ली। प्रख्यात संस्कृतिकर्मी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डा. सच्चिदानंद जोशी की रम्य रचनाओं की पुस्तक ह्य जिंदगी का बोनस ह्न का लोकार्पण इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पद्श्री से अलंकृत प्रख्यात व्यंग्यकार अशोक चक्रधर ने किया। इस मौके पर पद्मश्री से सम्मानित नृत्यांगना शोभना नारायण, भारतीय जनसंचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, कथाकार अल्पना मिश्र, प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि लेखक की सह्दयता ने जिंदगी की बहुत साधारण घटनाओं

को ह्यजिंदगी का बोनसह्न बना दिया है,यह किताब संवेदना के धागों से बुनी गई है। लेखक की यही संवेदना, आत्मीयता और आनंद की खोज इस पुस्तक का प्राणतत्व है। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि श्री जोशी बहुमुखी प्रतिभासंपन्न और सह्दय व्यक्ति हैं, उनके इन्हीं गुणों का विस्तार इन रम्य रचनाओं में दिखता है। इस संग्रह की एक रचना 'इफ्तार' उनकी संवेदना का सच्चा बयान है। श्री जोशी की खासियत है कि वह सबको साथ लेकर चलते हैं, एक अच्छे संगठनकर्ता भी हैं, जहां जाते हैं अपनी दुनिया बना लेते हैं। सबको जोड़ कर रखते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी की प्राध्यापक और लेखिका अल्पना मिश्र ने कहा कि इस पुस्तक के बहाने हिंदी साहित्य को एक अनूठा गद्य मिला है। जिसमें ललित निबंध, कथा, निबंध के मिले-जुले रूप दिखते हैं। इन रम्य कथाओं में विविधता बहुत है और इनका भरोसा एक सुंदर दुनिया बनाने में है। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रसिद्ध नृत्यांगना शोभना नारायण ने कहा कि लघु कथा के इस संग्रह में चिंतन और मनन दिखाई देता है। सामान्य घटनाओं से निष्कर्ष निकालना और सीख लेना मानवीयता, सूक्ष्मता, सूझबूझ और जीवन जीने का साहस भी इसमें दिखाई देता है। साथ ही साथ रसास्वादन भी है। ये रचनाएं ज्ञानवर्धक भी हैं। कौन किस कहानी से क्या सीख ले जाता है लेखक ने यह सूक्ष्मता दिखाई है। इस मौके पर श्री सच्चिदानंद जोशी ने लेखकीय वक्तव्य दिया और अपनी दो कहानियों का पाठ भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्रुति नागपाल और आभार ज्ञापन मालविका जोशी ने किया।

बालाकोट एयरस्ट्राइक के दो साल पूरे होने पर शाह ने वायुसेना की वीरता को किया सलाम

नई दिल्ली। पुलवामा में हुए आतंकी हमले के जवाब में 26 फरवरी 2019 को हुई बालाकोट एयर स्ट्राइक के दो साल पूरे होने पर गृहमंत्री अमित शाह ने वायुसेना की वीरता की सराहना की है। आज ही के दिन भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुस कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों को तबाह करते हुए 14 फरवरी को हुए जम्मू-कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले का बदला लिया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि 2019 में आज ही के दिन इंडियन एयरफोर्स ने पुलवामा आतंकी हमले का जवाब देकर नए भारत की आतंकवाद के विरुद्ध अपनी नीति को पुनः स्पष्ट किया था। मैं पुलवामा के वीर शहीदों का स्मरण व वायुसेना की वीरता को सलाम करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व हमारे जवानों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहे सीआरपीएफ के काफिले के

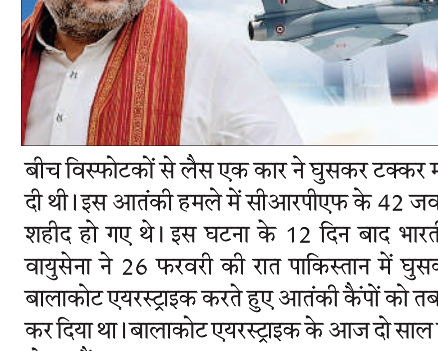

बीच विस्फोटकों से लैस एक कार ने घुसकर टक्कर मार दी थी। इस आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 42 जवान शहीद हो गए थे। इस घटना के 12 दिन बाद भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी की रात पाकिस्तान में घुसकर बालाकोट एयरस्ट्राइक करते हुए आतंकी कैंपों को तबाह कर दिया था। बालाकोट एयरस्ट्राइक के आज दो साल पूरे हो गए हैं।

श्रीराम कथा का हवन-पूजन व भंडारे के साथ हुआ समापन

» मदरलैंड संवाददाता

बलरामपुर । नगर में चल रही श्री राम कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक हुआ। श्रोताओं की उमड़ी भीड़ ने इस अवसर पर न्योछावर लुटाया व भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया । कथा वाचक सर्वेश महाराज ने कथा सुनाते हुए कहा कि श्रीराम दूत हनुमान द्वारा माता सीता का लंका में पता लगाया गया , श्रीराम ने वानरी सेना के साथ लंका पर धावा बोलते हुए लंकापति रावण सहित निशाचरों का समूल विनाश किया । इस भव्य श्रीराम कथा में जिले के जनप्रतिनिधियों ,समाजसेवियों व प्रबुद्धजनों के प्रतिदिन उपस्थित होकर इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाया। नगरवासियों ने प्रतिदिन कथा का अनुश्रवण कर प्रसाद ग्रहण किया । एसएससी ग्रुप के एमडी धीरेन्द्र प्रताप सिंह ह्यधीरुह्न ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी सहयोगियों व कार्यकताओं को सम्मानित भी किया । युवा संत सर्वेश महाराज ने कथा के आयोजन में मिले अपार सहयोग के लिए सभी दानदाताओं, सहयोगियों कार्यकताओं व नगर के लोगों की सराहना की। रामनरेश त्रिपाठी, सौरभ त्रिपाठी, डॉ भानु तिवारी,अमरनाथ शुक्ल ,शिवम पांडेय ,अनिरुद्ध शुक्ल ,गौरव मिश्र ,कुलदीप सिंह-,शशांक श्रीवास्तव,सभासद मंटू सिंह ,विनोद गिरी ,राजा शुक्ल सहित सभी धर्म प्रेमी बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा ।

27 फरवरी से शुरू होगा वर्चुअल टॉय फेयर, स्कूल में खिलौने की वर्कशॉप

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। देशभर में 27 फरवरी से आयोजित होने जा रहे ह्यवर्चुअल टॉय फेयरह्न को लेकर लिटिल फ्लॉवर ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने खास तैयारी की है। इसके तहत स्कूल्स में खिलौने बनाने की वर्कशॉप जारी है जिसमें शिक्षकों के साथ छात्र भी बढ़चढ़कर भाग ले रहे हैं। लिटिल फ्लॉवर स्कूल की प्रधानाचार्या नीता दुआ के निदेर्शानुसार हिंदी, विज्ञान, गणित और सामाजिक ज्ञान आदि विषयों को रुचिकर बनाने के लिए शिक्षकों की तरफ से स्वनिर्मित शिक्षण सामग्री के साथ-साथ स्वदेशी खिलौनों को भी तैयार किया जा रहा है। शिक्षकों का यह सराहनीय उत्साह शिक्षण को सरल व सहज बनाने में सहायक सिद्ध होगा। खेल-खिलौने हमेशा से बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। पाठ्य सामग्री में इनका प्रयोग शिक्षण को बच्चों के लिए आनंद पूर्ण बना देगा। स्कूल की प्रबंधिका सीएम पटेल ने कहा कि खिलौनों से ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही शिक्षण ज्यादा रुचिकर हो जाएंगे। इससे छात्रों में रटने की जगह सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्वदेशी पारंपरिक खिलौने पढ़ने व पढ़ाने का साधन बन जाएंगे जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल की धारणा और ज्यादा मजबूत होगी।

संक्षिप्त समाचार

गोमांस की खबर पर भीड का हंगामा

मदरलैंड संवाददाता , नोएडा। नोएडा के नोलेज पार्क थाना क्षेत्र के गुलावली गांव के पास हाईवे पर आज एक अज्ञात इनोवा कार दुर्घटना ग्रस्त होकर डिवाइडर से टकरा गई। लोगों ने जब एक्सिडेंटल गाड़ी में मांस देखा, तो पुलिस को सूचना दी गई। लेकिन गौमांस से भरी गाडी के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना जंगल में आग की तरह फैल गई। शक इसलिये भी गहरा गया कि इस गाडी में कोई नहीं मिला। जिससे लोगों ने अंदाज लगाया कि जरुर दाल में काला है, और हंगामा शुरू हो गया। हंगामे की सूचना पर एडीसीपी विशाल पांडे घटना स्थल पर मय फोर्स के पहुंचे, बडी चतुराई से उन्होंने भीड के गुस्से को शांत किया। वहीं पशु चिकित्सकों की टीम बुलाकर मांस का सेम्पल जांच के लिए लेबोरेट्री में भिजवाया गया है। इस अवसर पर विशाल पांडे ने कहा कि गाडी के नंबर से मालिक का पता लगाकर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

अर्थव्यवस्था के मोर्चा पर सरकार को बड़ी राहत, जीडीपी में 0.4 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। पिछले एक साल से मंदी के दौर का सामना करने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आखिर अच्छी खबर आ गई। दिसंबर तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 0.4 फीसदी की बढ़त हुई है। यानी भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से बाहर निकल गई है। जीडीपी के इन आंकड़ों का सभी को बेसब्री से इंतजार था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा आंकड़े जारी किए गए। अप्रैल से जनवरी के दौरान राजकोषीय घाटा 12.34 लाख करोड़ रुपये रहा है। गौरतलब है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना की वजह से इतिहास में पहली बार तकनीकी रूप से मंदी के दौर में पहुंची थी। जब कोई अर्थव्यवस्था लगातार दो तिमाही गिरावट में रहती है, तब मान लिया जाता है कि वह तकनीकी रूप से मंदी के दौर में पहुंच चुकी है। कोरोना संकट की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था गिरावट के दौर में है। इसकी वजह से ही इस वित्त वर्ष की जून में होने वाली पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में 23.9 फीसदी की गिरावट आई। इसकी वजह यह थी कि उस दौरान देश में काफी सख्त लॉकडाउन लगाने के कारण इकोनॉमी पूरी तरह से ठप थी। इसके बाद फिर सितंबर की दूसरी तिमाही में जीडीपी में 7.5 फीसदी की गिरावट आई।

कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैचों से खुद को परखने में मिलेगी मदद : संधू

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को लगता है कि ओमान और संयुक्त अरब अमीरात जैसी कड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ मैत्री मैच खेलने से खिलाडियों को खुद को परखने में मदद मिलेगी क्योंकि वे कोविड-19 के कारण एक साल से भी ज्यादा समय बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैचों में वापसी कर रहे हैं। भारतीय पुरूष टीम को 25 को ओमान के खिलाफ और 29 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलने हैं। संधू ने कहा, यह हम खिलाडियों के लिए और भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी खबर है कि हम अंतरराष्ट्रीय मैचों में फिर खेलने वाले है। उन्होंने कहा, दोनों मैच बहुत कड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ हैं जिनके खिलाफ हम खेलना पसंद कर खुद को परखना चाहते है। अंतरराष्ट्रीय खेल कोविड-19 के कारण बंद हो गए थे, मैं भली भांति वाकिफ हूं कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों का आयोजन करना कितना मुश्किल है। भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का अपना अंतिम मैच नवंबर 2019 में खेला था। इसमें टीम ने ताजिकिस्तान में अफगानिस्तान के खिलाफ और मस्कट में ओमान के खिलाफ 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैच खेले थे।

बीजेपी की राष्ट्रीय मंत्री अलका ने कहा, राबर्ट वाड्रा किसानों की हड़पी जमीन लौटा दें

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजेपी की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर ने रॉबर्ट वाड्रा को लेकर बड़ा बयान दिया है। अलका ने कहा कि राबर्ट वाड्रा राजनीति में आएं, लेकिन उन्हें समझना होगा कि राजनीति सेवा का काम है, उन्हें उन किसानों की भलाई करने के बारे में कुछ सोचना चाहिए, जिनकी जमीनें हड़पी है। असल में, बीकानेर जमीन घोटाला मामले में राबर्ट वाड्रा पेशी पर राजस्थान आकर उन्होंने एक मंदिर भी गए। बता दें कि गुरुवार को पेशी पर जयपुर पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा ने गणेश मंदिर में दर्शन कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद लिया था। अलका गुर्जर ने कहा कि 'यह अच्छी बात है कि रॉबर्ट वाड्रा को परेशानी के समय देव दर्शन का समय मिल गया। जहां तक राजनीति में आने की बात कर रहे हैं,तब राजनीति सेवा का काम है। उन्हें यह समझनी चाहिए। राजस्थान पेशी के लिए आए हैं, वह उस पेशी के लिए आए हैं।

आलोक सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन का औचक निरिक्षण

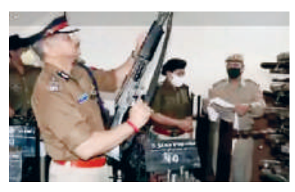

» अजय प्रताप सिंह

नोएडा। अपनी कार्यशैली को लेकर चचाओं में रहने वाले नोएडा के पहले पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह आज रिर्जव पुलिस लाइन का औचक निरिक्षण करने जा पहुंचे, कमिश्नर को रिजर्व पुलिस लाइन में देखकर कर्मचारी और अधिकारी भौचक्के रह गये। आनन फानन में सारे प्रबंध किये गये। दिल्ली की तर्ज पर यूपी में कमिश्नरेंट प्रणाली लागू की जाय अथवा नहीं, इसके परिक्षण के रुप में नोएडा और लखनऊ में यह प्रणाली प्रयोगात्मक लागू की गई थी। पहले कमिश्नर का पदभार कांटों भरी सेज समान था। कारण भी उनसे पूर्व दो एस एस पी की कार्यप्रणाली विवादों के घेरे में रही थी। जिसमें एक अजयपाल शर्मा पर विभागीय जांच भी बिठाई गयी थी। यही कारण रहा कि कमिश्नर आलोक सिंह की राहों में पुलिस के प्रति समाज की सोच को सकारात्मकता लाना भी मुख्य था। अन्यथा लोग व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा कर दें उससे पहले कुछ अच्छा करने की जिम्मेदारी आलोक सिंह के कंधों पर आ गई थी।

रिजर्व पुलिस लाइन के निरिक्षण में आज बेहतर मानव प्रबंधन पर विशेष बल रहा, जिसका सीधा सरोकार व्यवस्था पर भरोसा कायम करने से होता है। वहीं हथियारों का भौतिक सत्यापन भी किया गया, अभिलेखों की जांच की गयी, कार्यालय परिसर में साफ सफाई, तथा आगामी त्रिपक्षीय चुनावों की तैयारी तथा इस बीच सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता पर रखा गया।

पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा को पवित्र मानकर उसका पालन कीजिए: आलोक मेहता

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा को पवित्र मानकर उसका पालन कीजिए। यह मार्ग कांटों भरा भले ही हो, लेकिन यदि आपके पास पूरे तथ्य और प्रमाण हैं, आपको अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी है, तो आपको बेवाक होकर अपनी बात रखनी चाहिए। यह विचार पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष आलोक मेहता ने भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम ह्यशुक्रवार संवादह्न में व्यक्त किए। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी विशेष तौर पर उपस्थित थे। पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मेहता ने कहा कि पत्रकारिता करते समय किसी के प्रति कोई दुराग्रह नहीं रखना चाहिए। मौजूदा दौर में अधिकतर लोग जिम्मेदारी से अपना काम कर रहे हैं, लेकिन कहीं-कहीं लोग अपनी लक्ष्मण रेखा को पार भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जाता है, लेकिन भारत में अब तक हम आचार संहिता को अनिवार्य रूप से लागू करने में सफल नहीं हो पाए हैं। मेहता ने युवा पीढ़ी के पत्रकारों को आगाह करते हुए कहा कि उन्हें ध्यान रखना होगा कि वे सदैव सुनने को तैयार रहें। दूसरों को भी सुनिए। आप लोगों के प्रति पूर्वाग्रह न रखिए। धर्म, जाति आदि का उल्लेख करने से बचिए। अपराधी की कोई धर्म या जाति नहीं होती। एक व्यक्ति के कारण पूरे समुदाय को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं। कार्यक्रम में आईआईएमसी के डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह ने आलोक मेहता का स्वागत किया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विकास पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार ने किया।

भारत में नीरव मोदी को किस जेल और कितने नंबर बैरक में रखा जाएगा

नई दिल्ली । भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के मामले में ब्रिटेन की अदालत के फैसले के बाद उसे भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के खिलाफ केस हारते ही भारत में उसके लिए प्रशासन तैयारियां में जुट गया है। भारत में वह किस जेल में रहेगा और कितने नंबर बैरक में रहेगा, उसके आने से पहले ही यह फाइनल हो चुका है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में वॉन्टेड नीरव मोदी को सलाखों के पीछे बंद करने के लिए मुंबई की आर्थर रोड जेल ने एक विशेष सेल तैयार रखा है। जेल अधिकारी ने कहा कि जब नीरव मोदी को मुंबई लाया जाएगा, तब उसे बैरक नंबर 12 में मौजूद तीन सेलों में से एक में रखा जाएगा। बता दें कि ऑर्थरल जेल का यह 12 नंबर बैरक काफी हाई सिक्योरिटी वाला बैरक है।

यौन उत्पीड़न मामलों को नजरअंदाज होने नहीं दिया जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह यौन उत्पीड़न के मामलों को नजरअंदाज नहीं होने दे सकता है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश के एक पूर्व डिस्ट्रिक्ट जज की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह कहा, जिसमें एक जूनियर न्यायिक अधिकारी द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के बाद डिस्ट्रिक्ट जज ने इसे चुनौती दी थी। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अगुवाई वाली पीठ जिसमें न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यन भी शामिल थे, ने कहा, हम यौन उत्पीड़न के मामलों को नजरअंदाज होने नहीं दे सकते। पीठ ने जज से अनुशासनात्मक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका वापस लेने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता आर बालासुब्रमण्यम से कहा, आप बहुत पतली रेखा पर चल रहे हैं, आप किसी भी समय गिर सकते हैं। आपके पास जांच में बरी होने का मौका हो सकता है, लेकिन आज जैसे कि मामला सामने है आप पहले ही दोषी हैं। मामले में विस्तृत सुनवाई के बाद, शीर्ष अदालत ने कहा कि वह याचिकाकर्ता के विवाद से निपटने के लिए एक छोटा आदेश पारित करेगी और फिर याचिका को खारिज कर देगी। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि वह जांच में भाग लेने के लिए स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दे। 16 फरवरी को, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक जिला न्यायाधीश के आचरण पर तीखी टिप्पणी की, जिन्होंने एक जूनियर अधिकारी को आपत्तिजनक और अनुचित संदेश भेजे और इस आचरण को ह्यफ्लर्टह्न के रूप में उचित ठहराया था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अर्जुन गर्ग के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव ने जिला न्यायाधीश द्वारा जूनियर महिला अधिकारी को भेजे गए कई व्हाट्सएप संदेशों को पढ़ा।

श्रीवास्तव ने कहा कि वह एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी हैं, इसलिए उनका आचरण महिला अधिकारी के साथ कहीं, ज्यादा गरिमापूर्ण होना चाहिए था। शीर्ष अदालत ने कहा, व्हाट्सएप संदेश काफी अपमानजनक और अनुचित हैं। एक जज के लिए जूनियर अधिकारी के साथ यह आचरण स्वीकार्य नहीं है।

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करना युवक को पड़ा महंगा, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पास एक पिस्टल बरामद की है। दरअसल, शादी में हर्ष फायरिंग करने की एक वीडियो वायरल हो रही थी, जिसमें युवक अपने सिर में पिस्टल लगाकर आसमान की तरफ फायरिंग करता नजर आ रहा था। हर्ष फायरिंग का ये वीडियो सामने आने के बाद नार्थ जिला दिल्ली पुलिस हरकत में आई। पूरे वीडियो की पड़ताल शुरू की गई, जिसके बाद इस वीडियो को पूरे नार्थ जिले के थानों में सकुर्लेट किया गया। पुलिस टीमों ने जिले में हुई शादियों का रिकॉर्ड खंगाला तो पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स आशीष नाम का एक बदमाश है जिसने अपने चचेरे भाई की शादी में बनाया था, जिसके बाद डीसीपी नार्थ एन्टो अल्फांस के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई और आरोपी की धरपकड़ के लिए जिले के अलग अलग जगह भेजी गई।

भारत में नीरव मोदी को किस जेल और कितने नंबर बैरक में रखा जाएगा

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के मामले में ब्रिटेन की अदालत के फैसले के बाद उसे भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के खिलाफ केस हारते ही भारत में उसके लिए प्रशासन तैयारियां में जुट गया है। भारत में वह किस जेल में रहेगा और कितने नंबर बैरक में रहेगा, उसके आने से पहले ही यह फाइनल हो चुका है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में वॉन्टेड नीरव मोदी को सलाखों के पीछे बंद करने के लिए मुंबई की आर्थर रोड जेल ने एक विशेष सेल तैयार रखा है। जेल अधिकारी ने कहा कि जब नीरव मोदी को मुंबई लाया जाएगा, तब उसे बैरक नंबर 12 में मौजूद तीन सेलों में से एक में रखा जाएगा। बता दें कि ऑर्थरल जेल का यह 12 नंबर बैरक काफी हाई सिक्योरिटी वाला बैरक है। अधिकारी ने कहा कि भगोड़े नीरव मोदी को जेल में रखने की तैयारी पूरी हो चुकी है और जब भी उसका प्रत्यर्पण होगा, उसके लिए जेल की कोठरी तैयार है। वहीं, ब्रिटेन की अदालत से फैसला आने के बाद भारत ने कहा है कि नीरव मोदी के मामले में ब्रिटेन के कोर्ट के फैसले के बाद उसके प्रत्यर्पण के लिए जल्द संपर्क किया जाएगा। फिलहाल अदालत ने मामला वहां के होम सेक्रेटरी के पास भेजा है। उनके अप्रूवल पर आगे की स्थिति निर्भर करेगी। फिलहाल इसके लिए दो महीने का वक्त मिल सकता है। जेल विभाग ने यह भी आश्वासन दिया था कि नीरव मोदी को एक ऐसे सेल में रखा जाएगा, जहां बंदियों की संख्या कम होगी। जब नीरव मोदी को बैरक में बंद किया जाएगा तो उसे तीन वर्ग मीटर का व्यक्तिगत स्थान मिलने की संभावना है। जेल में उसे एक कपास चटाई, तकिया, बेडशीट और कंबल प्रदान किया जाएगा। उसके बैरक में वेंटिलेशन, उसके सामानों के लिए एक स्टोरेज और पर्याप्त लाइट की भी सुविधा होगी।

सीमा मुददों से निपटने को लेकर भारत दृढ़ और संकल्पित रहा: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सीमा मुद्दों से निपटने को लेकर भारत दृढ़ और संकल्पित रहा और इससे प्रभावी ढंग से निपटाना जानता है। उनकी टिप्पणी को भारत और चीन के बीच गतिरोध के संदर्भ में देखा जा रहा है। एशिया आर्थिक वार्ता के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत कोविड-19 और इसके आर्थिक प्रभावों से भी प्रभावी ढंग से निपटा और और सभी की बातों को सुनते हुए इस दिशा में समुचित कदम उठाए। विदेश मंत्री ने कहा, ह्यह्य पिछले वर्ष तीन इसतरह के बड़े घटनाक्रम सामने आए जिसने देश में हम सभी को प्रभावित किया। इन घटनाओं ने दुनिया को भी प्रभावित किया जिसमें से कोविड-19, इसका आर्थिक प्रभाव और इसकी चुनौतियां शामिल हैं। ये चुनौतियां हमारी सीमाओं पर आ गई और स्वाभाविक तौर पर इसका अपना प्रभाव भी था। उन्होंने कहा, इन सभी मामलों में मैं कहना चाहूंगा कि ये कठिन चुनौतियां थी। इस बारे में काफी चचाएं हुई और स्वाभाविक तौर पर ऐसा होना भी चाहिए था। इस संबंध में कड़े निर्णय, कई तरह की अटकलें और काफी संख्या में बिन मांगी सलाह भी थी।

विदेश मंत्री ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि सरकार के तौर पर हमने सभी की बात सुनी और इसके बाद हमें जो सही लगा, वैसा किया। सम्मेलन में आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मॉरिश पेन ने भी हिस्सा लिया। भारत द्वारा सीमा पर उत्पन्न स्थिति से निपटने का उल्लेख कर विदेश मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना और कोई ब्यौरा दिए बिना कहा, आप जानते हैं कि हमने वैसा किया, जैसा हमें करना चाहिए था। इस बारे में काफी चचाएं हुई हैं और आज भी हो रही हैं। यह स्वभाविक है कि लोग इसतरह के मामलों पर सुझाव देते हैं जिसके बारे में उन्हें कोई खास जानकारी नहीं होती है और यह मानव स्वभाव है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस स्थिति में भी हम संकल्पित थे और हमारे हितों की सुरक्षा को लेकर दृढ़ थे ।

डीजीसीए का आदेश, सिर्फ केबिन बैग लेकर यात्रा करने पर मिलेगी किराए में छूट

नई दिल्ली। हवाई यात्रा करने वालों को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बड़ी राहत दी है। डीजीसीए ने परिपत्र जारी कर घरेलू उड़ान संचालकों को अब उन यात्रियों को टिकट की कीमत में रियायत देने की अनुमति दी है, जो बिना बैगेज या केवल केबिन बैगेज के साथ यात्रा करते हैं। मालूम हो कि पिछले कुछ समय से यात्रियों के लिए घरेलू उड़ान में सफर करना महंगा हो गया है क्योंकि एयरलाइंस ने कोरोना के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए अपने किराए में वृद्धि की है।

हालांकि, डीजीसीए के नए दिशानिदेर्शों के अनुसार, बिना किसी चेक-इन बैग के देश के भीतर यात्रा करना जल्द ही सस्ता होगा। यानी अब जो यात्री सिर्फ केबिन बैग (जिसका वजन अधिकतम सात किलोग्राम हो) लेकर यात्रा करते हैं, उन्हें किराए में छूट मिलेगी। वर्तमान में यात्री कैबिन बैगेज के साथ 15 किलोग्राम का चेक-इन बैगेज ले जा सकता है। इससे ज्यादा सामान ले जाने पर अतिरिक्त चार्ज लगते हैं।

डीजीसीए की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि फीडबैक के आधार पर सामने आया है कि यात्रा के दौरान कई बार एयरलाइंस की ओर से जो सेवाएं मुहैया होती हैं, वास्तव में यात्रियों को कई बार उनमें से कुछ सेवाओं की जरूरत नहीं होती है इसके बाद सरकार की ओर से यह तय किया गया है कि यात्रियों की जरूरतों के हिसाब से इन सेवाओं को अलग किया जाएगा। यात्रियों को टिकट बुक करने के दौरान विकल्प दिया जाएगा कि वे उस सुविधा को लेना चाहते हैं या नहीं। डीजीसीए ने भारत में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को 28 फरवरी तक निलंबित किया है। डीजीसीए ने कहा है कि चुनिंदा रूटों पर खास आधार पर अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल्ड उड़ानों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा इजाजत दी जा सकती है।

ऐसे ही नहीं पिघल गई रिश्तों पर जमी बर्फ, चीन और पाक से संबंध सुधारने में डोभाल ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर और अन्य क्षेत्रों में संघर्ष विराम संबंधी सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमति जताई है। वहीं, सैन्य अधिकारियों ने कहा कि आतंकवाद और घुसपैठ से लड़ने के लिए पाकिस्तान सीमा पर सैनिकों की तैनाती या सैन्य अभियानों में कमी नहीं की जाएगी। इस्लामाबाद और नई दिल्ली में एक संयुक्त बयान जारी कर दोनों पक्षों ने कहा कि दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने हॉटलाइन संपर्क तंत्र को लेकर चर्चा की और नियंत्रण रेखा एवं सभी अन्य क्षेत्रों में हालात की सौहार्दपूर्ण एवं खुले माहौल में समीक्षा की।

दूसरी तरफ इन दिनों लद्दाख में हालात सामान्य हैं। आपसी सहमति के बाद भारत-चीन की सेनाएं एलएसी से पीछे हटी हैं। चीन और पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर जमी बर्फ यूं ही नहीं पिघली है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का इसमें अहम रोल रहा है। डोभाल ने सिर्फ पाकिस्तानी सेना से ही नहीं बल्कि इमरान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महीनों बैक चैनल बातचीत की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के प्रयास के बाद ही भारत-पाकिस्तान के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली और बातचीत आगे बढ़ी।

जानकारी के मुताबिक अजित डोभाल ने सुरक्षा मामलों में पाकिस्तान की इमरान सरकार के विशेष सलाहकार मोइड यूसुफ से किसी तीसरे देश में मुलाकात की थी। डोभाल ने पाकिस्तानी सेना प्रमख जनरल कमर जावेद बाजवा भी से बातचीत की। दरअसल इन दोनों से बातचीत इसलिए जरूरी थी क्योंकि यूसुफ इमरान के बेहद करीबी हैं, तो वहीं बाजवा सेना प्रमुख हैं। हालांकि मोइद यूसुफ ने इस रिपोर्ट को खारिज किया है कि उनकी डोभाल से मुलाकात हुई।

यूसुफ इमरान ने कहा कि उनकी डोभाल से कोई मुलाकात और बातचीत नहीं है, यह सब आधारहीन बातें हैं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान खुलकर इस पर कुछ नहीं कहेगा, लेकिन यह सच है कि कुछ लोगों को इस बातचीन की जानकारी थी। इन लोगों में प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल थे।

डोभाल ने चीन से एलएसी विवाद सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। सूत्रों के मुताबिक डोभाल ने गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ करीब दो घंटे तक वीडियो कॉल पर बात की थी। इसी बातचीत के बाद एलएसी पर दोनों देशों के बीच कुछ मामलों में सहमति बनी।

जमीन के लालच में भाई ने भाई को उतार मौत के घाट

» कांति प्रसाद

गढ़मुक्तेश्वर। गढ़ क्षेत्र के गांव मानकचैक में जमीन के लालच में बड़े भाई ने छोटे भाई को मौत के घाट उतार कर अपने ही गन्ने के खेत में उसका शव को दबा दिया। आरोपी भाई से पुछताछ के बाद सच सामने आने पर पुलिस ने गन्ने के खेत में दबा शव निकलवाया है। पुलिस पुरे मामले की जानकारी करने में लगी है। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव मानकचैक निवासी प्रदीप 26 वर्ष दो सप्ताह से लापता था शुक्रवार को पुलिस पुछताछ में प्रदीप का आरोपी भाई भूपेन्द्र जिसे टुट गया जिसकी निशानदेही पर शुक्रवार की दोपहर जब सीओ पवन कुमार, गढ़ कोतवाली प्रभारी शैलेश कुमार पुलिस टीम के साथ गांव में उनके गन्ने के खेत में पहुंची ओर खुदाई करवाई तो ग्रामीण चैंक गये। गढ़ कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतक प्रदीप अविवाहित था जो नशा भी करता था उसके भाई भूपेन्द्र ने जमीन के लालच में प्रदीप को शराब पिलाकर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी ओर शव को अपने गन्ने के खेत में ले जाकर उसे दबा दिया ओर प्रदीप के गायब होने की झुठी अफवाह फैला दी। पुछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार करते हुऐ पुलिस पुरे मामले ओर घटनाक्रम की जानकारी करने में लगी है।

सिंभावली में शिवपाल यादव का जोरदार स्वागत किया

» मदरलैंड संवाददाता

गढमुक्तेश्वर। सिंभावली क्षेत्र में प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव का उनके समर्थकों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। शिवपाल सिंह ने कहा कि आने वाले चुनावों में उनकी पार्टी अपने मजबूत उम्मीवार उतारेगी।

शुक्रवार को सिंभावली क्षेत्र में हाईवे पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव के मुरादाबाद से दिल्ली जाते समय उनके समर्थकों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर शिवपाल यादव ने कहा कि आने वाले चुनावों में उनकी पार्टी अपने मजबूत उम्मीवार उतारेगी। इस मौके पर सोनू, रूबी, सौरभ, खलील, फैजान अब्बासी, रियाज आदि लोग मौजूद रहे।

मानवीयता के साथ शील होंगे शव

» मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर। प्रदेश शासन ने मानवीयता को दृष्टिगत रखते हुए, हत्या या हादसों में मौत के बाद शवों को मान्यता के साथ सील किया जाएगा वही साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के लिए जिले की पुलिस को 1000 पोस्टमार्टम किट भेजी हैं।

ताकि परिजनों को सब संरक्षित ढंग से सौंपा जा सके। पुलिस महानिदेशक ने पुलिस बल कि आधुनिकीकरण योजना के तहत सबको सुरक्षित रखने के लिए 1000 किट जनपद की पुलिस को भेजी हैं पुलिस को किट उपलब्ध कराने का उद्देश्य वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करने के बाद शवों को सुरक्षित व विधिवत पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचाना है पोस्टमार्टम के बाद सब को सुरक्षित ढंग से परिजनों को सौंपा जा सकेगा पोस्टमार्टम की धूप में बॉडी बैग के साथ अन्य वस्तुएं भी सम्मिलित की गई है जिनमें पक्षियों को सुरक्षित उठाने से लेकर सुरक्षित रखने तक का सामान शामिल है वही सब को सील करने वाला एक मजबूत 6:30 फिट लंबा वह 3:30 फीट चौड़ा प्लास्टिक बैग है।

इसके साथ ही रबड़ के दस्ताने नाम पता वह संपूर्ण विवरण अंकित करने के लिए मार्कर साक्ष्यों के लिए प्लास्टिक की चार से पांच है लिया भ शामिल है। उल्लेखनीय है कि पंचनामा भरने के बाद सब को पोस्टमार्टम हाउस तक सुरक्षित ले जाने के लिए पुलिस को तमाम व्यवस्थाएं स्वयं करनी पड़ती थी।

संक्षिप्त समाचार

युवती के संदिग्ध परिस्थितियो में गायब होने पर रिपोर्ट दर्ज

मदरलैंड संवाददाता, गढ़मुक्तेश्वर। सिंभावली क्षेत्र के एक गांव से एक लड़की के संदिग्ध परिस्थितियों में गायब होने पर युवती के पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुऐ मदद की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके लड़की की तलाश शुरू कर दी है। थाना सिंभावली क्षेत्र के एक गांव के एक व्यक्ति ने थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना देते हुऐ बताया कि रात्रि में उसकी 23 वर्षीय पुत्री संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। उसे गांव अपनी बेटी के गायब होने में गांव के ही एक युवक का हाथ होने का संदेह है। इस संबंध में सिंभावली थानाध्यक्ष राहुल चैधरी का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके लड़की की तलाश की जा रही है।

एक माह पूर्व गायब हुई दो बच्चों की मां अचानक थाने पहुंची

मदरलैंड संवाददाता, गढ़मुक्तेश्वर। सिंभावली क्षेत्र के एक गांव से एक माह पूर्व गायब हुई दो बच्चों की मां के गायब होने के मामले में उसके पति ने गांव के ही एक व्यक्ति के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुक्रवार को महिला अचानक थाने पहुंच गई। पुलिस ने महिला का चिकित्सीय परीक्षण करने के बाद बयान के लिए न्यायालय में पेश किया है। थाना सिंभावली क्षेत्र के एक गांव से एक माह पूर्व दो बच्चों की मां चली गई थी जिसके गायब होने के मामले में उसके पति ने गांव के ही एक संदिग्ध व्यक्ति पर महिला को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुऐ उसके विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस महिला की तलाश में लगी थी शुक्रवार को महिला अचानक थाने पहुंच गई। जिससे बातचीत के बाद पुलिस ने महिला का चिकित्सीय परीक्षण करने के बाद बयान के लिए न्यायालय में पेश किया गया है।

रेलवे क्वार्टर के अंदर गोली लगने से युवक की मौत

मदरलैंड संवाददाता, आगरा। शमसाबाद में रेलवे क्वार्टर में शुक्रवार दोपहर संदिग्ध हालत में गोली लगने से रेलवे कर्मचारी के दोस्त की मौत हो गई। शव के पास पिस्टल पड़ी मिली है। पुलिस ने रेलवेकर्मी और उसके क्वार्टर में मिले एक अन्य दोस्त को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है, तथा दोस्त के खुदकशी करने की बात कह रहा है। मैनपुरी क्षेत्र के निवासी सुरेंद्र रेलवे में कर्मचारी है। वह शमसाबाद स्टेशन पर रेलवे क्वार्टर में रहता है। शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे फिरोजाबाद क्षेत्र के सलेमपुर गांव से दोस्त 35 वर्षीय सोनवीर और उपेंद्र उसके पास आए थे। रेलवे क्वार्टर में बैठकर दारू पार्टी की जा रही थी। इसके बाद पिस्टल से चली गोली सोनवीर की कनपटी पर लगी और उसकी मौत हो गई। दोपहर ढाई बजे पुलिस को जानकारी हुई। इसके बाद एसपी देहात पुलिस फोर्स के साथ वहां पहुंच गए। सोनवीर का शव सीढ़ियों पर पड़ा था और कमरे के अंदर एक अवैध पिस्टल पड़ी थी। पुलिस ने पिस्टल को कब्जे में ले लिया।

429 करोड़ की जिला विकास की कार्य योजना पारित

» अवनीश त्यागी

बिजनौर। राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल प्रभारी मंत्री जिला बिजनौर द्वारा जिला योजना समिति जिला बिजनौर की बैठक में प्रस्तावित जिला विकास योजना वर्ष 2021-22 के लिए 429 करोड़ 50 लाख की विभागवार कार्य योजना को सर्वसम्मति से पारित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय योजनाओं को पूर्ण मानक एवं गुणवत्ता के साथ क्रियान्वित किया जाए और उनका लाभ पंक्ति के अन्त में खड़े व्यक्ति को भी निश्चित रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि शासन की दृष्टि में सबसे कमजोर और असहाय व्यक्ति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है और उसे विकास की मुख्य धारा से जोड़ना प्राथमिकताओं में से एक है।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी अपने अधिकारों का प्रयोग सेवाभाव से करें ताकि प्रदेश के नागरिकों को शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ प्राप्त हो सके।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग उ प्र कपिल देव अग्रवाल प्रभारी मंत्री जिला बिजनौर विकास भवन के सभागार में जिला विकास योजना 2021-22 बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

हाईटेंशन करंट से एक की मौत

» मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर। थाना क्षेत्र मंडावर कस्बा निवासी बकरियों का चारा बेचने का काम करने वाले एक व्यक्ति की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई सब को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्राप्त समाचारों के अनुसार कस्बा मंडावर निवासी 42 वर्षीय वाहिद पुत्र मसीता निवासी मोहल्ला बंजारन हरे पत्ते काटकर बेचने का काम करता था परिजनों के अनुसार शुक्रवार की दोपहर लगभग 2:00 बजे रतनपुर गांव के पास गूलर के पेड़ से पत्ते काटते समय वह पेड़ के ऊपर से होकर गुजर रही हाई वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में आ गया जिससे वह नीचे गिरा इस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी मंडावर ने मृतक के सब को कब्जे में लेकर सबका पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया थाना प्रभारी मनावर मनोज कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

बाइक सवार भाई-बहन को ट्रक ने मारी टक्कर, बहन की मौत

» अजय सक्सेना

मैनपुरी। जनपद मैनपुरी के एक थाना क्षेत्र में पडोसी जनपद से दवा लेने जा रहे भाई झ बहन को ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों भाई झ बहन गंभीर रूप से घायल हो। जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक बहन की मौके पर मुक्त हो गयी। वहीं भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन झ फानन में गंभीर रूप से घायल को इलाज के लिए भेजा गया। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते चलें कि पूरा मामला जनपद मैनपुरी के थाना घिरोर क्षेत्र का है। जहाँ पडोसी जनपद कासगंज निवासी रीता पुत्री लाल सिंह अपने सगे भाई रवी के साथ सैफई से दवा लेने जा रही थी। जैसे ही बाइक सवार थाना घिरोर क्षेत्र के घिरोर झ करहल मार्ग स्थिति चापरी अड्डा के सपीम पहुंचे।

तभी सामने से आ रहे ट्रक के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। जब तक राहगीर मदद को मौके पर पहुंचाते तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने गंभीर घायल को इलाज के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गैंगेस्टर में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

मुजफ्फरनगर। थाना खतौली पुलिस द्वारा ग्राम चांद समद चौराहे के पास से दौरान पुलिस कार्यवाही 1 शातिर टॉप-10 गैंगेस्टर में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अभियुक्त पारुल पुत्र जनक सिंह निवासी ग्राम पीपलहेड़ा खतौली जिला मुजफ्फरनगर है।

इनके पास से एक तमन्चा देशी 1 अदद जिन्दा कारतूस व 1 अदद खोखा कारतूस 315 बोर एक अदद मो सा हीरो होण्डा स्पलेण्डर प्लस न डीएल-95 वाई-2846 बरामद किया गया है।

किशनी पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। थाना क्षेत्र में विगत 23 फरवरी को मृतक मोतीराम की लाश उसके मकान की छत पर बनी झोपड़ी में मिली थी। जिसके गले पर चोट के निशान थे। वहीं सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक मोतीराम पुत्र स्व. महेश्वर सिंह निवासी नगला बरिहार थाना किशनी जनपद मैनपुरी के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक मोतीराम की हत्या गला दबाकर होने से सामने आया। वहीं इस सम्बन्ध में मृतक की मां श्रीमती किताब द्वारा दिए गए प्रार्थना पात्र के आधार पर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। जिसके बाद थाना पुलिस मामले की विवेचना शुरू कर दी गयी। जिसपर आज थाना पुलिस ने हत्या का खुलासा कर दिया। बताते चलें कि पूरा मामला जनपद मैनपुरी के थाना किशनी क्षेत्र का है।

प्रशासन की धरपकड़ के बाद भी नहीं रुक रहा टोल से ओवरलोडिंग का खेल

» शंकरदेव तिवारी

आगरा। गुरुवार को सुबह तड़के सैंया टोल पर पुलिस, आरटीओ एवम खनन विभाग की संयुक्त छापेमारी के बाद 27 ओवरलोड अवैध खनन के परिवहन के वाहन थाना सैंया पर सीज किये गए। जिससे खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। विगत गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सैंया इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार पांडेय, एआरटीओ दिनेश कुमार और खनन अधिकारी दिनेश कुमार ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 27 ट्रक जो ओवरलोड एवम बिना प्रपत्रों के थे जिनको सीज कर बड़ी कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। कार्यवाही के बाद जैसे ही टीम टोल से हटी उसने तुरंत बाद खनन माफियाओं ने फिर से ओवरलोड गाड़ियों का काफिला निकलना शुरू कर दिया। ओवरलोड वाहनों की संख्या इतनी थी कि करीब एक किलोमीटर लम्बा जाम लग गया। जाम की बजह से कुछ वाहन रोड़ के विपरीत दिशा में चलने लगे तभी अचानक एक ओवरलोड ट्रक जिसमें डस्ट भरी हुई थी अचानक गलत दिशा में आया और पलट गया। घटना की सूचना पर थाना सैंया पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल चालक को इलाज के लिए सैंया सीएचसी पर भेज दिया। ओवरलोड वाहनों को टोल से बिना रोक टोक के निकलने दिया गया।

शहादतों की जमीं पर सदा अलीवाले हर एक दौर में है बावफा अलीवाले

» अंजुम सिद्दीकी

सहारनपुर। हजरत अली के जन्म दिवस पर ऑल इंडिया उर्दू तालीम बोर्ड शाखा सहारनपुर के तत्वधान में छत्ता जम्बुदास सभागार में हजरत अली को खिराजे अकीदत पेश कर बोर्ड के महास-चिव दानिश सिद्दीकी ने कहा कि हजरत अली को इंसान पसंद की बेहतरीन मिसाल बताया।

उन्होंने कम खर्च और महिल-ाओं नौजवानों के अधिकारों तथा छोटे परिवार की जो योजना इस्लाम में प्रस्तुत की वह आज हर देश लागू कर रहा है।

बोर्ड के संरक्षक सज्जाद हुसैन एडवोकेट ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब के चाचा अबू तालिब के बेटे हैं।

उनकी शादी हजरत मोहम्मद साहब की बेटी फातिमा जहरा के साथ हुई। हजरत अली किसी इंसान का नाम नहीं बल्कि एक इंसानी तहरीक का नाम है।

जिसने दुनिया में अमन इंसाफ बहादुरी की अनोखी मिसाल पेश की यही कारण है कि उन्हें विभिन्न नामों से याद किया जाता है।

उन्होंने कहा कि जब जब इस्लाम फैला तो बच्चों में सबसे पहले हजरत अली ने लगभग 10 वर्ष की आयु में इस्लाम धर्म अपनाया और सबसे पहले नमाज पढ़ी।

इस अवसर पर खुवाजा सलमान नासरी, नवेद उल हक सिद्दीकी, जमाल अहमद जमाली, जुनैद सज्जाद, अरशद रहमानी, राफे सिद्दीकी, रय्यान सिद्दीकी आदि ने हजरत अली को याद कर खिराजे अकीदत पेश की।

कागारौल में अवैध मीट कारोबार जोरों पर

» मदरलैंड संवाददाता

आगरा। कस्बा कागारौल में खाद्य सुरक्षा विभाग की आंखों में धूल झोंककर अवैध मीट कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है। वर्षों से चल रहे इस अवैध कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की जा रही है। कागारौल निवासी नजीर अहमद पुत्र इस्लाम खान ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर अवैध मीट कारोबार का काला चिट्ठा खोला है। नजीर अहमद ने विभागीय अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि कस्बा क्षेत्र में लगभग एक दर्जन अवैध मीट की दुकानें संचालित हैं, सभी दुकानों पर अधिकारियों की मेहरबानी है। कस्बावासियों द्वारा लगातार मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने के बाद भी विभागीय अधिकारी चुप्पी साधे हुए है। साथ ही नजीर अहमद ने आरोप लगाते हुए कहा कि किसी भी दुकान पर नियमों का कोई भी पालन नहीं हो रहा। खुले में मीट का कटान हो रहा है। सफाई नाम की कोई चीज इनके यहां नहीं है। गंदगी और भीषण बदबू के बीच मीट की बिक्री की जा रही है। लाइसेंस प्रक्रिया का पालन नहीं हो रहा है। धर्मस्थलों और शिक्षण संस्थानों के पास भी दुकानें बेरोकटोक चल रही हैं। सबंधित विभागों ने इनका निरीक्षण करने की कोई जहमत नहीं उठायी है। नजीर अहमद ने इन पर कार्रवाई करने की मांग की है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर सहयोग के बाद अब संघ के द्वारा व्यक्ति निर्माण की तैयारी

» मदरलैंड संवाददाता

आगरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फतेहाबाद में हुई संचालन टोली के साथ योजना बैठक राजेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में हुई संपन्न। जिसमें कोरोना कॉल के समय से बन्द चल रही संघकी शाखाओं और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए राजेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में 18 मार्च से 24 मार्च 2021 तक प्राथमिक शिक्षा वर्ग आयोजित किया जा रहा है। जिसमें फतेहाबाद खंड नगर, शमशाबाद खंड नगर, बरौली अहीर इकाई के स्वयंसेवक कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिसकी योजना बैठक में विभाग के सह संपर्क प्रमुख देवेंद्र त्यागी ने कहा कि वर्ग में प्रशिक्षण लेने हेतु कम से कम अर्हता छात्र कक्षा 9वी से व कृषक, व्यापारी आदि प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में जिला प्रचारक अनुराग, ने व्यवस्था की जिम्मेदारी तय की। जिसमें मुख्य रूप से वर्गपालक विभाग से देवेन्द्र त्यागी सह जिला संघचालक राजेश पालीवाल, सर्वव्यवस्था प्रमुख संजीव, राजेश जी, वर्ग मुख्य शिक्षक अजय जिला कार्यवाह महिपाल, सह जिला कार्यवाह अजय, महेश, देवेन्द्र सिकरवार, अरविन्द शास्त्री, खण्ड संघचालक राजेश जादौन, नगर खण्ड प्रचारक वेद, खण्ड कार्यवाह देवेन्द्र सह खण्ड कार्यवाह मोहित, राजकुमार, नगर कार्यवाह आनन्द, नेपाल, विमल, गिरिज, आकाश, पदम हरिकेश, शिवप्रताप आदि रहे।

किठौर के जवान की झारखंड में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

» शकील सैफी

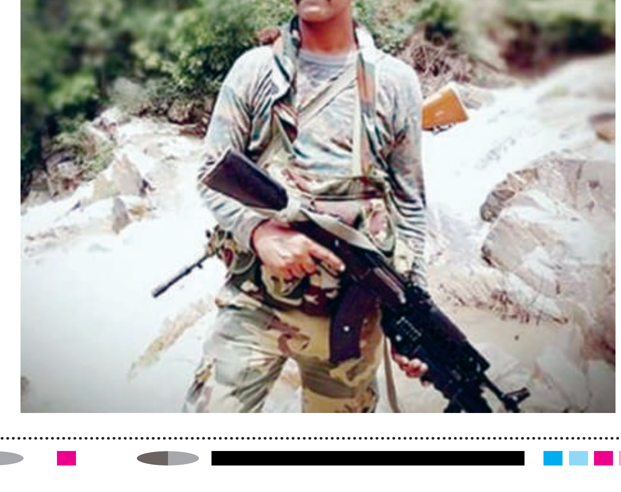

मेरठ। किठौर थाना क्षेत्र के छुछाई निवासी एक सीआरपीएफ जवान सोमपाल 38 वर्ष की झारखंड में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है जवान के घर पर थाना पुलिस पहुंच गई है थाना प्रभारी अरविंद मोहन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में जो देर रात तक पहुंचेगा सीआरपीएफ जवान की एक बेटी और बेटा है जो उम्र में बहुत छोटे हैं। जानकारी के अनुसार जवान के बड़े भाई मांगेराम ने बताया कि उनका छोटा भाई 3 फरवरी को छुट्टी पूरी करके ड्यूटी पर वापस गया था। मौत का कारण अभी तक पता नहीं चला है। बताया जा रहा है कि जवान का पार्थिव शरीर देर शाम उनके गांव छुछाई पहुंच सकता है। जवान सोमपाल 2004 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। उसी साल उसकी शादी मेरठ के दादरी की रहने वाली नीतू से हुई थी। सोमपाल के दो बच्चे हैं, बेटा अक्षत 13 और बेटी आयुषी 11 साल। अक्षित कक्षा 8 और बेटी कक्षा 7 में पढ़ाई कर रही है। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। जहां नीतू अपने पति की मौत के गम में बेसुध है, वहीं मां राम प्यारी भी बुरी हालत में है।

जिलाधिकारी आफिस पर एसडीएम को ज्ञापन

» सरताज अहमद

मुजफ्फरनगर। हमारी मांग है जल्द से जल्द दो बच्चो का कानून देश भर मे लागू हो और सभी पर लागू हो।

ज्ञापन मे शामिल रहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल कुमार जैन जिलाध्यक्ष चहनसिंह बालियान महानगर अध्यक्ष आशीष सिंह जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा विमला जाटव युवा जिला संरक्षक संदीप खटीक महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रदीप कश्यप अनीश चौधरी नीरज कुमार राजेन्द्र गोयल अमित चौधरी कुमारी वर्षा हरीश पाराशर विभूदेव गोस्वामी कुलवंत सिंह सिखेड़ा सुमित सिखेड़ा आदि।

समाज तबतक तरक्की नही कर सकता जब तक महिलाएं अग्रणी भूमिका अदा न करे

» अर्जुन देव वार्ष्णेय

अलीगढ़। गौशाला में नगर निगम के द्वारा नारी सशक्तिकरण व स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चीफ इंजीनियर कुलभूषण वार्ष्णेय विशिष्ट अतिथि राजेश गुप्ता कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा वरिष्ठ नेत्री वा गौभक्त कृष्णा गुप्ता सम्मानित अतिथि में डॉक्टर ममता वार्ष्णेय नीलम शर्मा रुचि गोटे वाल कुलभूषण वार्ष्णेय जी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए योगी मोदी जी की महिलाओं के लिए योजनाएं चल रही है उनके बारे में जागरुक किया राजेश गुप्ता ने महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य विषतार से बताते हुए महिला को आत्मनिर्भर बनने, किसी प्रकार के अपराध के विरुद्ध आवाज उठाने, बच्चियों को समान रूप से शिक्षित करने का आह्वान किया। माध्यमिक शिक्षा विभाग की नोडल अधिकारी नीलम शर्मा ने सुरक्षा, सम्मान व आत्मविश्वास की भावना महिलाओं के लिए बहुत जरूरी बताया, उन्होंने कहा कोई भी समाज तबतक तरक्की नही कर सकता जबतक जब तक महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका अदा न करे हमारी सरकार का महिला शशक्तिकरण पर पूर्ण जोर है और महिला उत्थान के लिये चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।

मुख्य अभियंता कुलभूषण वार्ष्णेय ने स्वच्छता का संदेश दिया और उन्होंने कहा हमें अपने मोहल्ले को साफ सुथरा रखना है और हमको

कचरा डस्टबिन में डालना है हम इधर उधर कचरा को नहीं फेकेंगे महिला समाज मे अच्छे विचार को फैलाने महवपूर्ण भूमिका अदा करती है उन्होंने स्वच्छता का संकल्प दिलाया। डॉक्टर ममता जी ने अपनी कविता के माध्यम से नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला व महिलाओं को समाज मे अपमानजनक व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने का यह आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता कुलभूषण वार्ष्णेय, कर अधीक्षक मीडिया प्रभारी राजेश गुप्ता,विशेष अतिथि डॉ ममता वार्ष्णेय, नीलम शर्मा प्रधानाचार्य रही, कार्यक्रम का सनचालन व व्यवस्था कृष्णा गुप्ता ने किया गोष्टि में रुचि गोटेवाल,निशा व नगला मसानी की सैकड़ो महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

शादी के चलते युवती की गुहार पर डीएम ने कराया सड़क का निर्माण

» मदरलैंड संवाददाता

अलीगढ़। जनपद के लोकप्रिय डीएम चंद्र भूषण सिंह को कलक्ट्रेट में करिश्मा कुमारी पुत्री विसंबर निवासी नगला चूरा तहसील इगलास ने अपना प्रार्थना पत्र दिया जिसमें उन्होंने बताया कि वह चूरा नगला की रहने वाली है तथा मेरी शादी दिनांक 27 फरवरी 2021 को होनी तय हुई है मेरे गांव नगला चूरा की सड़क व मोहल्ले की गली काफी पुरानी होने के कारण नीचे की साइड में बैठ गई है और जिसके कारण गांव का सारा पानी व कीचड़ उसमें भरी रहती है जिससे राहगीरों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मेरी 27 फरवरी को बारात आनी है इस बारात को वहां से निकलने के बास्ते काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा अतः आपसे

निवेदन है कि गांव की सड़क को बनवाने का कष्ट करें जिससे कि मेरी शादी में किसी भी प्रकार की दुविधा पैदा ना है।

उक्त शिकायत का डीएम ने तत्काल संज्ञान लिया तथा नगला चूरा में सड़क बन कर पूर्ण हो चुकी है। डीएम श्री सिंह द्वारा दिये गए निर्देश पर कल एसडीएम इगलास कुलदेव सिंह ने तहसीलदार सौरभ यादव के साथ नगला चूरा पहुंचे और करिश्मा से मिले और उससे पूछा कि किसी प्रकार की समस्या तो नही है तो उसने कहा कि जिलाधिकारी ने उसकी समस्या का निस्तारण किया ये उसके लिए गौरव की बात है और निश्चित ही जिलाधिकारी ने महिला सशक्तिकरण को बलदिया है और वह जिलाधिकारी का हार्दिक आभार जताती कि उसकी समस्या का निस्तारण हुआ।

दीवारों को गंदा करने पर होगा जुर्माना

अलीगढ़, धर्मेन्द्र राघव। शहर की दीवारों को गंदा करने पर जुर्माना भरने के लिए भी तैयार रहें। इसके साथ ही आपके खिलाफ सुसंगत धाराओं में थाने में मुकदमा भी हो सकता है। नगर आयुक्त प्रेमरंजन सिंह की योजना होली से पहले शहर की प्रमुख सड़कों को स्वच्छ और सुंदर बनाने की है। पोस्टर, पंपलेट एवं बैनर आदि लगाकर दीवारों को गंदा करने पर दोषी के खिलाफ नगर निगम अधिनियम की सुसंगत धाराओं में जुर्माना एवं एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।सहायक नगर आयुक्त राजबहादुर सिंह के नेतृत्व में एक्शन टीम बनाई गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि कूड़ा निस्तारण प्लांट एटूजेड, दीवानी कचहरी रोड के साथ-साथ वार्ष्णेय कॉलेज पुल, जमालपुर पुल, जेल रोड, रामघाट रोड, कठपुला, नुमाइश ग्राउंड, सेवाभवन, लाल डिग्गी आदि सड़कों के किनारे होली से पहले पेंटिंग कराने का लक्ष्य रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत बंद अलीगढ़ में बेअसर, खुले रहे बाजार

मदरलैंड संवाददाता, अलीगढ़। व्यापारी संगठनों का आज प्रस्तावित भारत बंद पूरी तरह से बेअसर रहा। आम दिनों की तरह ही सब कुछ रहा। बाजार खुले रहे। खास बात यह है कि अलीगढ़ शहर में मुस्लिम क्षेत्र के बाजार जुमे की वजह से बंद रहते हैं। बंद को लेकर पुलिस भी सतर्क हो रही। जगह जगह पुलिस तैनात रही। खास बात यह है कि देहात में भी बाजार खुले रहे। जवां, इगलास, अकराबाद, लोधा व खैर आदि क्षेत्रों में कोई भारत बंद का कोई असर नहीं दिखा। एसपी सिटी कुलदीप सिंह गुनावत ने कहा है कि आज विभिन्न संगठनों के भारत बंद के आव्हान को लेकर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। इस दौरान यदि बाजारों में दुकानों को जबरन बंद कराया जाता है या बंद की आड़ में किसी तरह की आराजकता की जाती है तो ऐसे तत्वों से पूरी सख्ती से निपटा जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक शशिकांत ने बताया कि व्यापारी संगठनों ने शुक्रवार को भारत बंद का ऐलान किया था। इसमें किसान संगठन भी समर्थन कर रहे हैं। डीजल, पेट्रोल व एलपीजी की मूल्य वृद्धि के विरोध में किए जा रहे भारत बंद में किसान संगठन शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताएंगे। डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और करों के बढ़ते बोझ से काम-धंधे ठप पड़े हैं।

दो दिन से लापता फल विक्रेता का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

मदरलैंड संवाददाता, अलीगढ़। थाना बन्नादेवी क्षेत्र के सीमा टाकीज के पास सुबह रेलवे ट्रैक पर फल विक्रेता का शव पड़ा मिला। स्वजन ने हत्या का आरोप लगाया है। बन्नादेवी इलाके के सराय रहमान नई आबादी निवासी 22 वर्षीय इमरान पुत्र अनवार फल की ठेली लगाता था। पिता अनवार के अनुसार इमरान बुधवार देर शाम घर से घूमने की कहकर निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटा तो वे उसे तलाश करने के लिए निकल पड़े। इधर-उधर रिश्तेदारों में पता किया कहीं कोई अता-पता नहीं चला। तलाशते हुए अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और जीआरपी थाने में जाकर संपर्क किया। वहां सीमा टाकीज के पास युवक का शव मिलने की जानकारी मिली। फोटो व कपड़े देखकर उन्होंने इमरान के रूप में शिनाख्त कर ली। इमरान चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। पिता का आरोप है कि इमरान की हत्या की गई है और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर इसलिए फेंका गया है, ताकि देखने मे खुदकुशी प्रदर्शित हो। जीआरपी इंस्पेक्टर यशपाल सिंह ने बताया कि स्वजन के आरोपों के आधार पर मामले में जांच की जा रही है।

बदमाशों के चंगुल से छूटे डॉक्टर का कोर्ट में बयान दर्ज

मदरलैंड संवाददाता, अलीगढ़। थाना क्वार्सी क्षेत्र की साक्षी विहार कॉलोनी से अगवा किए गए होम्योपैथी डॉक्टर शैलेंद्र के बदमाशों के चंगुल से छूटकर आने के बाद अब न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए हैं। साक्ष्यों की मजबूती के लिए यह प्रक्रिया पूरी कराई गई है। जनवरी माह में जब डॉक्टर अपने घर से इगलास जाने के लिए निकले थे। तभी कॉलोनी से नाले पर आते ही बदमाश उन्हें कार में अगवा कर ले गए थे और 20 लाख रुपये की फिरौती उनकी पत्नी को फोन कर मांगी गई थी। इस मामले में पुलिस दबाव के चलते 30 जनवरी को डॉक्टर को छोड़ दिया गया था। बाद में पांच अपराधी इस मामले में पकड़े गए। इस मामले में विवेचक इंस्पेक्टर क्वार्सी स्तर से बृहस्पतिवार को डॉक्टर शैलेंद्र को न्यायालय में ले जाकर उनके बयान दर्ज कराए गए। इस दौरान उन्होंने घटना को लेकर न्यायालय से पूरा विवरण बताते हुए कलमबद्ध बयान दर्ज कराए हैं। वहीं इस मामले में दो आरोपी अनुज चौधरी निवासी क्वार्सी व अनुकल्प चैहान निवासी कासगंज मूल निवासी अचलपुर मिरहची एटा की वॉयस रिकॉर्डिंग पुलिस के पास मौजूद है। इसे लेकर दोनों की वॉइस मिलान कराने की अनुमति न्यायालय से मांगी गई है। इस संबंध में न्यायालय में अनुमति दाखिल कर दी गई है।

एच.बी इण्टर कॉलेज सोसायटी के चुनाव में अनियमितताएं

मदरलैंड संवाददाता, अलीगढ़। 24 दिसंबर 2019 को हीरालाल बारहसैनी कालेज सोसायटी के चुनाव संपन्न कराए गए थे। इसमें एसवी डिग्री कालेज की प्रबंध समिति के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया। मगर अब डिप्टी रजिस्ट्रार चिट फंड सोसायटी आगरा की ओर से इन चुनावों में अनियमितताएं होने का हवाला देते हुए कार्यकारिणी को कालातीत करार दिया गया है। चुनाव परिणाम आने के बाद विवाद तब खड़ा हुआ जब डीएस कालेज की अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष व चुनाव में सदस्य पद पर 1850 वोट पाकर जीतीं डा. इंदू वार्ष्णेय को ये कहकर एसवी कालेज की प्रबंध समिति से ये कहकर बाहर किया गया कि उनके पति एसवी कालेज में कार्यरत हैं, लिहाजा उनका चुनाव लड़ना अमान्य है। उनकी जगह पर उनसे कम वोट पाने वाले को सदस्य पद पर बैठाया गया। डॉ. इंदू ने कहा कि ऐसा कोई नियम भी नहीं है और चुनाव अधिकारी ने भी इसके लिए आपत्ति नहीं लगाई। इसकी शिकायत डॉ. इंदू ने चिट फंड सोसायटी डिप्टी रजिस्ट्रार के पास भी की। जिस पर 23 फरवरी को ये निर्णय सुनाया गया है।

सीएम योगी ने शहीद को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेह में कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए, जनपद मऊ निवासी सेना के जवान गणेश यादव के शौर्य और वीरता को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद गणेश यादव के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है।

उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद के नाम पर करने की भी घोषणा की है।

चलती कार बनी आग का गोला, मची अफरा-तफरी

» मदरलैंड संवाददाता

अलीगढ़। थाना सासनी गेट इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब रोड पर चलती हुई एक कार आग का गोला बन गई। कार में लगी भीषण आग के चलते भीड़भाड़ वाले इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक ऊपरकोट कोतवाली क्षेत्र के तुर्कमान गेट निवासी अनक जो कि एक डब्बा कारोबारी है। बताया जा रहा है कि अगले 2 दिन बाद घर में शादी समारोह है। जिसकी तैयारियां चल रही हैं। इसी के चलते अनक अपने दोस्त फैजान के साथ कार सर्विस कराने के लिए निकला था। कार

स्वामी अनक और प्रत्यक्षदर्शियों के बताए अनुसार कार अचानक रुक गई और उसमें से धुआं निकलने लगा। जब तक वह कुछ समझ पाता तेज आवाज के साथ गाड़ी के इंजन में आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई इधर घटना की सूचना पर इलाका पुलिस और दमकल की टीम भी पहुंच गई। और बमुश्किल आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

पालिसी रिफंड करने का झांसा देने वाले गिरोह का भण्डाफोड

» मदरलैंड संवाददाता

अलीगढ़। साइबर थाना पुलिस ने पालिसी रिफंड कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह गाजियाबाद से आपरेट हो रहा था और प्रदेश के अलावा दिल्ली, नोएडा के लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में मोबाइल, डेबिट कार्ड, लैपटाप आदि बरामद किए हैं। एसएसपी मुनिराज ने बताया कि 29 दिसंबर 2020 को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन कालोनी निवासी सेक्शन इंजीनियर (मुरादाबाद) अतर सिंह के साथ ठगी हुई थी। शातिर ने लाइफ इंश्योरेंस मुंबई आफिस से कस्टकर केयर बनकर उन्हें काल किया था। कहा कि आपकी पालिसी मेच्योर है। उसका कुछ रिफंड बकाया है। इसका लालच देकर आनलाइन एक लाख 80 हजार 999 रुपये की ठगी कर ली थी। साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की तो चार लोगों के नाम प्रकाश में आए थे। इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने संदीप गुप्ता निवासी सेक्टर दो वैशाली (गाजियाबाद) मूल निवासी कैथ्डरा रेलवे क्रासिंग (बांदा), तारिक निवासी त्रिलोकपुरी ईस्ट दिल्ली मूल निवासी घोड़े वाली गली थाना देहलीगेट (मेरठ), हिमांशु शेखर निवासी सेक्टर दो वैशाली (गाजियाबाद) मूल निवासी विद्यापति नगर मधुबनी (बिहार) व अदनान अख्तर निवासी राजीव नगर (दिल्ली) मूल निवासी सरधना (मेरठ) को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 मोबाइल, 70 डेबिट कार्ड, 20 सिम, चार लैपटाप बरामद, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि किए गए हैं।

एसएसपी मुनिराज ने बताया कि यह गिरोह तीन साल से सक्रिय है। इनके गिरोह में अन्य कई लोग शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। गिरोह के सदस्य उन कस्टमर को निशाना बनाते थे, जिनकी पालिसी मेच्योर होती हैं। उन्हें रिफंड कराने का लालच देकर आसान में झांसे में ले लेते थे।

घर लौट रहे कारपेंटर को गोलियों से भूना

पीलीभीत। जिले में एक कारपेंटर पर बाइक पर सवार तीन लोगों ने घात लगाकर हमला किया और उसे गोलियों से भून डाला। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश ने शुक्रवार को यहां बताया कि घटना के बाद आरोपी शहर की तरफ भाग निकले। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की दो टीमें बनाकर घेराबंदी शुरू कर दी गई है। थाना सुनगढ़ी इलाके के नौगवां पकड़िया निवासी इमरान लकड़ी मंडी स्थित एक आढ़त पर कारीगरी का काम करता है। गुरुवार की देर शाम इमरान करबला से होते हुए अपने घर नौगवां जा रहा था।

विभागों के बीच समन्वय कर चलाये मिशनशक्ति अभियानः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। महिलाओं की सुरक्षा और आत्मसम्मान के प्रति सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस के विभिन्न अंगों यथा नागरिक पुलिस अभियोजन आदि द्वारा पूरे समन्वय के साथ इस अभियान में कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान की विभिन्न गतिविधियों को इसी प्रकार अन्तर्विभागीय समन्वय से संचालित करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने मूल्य समर्थन योजना के तहत धान खरीद की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी किसानों की उपज के मूल्य का त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जाये। बैठक में अवगत कराया गया कि अब तक 94 प्रतिशत किसानों को भुगतान कर दिया गया है। शेष किसानों के भुगतान की कार्यवाही तेजी से की जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री ने वरासत अभियान की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए अभियान को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्विवाद उत्तराधिकार को खतौनियों में दर्ज करने की कार्यवाही प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान करने के लिये मण्डल स्तर पर स्थापित कोचिंग केन्द्रों की व्यवस्थाओं एवं शिक्षण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाये।

फील्ड में तैनात अधिकारियों को योजना के प्रभावी संचालन के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्रदान किया जाये। उन्होंने प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई इस योजना को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिये हैं।

अयोध्या में एयरपोर्ट के लिए मोदी सरकार ने भी दिया 250 करोड़

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या को बेहतर एयर कनेक्टिविटी देने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने भी हाथ बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने बजट में इस एयरपोर्ट के लिए जहां 101 करोड़ रुपया का प्रावधान किया, वहीं नरेंद्र मोदी सरकार ने 250 करोड़ रुपया दिया है। अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट के विस्तार के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 250 करोड़ रुपया मिलने पर मुख्यमंत्री योगी ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ ही केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हम शीघ्र ही अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट का विस्तार कराएंगे। जिससे यहां एटीआर-72 जैसी विमान सेवा का संचालन संभव होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को अपना अनुमोदन दे दिया है। अब शीघ्र ही अयोध्या में बड़े विमान की उड़ान संभव होगी।

उन्होंने कहा कि तमाम देशों के भारतीय मूल के नागरिक भगवान श्रीराम के भव्य राममंदिर के दर्शनार्थ अयोध्या आना चाहते हैं इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार ने यहां की एयरस्ट्रिप को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजा था।

घर में वृद्धा को बंधक बनाकर 20 लाख की लूट

कानपुर। महानगर के चकेरी क्षेत्र में स्थित एचएएल कॉलोनी में शुक्रवार तड़के लुटेरों ने रिटायर एचएएल कर्मी के घर पर धावा बोला और घर में मौजूद पीड़ित की वृद्ध पत्न ी को बंधक बनाकर नकदी व जेवरात समेत 20 लाख के माल को लूट लिया। घटना के समय पीड़ित एचएएल कर्मी दूध लेने के लिए घर से निकले थे। घर पर पीड़ित की पत्नी समेत बहू मौजूद थी। प्राप्त विवरण के मुताबिक एचएएल कॉलोनी निवासी रामकेवल सिंह एचएएल से रिटायर हैं। परिवार में पत्नी धर्मशीला देवी, बेटा धीरेंद्र सिंह, बहू सुमन सिंह और तीन शादीशुदा बेटियां हैं। रामकेवल ने बताया कि घर में उनके साथ पत्नी धर्मशीला, बहू सुमन रहती है। बेटा वीरेन्द्र गुजरात में इंजीनियर है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 4.30 बजे व ह दूध लेने गए थे। घर में पत्नी और बहू अलग-अलग कमरों में मौजूद थीं। तभी मौका पाकर घर में तीन-चार युवक पीछे से दीवार फांदकर घुस गए और घर में अलमारी तोड़कर सामान उठाने लगे। उसी समय आहट पाकर पत्नी की नींद खुल गई। धर्मशीला के अनुसार, जैसे ही वह बेड से उठने लगीं तो एक आरोपित ने उनका मुंह और गला दबा दिया। फिर आरोपित लूटपाट करके भाग निकले। उसके बाद बगल के कमरे से बहू निकलकर आई। करीब आधा घंटे बाद जब रामकेवल घर आए तो पत्नी ने उन्हें घटना की जानकारी दी। रामकेवल के अनुसार लुटेरे घर से करीब आठ हजार रुपए और तीन बैट्रियां, उनकी पत्नी व बहू के जेवरात समेत करीब 20 लाख रुपए का माल लूट कर ले गए हैं। सूचना पाकर मौके पर चकेरी पुलिस पहुंची और छानबीन की। साथ ही फोरेंसिक टीम व डॉग स्कवायड टीम को भी बुलाया गया।

खास रूटों पर बसों पर तैनाती पर चढ़ावा चढ़ाते चालक-परिचालक

अलीगढ़। जिले में कुछ खास रूटों की रोडवेज बसों में तैनाती के लिए, चालकों और परिचालकों को खासा चढ़ावा देना पड़ता है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो से यह सच सामने आया है।

रोडवेज में भी भ्रष्टाचार का बोलबाला है। कुछखास रूटों की बसों में तैनाती के लिए चालकों और परिचालकों को खासा चढ़ावा देना पड़ता है। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो से यह सच सामने आया है। इस ऑडियो में चालक से नौकरी बचाने के लिए 10 हजार रुपये की मांग की जा रही है। वहप,चालक अनुनय-विनय करता हुआ खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए रिश्वत की रकम कम करने की गुहार लगा रहा है। फोन पर हुई बातचीत के मुख्य अंश इस तरह हैं। सीनियर फोरमैन - हां, सत्यवीर सिंह' चालक : नमस्ते साहब जी, हां कैसे करोगे मुझे बस पर तैनात ये तो बता दो। सीनियर फोरमैन : यह तो कल पता लगेगा, क्या तुमने बाबू जी को बात बता दी। चालक : राजेश ने यह बताया कि नौकरी बचानी है तो जो साहब कह रहे वह माननी पड़ेगी। सीनियर फोरमैन : मैंने बाबू को साहब के पास भेजा था, वो कह रहे थे कि 101 प्रतिशत बच ही नहप रहा। मुख्यालय से रिपोर्ट है। अधिकारी के साइन हैं, ये स्क्वाड वाले लखनऊ रिपोर्ट करते हैं। वहां से रिपोर्ट यहां आई है। और तेरे लिए है, तू तो अपने पैसे लेकर आइए। जो होगा आसिफ को बता देंगे। चालक : साहब जी तुम ये देखो कुछ न कुछ तो करवा दो। पूरे गांव में जोर लगा दिया है। दो या तीन जगह से पांच या छह हजार रुपये मिल सके हैं। वह भी तीन रुपये सैकड़ा पर। सीनियर फोरमैन : भइया ये समझ लो यह मेरा काम नहप है। यह तुम्हारा काम है। चालक : इसीलिए तो मैं कह रहा हूं कुछ तो कम करवा दो। इतना जुगाड़ होता तो इतने किलोमीटर बिल्कुल नहप करता।

पत्रकारों पर अत्याचारों को लेकर चर्चा

» मदरलैंड संवाददाता

अलीगढ़। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुखवीर शर्मा गभाना के पैरई गांव निवासी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह प्रभारी कार्यक्रम एक बैठक आदरणीय श्री आर.पी सिंह जी से उनके निवास पर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ शिष्टाचार भेंट वार्ता की। भेंट वार्ता के दौरान जिला महासचिव अमित शर्मा व तहसील गभाना के अध्यक्ष शकुन ठाकुर, कृष्ण प्रताप सिंह आदि के साथ उनके आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट

वार्ता की एव उन्हें शॉल व बाबा भोलेनाथ का पट्टिका पहिना कर इसके अलावा एसोसिएशन की ओर से अन्य समिग्री भेंट कर उनका सम्मान किया और उन्हें अलीगढ़ जनपद के पत्रकार उत्पीड़न के मामलों से अवगत कराया। शिष्टाचार भेंट वार्ता के दौरान समाजसेवी व पेराई ग्राम प्रधान आधा दर्जन के करीब अन्य लोग मौजूद रहे।

वूमेन प्रोटेक्शन सेल मेरे हृदय के निकटः कैलाश खैर

» मदरलैंड संवाददाता

अलीगढ़। डीएम चंद्र भूषण सिंह के निर्देशन में संचालित डब्ल्यूपीसी इंचार्ज स्मृति गौतम अपनी टीम पीओ हितेश कुमारी व डीसी एमएसके नीतू सारस्वत व शांतनु शर्मा व सुरक्षा कर्मी लक्ष्मी चैहान,प्रवेश कुमारी के साथ महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कर रही है।

इसी के क्रम में राजकीय औद्योगिक कृषि प्रदर्शनी (अलीगढ़ महोत्सव) कार्यक्रम में पहुंचे मशहूर सिंगर कैलाश खैर ने वूमेन प्रोटेक्शन सेल

के बारे में कहा कि अलीगढ़ में यू तो बहुत सारे प्रकल्प हैं जो हमारे आदरणीय जिलाधीश साहब ने लिए हैं। उनमें से जो मेरे हृदय के निकट जो एक बहुत ही प्यारा प्रकल्प है उसका नाम है वूमेन प्रोटेक्शन सेल यानी महिला सुरक्षा सेल जिसके लिए हम ज्यादा संकल्पित, कटिबद्ध, प्रतिबद्ध न केवल हमारे जनपद की स्त्रियां,नारियां,लड़कियां महिलाएं परंतु पुरुषों को भी एक जागरूकता,एक प्रेम का संदेशा दे रहे हैं और इसकी पूरी टीम को मैं इसलिए, बधाई देता हूं और इसके चारों ओर चर्चे सुन रहा हूं मैं और आज मैं भी आया हूं हम स्टेज पर देख रहे थे डब्ल्यूपीसी की और हमारे डीएम साहब का बहुत ज्यादा इनीशिएटिव कार्य है जिसको पूरी टीम बहुत गहरे से संभाल रही है।

ग्रामीण विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने पर दें जोरः राहुल कुमार

धर्मशाला। अतिरिक्त उपायुक्त राहुल कुमार ने सभी विकास खंड अधिकारियों को ग्रामीण विकास से जुड़े कामों में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए खंड विकास अधिकारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। सभी बीडीओ फील्ड में जाकर विकास कार्यों का निरंतर निरीक्षण करें और मासिक आधार पर इनकी प्रगति की समीक्षा कर कार्यवाही से अवगत करवाएं।

एडीसी राहुल कुमार वीरवार को डीआरडीए के सभागार में जिला के समस्त विकास खंडों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को विकास के तय लक्ष्यों को समय पर पूरा करने को कहा। बैठक में जिला के सभी खंड विकास अधिकारियों, डीआरडीए, पंचायती राज के अधिकारियों ने भाग लिया

एडीसी ने इस दौरान अधिकारियों से विभिन्न लम्बित कार्यों का ब्यौरा लिया, इसके कारण जाने और समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

एडीसी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य के साथ स्वयं सहायता समूहों के गठन पर बल दिया। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को पंचायत स्तर पर समग्र मनरेगा पर विशेष फोक्स करने को कहा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें।

एडीसी ने कहा कि प्रत्येक विकास खंड में पार्क बनाने के लिए भूमि का चयन कर पंचवटी पार्क निर्मित करने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। लोक भवन के निर्माण को लेकर हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए एडीसी ने कहा कि लोक भवनों के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान विकसित करने के लिए कारगर कदम उठाने के निर्देश दिये ताकि युवाओं को खेलकूद के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एक बीघा योजना, मुख्यमंत्री ग्राम कौशल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका योजना, स्वच्छ भारत अभियान(ग्रामीण), मुख्यमंत्री लोक भवन योजना, मोक्ष धाम, पशुधन पुरस्कार योजना, वॉटर शैड योजना, पंचायत घरों/सामुदायिक भवनों के निर्माण तथा सफलता की कहानियों का भी सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए। पंचायत स्तर पर ठोस कूड़ा कचरा निष्पादन के लिए भी उचित कार्ययोजना तैयार करें ताकि पंचायतों को स्वच्छ तथा सुंदर बनाया जा सके।

समाजसेवी रमेश बंसल, राकेश बंसल एवं समस्त बंसल परिवार द्वारा श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास को 101100/- राशि भेंट की गई। - फोटो - विनोद कुमार

संक्षिप्त समाचार

सिंगर नलिन स्वामी ने यूट्यूब पर लांच किया इमोशनल सांग 'मम्मा'

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़, 26 फरवरी, 2021ः अंबाला का युवा सिंगर नलिन स्वामी, बॉलीवुड में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करने में सफल रहे। उन्होंने अपना नया गाना ह्यमम्माह्न अपने यूटयूब चैनल नलिनस्वामी पर इसे रिलीज किया है। एक्टर व सिंगर होने के साथ साथ उन्होंने ओएलएक्स, एक्टिवा, प्रो कबड्डी, किटकैट, स्नैपडील और सनसिल्क जैसे लोकप्रिय विज्ञापनों में भी नाम दर्ज करवाया है। संगीतकार नलिन स्वामी एक प्रोफेशनल सिंगर भी हैं जो मुंबई में रहते हैं। उन्हें इस प्रोफेशन में कई वर्षों का कार्य अनुभव है। उन्होंने कई गिग्स, निजी पार्टियों, कॉलेज फेस्ट, क्लबों, कैफे आदि में अपने बेहतर प्रदर्शन किया है। उनकी कुछ पसंदीदा संगीत शैलियों में बॉलीवुड, हिंदी रेट्रो आदि शामिल हैं।

कोरोना से संक्रमित हुए पंजाब के कैबिनेट मंत्री सरकारिया

चंडीगढ़। पंजाब में कोरोना के केस एक बार फिर से लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी करने लगे हैं। इस बीच, राज्य के कैबिनेट मंत्री सुख सरकारिया की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सरकारिया ने खुद को आइसोलेट कर लिया है तथा कहा है कि जो भी उनके संपर्क में लोग रहे है, वे एहतियात बरतें। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के कई मंत्री कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। राज्य में कोरोना के बढ़ते असर को देखते हुए एक मार्च से सख्ती बढ़ाए जाने पर विचार किया जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए है। कैप्टन ने उन जिलों में अधिक सख्ती करने को कहा है, जहां पर कोरोना के केस अधिक मात्रा में आ रहे हैं। इन जिलों के डीसी को कहा गया है कि वह चाहे तो कोरोना पर काबू पाने के लिए नाइट कर्फ्यू भी लगा सकते हैं।

अब 5 मार्च को पेश होगा पंजाब का बजट

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने बजट सत्र के दौरान बजट पेश करने की डेट में बदलाव किया है। पहले बजट सत्र के दौरान 8 मार्च को बजट पेश किया जाना था, लेकिन यह अब 5 मार्च को ही पेश होगा। बजट सत्र में राज्य 2018-19 की कैग रिपोर्ट कैग और 2019 के पंजाब सरकार के वित्तीय खातों को भी सार्वजनिक किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2019-20 के लिए विनियोग खाते, वर्ष 2020-21 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों और वर्ष 2020-21 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों पर विनियोग विधेयक को भी सदन में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की अध्यक्षता में हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान पंजाब विधानसभा का 14वां सत्र (बजट सत्र) एक से 10 मार्च तक बुलाने की मंजूरी दी गई है।

नोदीप कौर की रिहाई का रास्ता साफ, हाईकोर्ट से मिली जमानत

चंडीगढ़। श्रमिक अधिकारों के लिए काम करने वाली 23 साल की युवती नोदीप कौर को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को जमानत दे दी है। जिसके बाद उनकी जमानत पर रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। हरियाणा के सोनीपत में एक कंपनी का घेराव करने और उससे पैसे मांगने के आरोप में उन्हें 12 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी करनाल जेल में बंद हैं। 23 साल की नोदीप कौर पर हत्या का प्रयास और जबरन वसूली के प्रयास के आरोप शामिल हैं। वह मजदूर अधिकार संगठन की सदस्य हैं और पंजाब के मुक्तसर जिले के गियादढ़ गांव की रहने वाली है। उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की गई जमानत याचिका में कहा था कि सोनीपत पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने के बाद उनसे बुरी तरह मारपीट की थी। कौर की बहन राजवीर ने कहा है कि यह सत्य की जीत है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन मजदूरों और किसानों की लड़ाई लड़ रही हैं।

युवक को गोली मारना चाहते थे बाइक सवार

चंडीगढ़। पंजाब के नवांशहर में कुछ युवकों की आपसी रंजिश में 70 साल के एक बुजुर्ग को अपनी जान गवांनी पड़ी। बताया जा रहा है कि दो बाइक सावार सड़क पर खड़े एक युवक को गोलियों से भून देना चाहते थे। जैसे ही इन बाइक सवारों ने फायरिंग की तो यह युवक तो बच गया, लेकिन गोली सामने खड़े बुजुर्ग को लग गई जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने युवक के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान जिले के गांव मजारी के 70 वर्षीय देशराज के रूप में हुई है। मृतक के गांव के युवक अजय कुमार ने बताया कि वह देर रात को गांव बाहड़ोवाल से अपने गांव मजारी आ रहा था। जब वह फोरलेन चौक पर पहुंचा तो पीछे से दो बाइक सवारों ने उस पर गोली चला दी। इस दौरान बाइक सवारों का निशाना चूक गया और गोली राह में खड़े बुजुर्ग को जा लगी।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, गरीबों के लिए करेगी 25 हजार घर तैयार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने आर्थिक रुप से कमजोर लोगों के लिए एक बड़ा फैसला किया है। सरकार अब गरीबों के लिए 25 हजार घर बनाने जा रही है। राज्य कैबिनेट ने इस नई ईडब्ल्युएस पॉलिसी को मंजूरी भी दे दी है। इसके अलावा रहवासियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। यह फैसला राज्य के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई उपस्थिति में लिया गया है। सरकार की तरफ से जारी किए गए स्टेटमेंट के अनुसार, डेवलपर्स और अथॉरिटीज को प्रोजेक्टर एरिया का पांच फीसदी इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन के लिए विकसित करना होगा। इन भवनों के साथ स्कूल, कम्युनिटी सेंटर्स और डिस्पेंसरीज जैसी सुविधाएं भी निर्मित की जाएंगी। यह बैठक सीएम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी। जानकारी के मुताबिक, नए घर ब्रिक लैस तकनीक से बनाए जाएंगे। साथ ही इनके लिए योग्य प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसियों की सेवाएं ली जाएंगी। अधिकारिक बयान के मुताबिक, ये घर लाभार्थियों को दिए जाएंगे, जिन्हें बैंक से सस्ती दरों पर ब्याज मिलेगा। पॉलिसी के तहत सभी योग्य आवेदकों को पंजाब में जन्म का प्रमाण पत्र या राज्य में 10 साल रहने के सबूत पेश करने होंगे।

प्रो कबड्डी लीग मीडिया राईट्स की नीलामी के लिए मशाल स्पोर्ट्स ने आईटीटी जारी की

» **विनोद कुमार**

चंडीगढ़ । मशाल स्पोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड (मशाल) 2021 से 2025 के दौरान आयोजित होने वाले प्रो कबड्डी लीग के 5 सीजंस (सीजन 8 से सीजन 12) के लिए ओपन मार्केट मीडिया राईट्स नीलामी की प्रक्रिया कर रहा है। आज से पूर दुनिया से बोली लगाने वाले आईटीटी दस्तावेज www.pklmediaauction.com (निविदा पोर्टल) से खरीद सकेंगे। हर बोलीकर्ता को निविदा पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराके नियत राशि का भुगतान करना होगा और फिर आईटीटी प्राप्त करने एवं डाउनलोड करने के लिए आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। निविदा पोर्टल से आईटीटी दस्तावेज भारत में निगमित इकाईयों द्वारा 2,50,000 रु. एवं टैक्स देकर और भारत से बाहर निगमित इकाईयों द्वारा 3,500 अमेरिकी डॉलर एवं टैक्स देकर खरीदे जा सकेंगे (दोनों मामलों में यह राशि न तो वापस की जाएगी और न ही समायोजित)।

आईटीटी घोषणा पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अनुपम गोस्वामी, सीईओ - मशाल स्पोर्ट्स एंड लीग कमिश्नर, प्रो कबड्डी लीग ने कहा, ''प्रो कबड्डी लीग ने एक विश्वस्तरीय खेल प्रदर्शन का निर्माण कर भारत के स्वदेशी खेल, कबड्डी का पुनरोद्धार किया। हर बीतते सीजन के साथ मशाल स्पोर्ट्स ने प्रशंसकों एवं उपभोक्ताओं की संलग्नता के साथ प्रतियोगिता का स्तर एवं खेल के मानक बढ़ाए हैं। यह सफलता हमारे प्रमुख साझेदारों- एकेएफआई, पीकेएल टीमों एवं सीजन 1 से सीजन 7 तक मीडिया पार्टनर के रूप में स्टार के साथ प्रशस्त हुई है। हमें विश्वास है कि आगामी पीकेएल मीडिया राईट्स की नीलामी से यह लीग नए आयाम में विकसित होगी तथा खेलप्रेमियों एवं उपभोक्ताओं की नई व ज्यादा मजबूत संलग्नता से कबड्डी के खेल का और ज्यादा विकास होगा। हमें इस बात में गर्व है कि पीकेएल क्रिकेट के बाद पहली लीग होगी, जो अपने मीडिया राईट्स की नीलामी करेगी। चयनित एवं योग्य बोलीकर्ता ई-नीलामी की प्रक्रिया द्वारा निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक मीडिया राईट्स पैकेज के लिए अपनी बोली लगा सकते हैं।

टूरिस्ट की जीप की ओर भागते नजर आ रहे हाथी, वीडियो वायरल

चंडीगढ़। आईएफएस ऑफिसर सुरेंद्र मेहरा ने सोशल मीडिया पर हाथियों का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक हाथी टूरिस्ट की जीप की ओर भागता दिख रहा है। वीडियो में जीप में सवार एक लड़की एक आवाज सुनाई दे रही है कि अरे कुछ नहीं होगा, चिल। वहीं, उसे एक युवक के कहते है तुम वीडियो बनाओ। इसी दौरान एक हाथी उनकी जीप की और भागते हुए आ जाता है। आईएफएस ऑफिसर यह वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। सुरेंद्र मेहरा ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि अरे कुछ नहीं होगा, तुम वीडियो बनाओ.. कितनी ही बार हमने भी ऐसा ही महसूस किया है जब हम वन्यजीवों से सामना करते हैं, खासकर हाथी। मेहरा द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग हाथियों के झुंड को देख उनका वीडियो बनाने लगते हैं। इस दौरान वे हाथी के काफी पास चले जाते हैं। तभी एक हाथी को गुस्सा आ जाता है और वह उनकी ओर दौड़ने लगता है। इस वीडियो को लोग सोशल मीडिया पर शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा है कि हाथी का गुस्सा बाघ और तेंदुए से भी ज्यादा खतरनाक होता है।

ढाबे में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने किया खुलासा, 12 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के रोपड़ में एक ढाबे पर चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने रेड के दौरान वहां से 8 लड़कियों और 2 लड़कों को आपत्तिजनक हालत में रंगे हाथ पकड़ लिया है। इस मामले में ढाबे के मैनेजर सहित कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, ढाबे की मालकिन मौका देखकर फरार हो गई है, जिसे पुलिस तलाश रही है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ इम्मोरल ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट 1956 के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बारे में डीएसपी वरिंदरजीत सिंह का कहना है कि उन्होंने एक पुलिस कर्मी को ढाबे पर ग्राहक बनाकर भेजा था। पुलिस कर्मी को 5-5 सौ के नोट दिए गए थे। योजना के तहत उसने ढाबे के मैनेजर से सौदा तय किया।

हरियाणा में बढ़ते पारे से किसानों की बढ़ी चिंता, सामान्य से करीब 8 डिग्री तापमान अधिक

चंडीगढ़। हरियाणा में फरवरी माह में गर्मी ने 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। राज्य में सामान्य से करीब 8 डिग्री अधिक तापमान पहुंच गया है। इससे किसानों को गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। नारनौल में दिन का तापमान 34.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि हिसार में पारा 32.3 डिग्री रहा।

ब्रिटानिया टाईगर ने सोनू सूद के साथ क्रंच खाओ, पंच दिखाओ अभियान लॉन्च किया

» **मदरलैंड संवाददाता**

हिसार । 'पूरी दुनिया में बच्चे धमकाए जाने का सामना करते हैं और हर तीन में से एक बच्चे पर माह में कम से कम एक बार बल प्रयोग होता है' - यूनेस्को के इन चौंकाने वाले खुलासों के चलते यूएन ने नवंबर 2020 में इस मामले में वैश्विक जागरुकता बढ़ाई और स्कूल में हिंसा और धमकाए जाने के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया। भारत में भी स्थिति कुछ अलग नहीं। इसका सामना करने के लिए टाईगर क्रंच ने बच्चों को मार्शल आर्ट्स द्वारा आत्मरक्षा का पाठ पढ़ाने का महत्व समझा। यह बच्चों की मानसिक और शारीरिक शक्ति बढ़ाती है तथा संघर्ष की स्थिति का सामना करने के लिए उन्हें दृढ़ता प्रदान करती है। हमने यह मनोरंजक तरीके से किया। कैम्पेन के एम्बेसडर, सोनू सूद बच्चों को दुनिया के वर्चुअल टूर पर ले गए और उन्हें 5 अलग अलग तरह की मार्शल आर्ट का परिचय दिया। इनमें (1) इजरायल की क्राव मागा; (2) जापान की जूडो (3) ब्राजील की जुजित्सु (4) भारत की कलारीपयत्तू और (5) कोरिया की ताईक्वांडो शामिल है। पाँच पार्ट की इस वीडियो सीरीज में सोनू सूद बच्चों को झगड़े को पहले चॉकलेटी टाईगर क्रंच बिस्किट देकर या मैत्रीपूर्ण बातचीत से खत्म करने के लिए प्रेरित करते हैं, लेकिन यदि झगड़े का मैत्रीपूर्ण समाधान निकालने के सभी रास्ते खत्म हो जाएं, तो उस स्थिति में उन्हें सावधान

रहना चाहिए और इस सीरीज में सिखाई गई आत्मरक्षा की तकनीकों द्वारा खुद की रक्षा करनी चाहिए।

इस अभियान एवं बॉलिवुड एक्शन स्टार, सोनू सूद के साथ सहयोग के बारे में, श्री विनय सुब्रमण्यम, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, ब्रिटानिया टाईगर क्रंच अपनी अवधारणा पर खरा उतरता है। यह सदैव सर्वश्रेष्ठ मूल्य प्रस्तुत करता है, फिर चाहे 5 रु. में सबसे स्वादिष्ट कुकी का स्वाद हो या फिर आगे बढ़कर मुश्किल परिस्थिति पर काबू पाना हो। क्रंच खाओ, पंच दिखाओ अभियान बच्चों को सशक्त बनाने, संघर्ष की स्थिति में सुरक्षित रहने और शारीरिक एवं मानसिक शक्ति बढ़ाने में समर्थ बनाने का एक प्रयास है।

मार्शल आर्ट के रूप बच्चों को आत्मरक्षा एवं जीवन के बहुमूल्य कौशल, जैसे अनुशासन, केंद्रण, आत्मसम्मान एवं लक्ष्य बनाना सिखाते हैं। उन्होंने आगे कहा, सोनू सूद से बेहतर इन बच्चों को मूल्यों की शिक्षा कौन दे सकता है और जीवन में आने वाली चुनौतियों का धैर्य एवं दृढ़ता से सामना करने के लिए कौन प्रेरित कर सकता है।

हायर इंडिया ने एआई इनेबल्ड 4के स्मार्ट एलईडी टीवी की नई श्रृंखला के साथ अपनी एन्ड्रॉयड टीवी सीरीज का विस्तार किया

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़/लुधियाना । होम अप्लायंसेस एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्लोबल लीडर और लगातार 12 सालों तक बड़े अप्लायंसेस में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने आज अपनी गूगल सर्टिफाईड एन्ड्रॉयड एलईडी टीवी सीरीज के विस्तार की घोषणा की। के-सीरीज के इन नए टीवी में क्रमशः 108 सेमी. (43), 127 सेमी. (50), 146 सेमी. (58), 165 सेमी. (65) और 190 सेमी. (75) के स्क्रीन साईज में बेहतरीन 4के पिक्चर क्वालिटी है। ऑल-स्क्रीन, बेजेललेस डिस्प्ले के कारण इस सीरीज का डिजाईन बहुत स्लिम व स्टाईलिश है, जिस

पर बिल्कुल जीवंत एवं क्रिस्टल क्लियर विज्युअल्स प्राप्त होते हैं। हायर द्वारा यह पुनः अविष्कृत किया गया टीवी डिजाईन टीवी देखने का ज्यादा रोचक अनुभव प्रदान करता है और उपभोक्ताओं के घर में ज्यादा उत्कृष्ट स्टाईल भी प्रस्तुत करता है।

इस लॉन्च के बारे में श्री एरिक ब्रैगेंजा, प्रेसिडेंट, हायर अप्लायंसेस इंडिया ने कहा, ह्यह्यनए गूगल एन्ड्रॉयड के-सीरीज टेलीविजन के लॉन्च के साथ हम अपने उपभोक्ताओं को आईओटी एवं एआई पॉवर्ड स्मार्ट होम प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता मजबूत कर रहे हैं। हायर में हमारा विश्वास है कि समाधान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी वाले अभिनव उत्पादों द्वारा उपभोक्ताओं की विकसित होती जरूरतों को पूरा करने में निहित है। जीवन के नए तरीके ने लोगों को ज्यादा कनेक्टेड एवं स्मार्ट लिविंग के परिवेश की जरूरत को महसूस कराया है। हम अपनी टेलीविजन श्रृंखला में ये नए टीवी प्रस्तुत करके बहुत उत्साहित हैं और भारत में आधुनिक घरों में परिवर्तन लाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारे नए स्मार्ट एलईडी के-सीरीज टीवी के साथ हम अपने ग्राहकों को मनोरंजन का कौशल प्रदान करने के लिए आशान्वित हैं, जिससे वो बिना किसी जटिल परेशानी के ऑन-डिमांड कंटेंट की जरूरत को पूरा कर सकेंगे।

एशियन पेंट्स नए टीवीसी में लाया लैमिनेशन वाला अल्टिमा प्रोटेक

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़। अल्टिमा प्रोटेक ने अपने लैमिनेशन गार्ड और 10 साल की गारंटी के साथ मैचमेकर रणबीर कपूर की दिन की मेहनत बचा ली। टीवी विज्ञापन में दिखाया गया है कि रणबीर कपूर एक कस्बे से गुजरते हैं, जहां वह देखते हैं कि घर पर हुए पेंट ने लैमिनेशन को अगले स्तीर पर पहुंचा दिया है। घर काफी प्यार और मेहनत से बनता है इसलिए घर में रहने वाले लोग यह चाहते हैं कि बरसों बीत जाने पर भी उनके घर बिल्कुल पहले की तरह खूबसूरत रहें और एक परफेक्ट पिक्चर पेश करें। इसलिए एशियन पेंट्स केवल घर बनाने में ही उपभोक्ताओं का हमसफर बनने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि इसने यह भी सुनिश्चित किया है कि सालों बीत जाने पर उनके घर हमेशा खूबसूरत दिखें। घर के

बाहरी भाग को कुदरत की काफी विपरीत स्थितियों, जैसे धूल, मिट्टी, बारिश और चिलचिलाती धूप का सामना पड़ता है। अपनी लैमिनेशन गार्ड टेक्नोलॉजी के साथ एशियन पेंट्स अल्टिमा प्रोटेक घर की बाहरी दीवारों की भी बारिश, धूल और सूरज की तेज रौशनी से रक्षा करता है। इसके साथ 10 साल की परफॉर्मेंस वॉरंटी भी दी जाती है। अल्टिमा प्रोटेक के लिए इस शानदार विज्ञापन का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रसून पांडे ने किया है। इस विज्ञापन में अलग-अलग रोल जबर्दस्त अंदाज में निभाने वाले रणबीर कपूर मैचमेकर के अवतार में दिखाई देंगे, जिसमें उनको कभी देखा नहीं गया। रणबीर एक एनआरआई लडकी के लिए परफेक्ट दूल्हे की तलाश करते हुए दिखेंगे। वह इसी तलाश में एक कस्बे से गुजरते हैं, जिसमें वह एक घर को देखते हैं, जहां लैमिनेशन को अगले लेवल तक पहुंचा दिया गया है। और उनकी तलाश इसी परफेक्ट घर पर खत्म होती है। इस कैंपेन में दिखाया गया है कि अल्टिमा प्रोटेक के साथ लैमिनेट किया गया एक घर कैसे मौसम में आने वाले किसी भी बदलाव से सुरक्षित रहता है। इसकी टैगलाइन है, -बारिश, धूप और धूल को आने दो। एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने नए अल्टिमा प्रोटेक के विज्ञापन के बारे में बताते हुए कहा कि उपभोक्ता अपने घरों को खूबसूरत बनाए रखने के लिए नए-नए सोल्यूशंस की तलाश में है। आज घरों की सुरक्षित बनाए रखने में कुदरत के अलग-अलग रूपों के चलते काफी चुनौतियां सामने आ रही हैंए जिसमें भारी बारिशए चिलचिलाती धूप और आधुनिक युग में धूल, मिट्टी और प्रदूषण शामिल है। इन सालों में एशियन पेंटस ने अपने तकनीक के आधार पर किए गए इनोवेशन के दम पर कई प्रॉडक्ट ऑफर किए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को अपने घरों को सुरक्षित रखने के लिए सबसे बेहतरीन विकल्पॉ मिलता है। अल्टिमा प्रोटेक की लैमिनेशन गार्ड टेक्नोलॉजी लोगों के घरों को लैमिनेट करने के लिए डिजाइन की गई हैए जिससे आने वाले कई सालों तक उनके घरों की खूबसूरती बरकरार रहती है। यह ऐड कैंपेन स्पष्ट रूप से अल्टिमा प्रोटेक को इसकी लैमिनेशन टेक्नोलॉजी के साथ एक्सटीरियर पेंट्स के गोल्ड स्टैंडर्ड के रूप में स्थापित करती है।

इंसान और भगवान

इंसां होना है कठिन, सुन तू ऐ भगवान।
देख परेशानी जरा, जीना ना आसान।।
इंसां नित ही भोगता, कष्ट,दर्द का शाप।
दुख के काँटे,वेदना, कौन सकेगा माप।।
इंसां ईश्वर पूजता, सुखी रहे हर एक।
पर पीड़ा का संग है, बढ़ते रोग अनेक।।
सचमुच में होना सरल, स्वर्ग बैठ भगवान।
पर धरती पर आदमी, की आफत में जान।।
जब धरती पर आ गए, भगवन ले अवतार।
झेली विपदाएँ बहुत, पाया अति अँधियार।।
इंसां कितना है दुखी, क्या जाने भगवान।
कदम-कदम पर मौत है, मुश्किल का जयगान।।
स्वर्ग बैठ शासन करें, सुखमय हैं भगवान।
पर कितना पीड़ित, दुखी, धरती का इनसान।।
जन्म मनुज का ले यहां, केवल पश्चाताप।
मानव अकुलाता सतत्, लगे उसे अभिशाप।।
मंदिर-मस्जिद रख दिया, इंसां ने भगवान।
नहीं करे पर दुख परे, परेशान इनसान।।
यह दुनिया है कष्टमय, सुख दे दे भगवान।
अन्न, नीर दे, दे वसन् , कर कोविड-अवसान।।

प्रो(डॉ) शरद नारायण खरे

अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश

आलोचना और सवाल उठाने की आजादी है, पर सोशल मीडिया के करोड़ों यूजर्स की शिकायत निपटाने के लिए भी एक फोरम होना चाहिए।

केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल न्यूज के लिए गाइडलाइन जारी की। सरकार ने कहा कि आलोचना और सवाल उठाने की आजादी है, पर सोशल मीडिया के करोड़ों यूजर्स की शिकायत निपटाने के लिए भी एक फोरम होना चाहिए। कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सोशल मीडिया पर अगर किसी की गरिमा (खासतौर महिलाओं से जुड़े मामले) को ठेस पहुंचाने वाले कंटेंट की शिकायत मिलती है तो 24 घंटे में इसे हटाना होगा। वहीं, देश की सुरक्षा जैसे मामलों से जुड़ी जानकारी शेयर करने पर फर्स्ट ओरिजिन भी बताना होगा। वहीं सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ओटीटी और डिजिटल न्यूज पोर्टल्स के बारे में कहा कि उन्हें खुद को नियंत्रित करने की व्यवस्था बनानी चाहिए। जिस तरह फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, वैसी ही व्यवस्था ओटीटी के लिए हो। इस पर दिखाया जाने वाला कंटेंट उम्र के हिसाब से होना चाहिए। सोशल मीडिया में फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन के इस्तेमाल बनाम गलत इस्तेमाल को लेकर लंबे वक्त से डिबेट चल रही थी। इस मामले में अहम मोड़ किसान आंदोलन के वक्त से आया। 26 जनवरी को जब लाल किले पर हिंसा हुई तो सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों पर सख्ती बरती। सरकार का कहना था कि अगर अमेरिका में कैपिटल हिल पर अटैक होता है तो सोशल मीडिया पुलिस कार्रवाई का समर्थन करता है। अगर भारत में लाल किले पर हमला होता है तो आप डबल स्टैंडर्ड अपनाते हैं। ये हमें साफतौर पर मंजूर नहीं है। इस मामले की शुरूआत 11 दिसंबर 2018 से हुई, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह चाइल्ड पोर्नोग्राफी, रेप, गैंगरेप से जुड़े कंटेंट को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से हटाने के लिए जरूरी गाइडलाइन बनाए। सरकार ने 24 दिसंबर 2018 को ड्राफ्ट तैयार किया। इस पर 177 कमेंट्स आए। बहरहाल, हम कह सकते हैं कि आखिरकार सरकार ने भारतवासियों की बात सुन ली है। सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं, हालांकि ये उतने सख्त कदम नहीं हैं, जितने होने चाहिए थे। लेकिन, सरकार ने विदेशी कंपनियों को साफ संकेत दे दिए हैं कि अगर भारत में रहना है, यहां की मलाई खानी है तो आप कानून का पालन किए बगैर आगे नहीं बढ़ सकते। कहीं न कहीं, सर्विस प्रोवाइडर भी बहुत मनमानी कर रहे थे, सरकार को ललकार रहे थे कि हम नहीं करते कानून का पालन, आप क्या कर लेंगे। अब सरकार ने एक ही झाड़ू फेरकर तमाम सर्विस प्रोवाइडर और ओटीटी प्लेटफॉर्म को अपने शिकंजे में ले लिया है। कानूनी धाराओं में इन्हें कवर कर लिया है। डिजिटल मीडिया के लिए जारी हुई नई गाइडलाइन का सबसे बड़ा फायदा उन यूजर्स को मिलने जा रहा है, जिनकी सोशल मीडिया या ह्यअ के खिलाफ शिकायतें अब तक नहीं सुनी जाती थीं। सबसे ज्यादा नकेल बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर कसी गई है। उन्हें गाइडलाइन पर अमल के लिए तीन महीने का वक्त मिला है। हालांकि, सरकार इस सवाल का जवाब टाल गई कि गंभीर आपत्तिजनक कंटेंट के मामलों में जेल किसे होगी? यूजर को या सोशल मीडिया को? किसी भी लोकतांत्रिक समाज और देश की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि वहां वैचारिक सहमति और असहमति को अभिव्यक्त करने की आजादी एक अधिकार के रूप में स्वीकार्य हो। लेकिन कई बार देखा जाता है कि अभिव्यक्ति की निर्बाध आजादी का इस्तेमाल कुछ लोग इस तरह करने लगते हैं जिससे भावनाओं के भड़कने और यहां तक कि अराजकता फैलने की आशंका खड़ी हो जाती है। खासतौर पर जब से सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों का विस्तार हुआ है, उस पर अपनी राय जाहिर करने की सुविधा तक बहुत सारे लोगों की पहुंच बनी है, तब से एक बड़ी आबादी को अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए एक नया आाकाश जरूर मिला है, लेकिन इसके बरक्स

ऐसे तमाम लोग भी हैं, जो इन मंचों का इस्तेमाल अपनी कुत्सित मंशा को पूरा करने के लिए करने लगे हैं। ऐसी घटनाएं अक्सर दर्ज की गई हैं, जो महज एक व्यक्ति के आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर फैलाए गए भ्रम के चलते होती है और उसमें नाहक ही जानमाल का नुकसान हो जाता है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया के मंचों पर ऐसी हरकतें करने वाले लोगों की वजह से कभी झूठी धारणा तो कभी अराजकता फैल जाती है, लेकिन इसके नुकसानों की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता है। शायद इसी के मद्देनजर सरकार ने अगले तीन महीने में एक कानून लाने की घोषणा की है, जिसके जरिए डिजिटल माध्यमों पर सामग्रियों को नियमित किया जा सकेगा और इसके लिए जिम्मेदारी तय की जा सकेगी। सरकार का मानना है कि सोशल मीडिया गलत तस्वीर दिखाने को लेकर लगातार शिकायतें आ रही थीं; चूंकि अपराधी भी इसका इस्तेमाल करने लगे हैं, इसलिए ऐसे मंचों से संबंधित एक नियमित तंत्र होना चाहिए।

सिद्धार्थ शंकर

संपादकीय

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा ? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषर्गांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है ! डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है। इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

देश में दोबारा पांव पसार रहे कोरोना संक्रमण की काट है जल्द हो टीकाकरण

"कोविड-19 के 6,000 नए मामले आए जिससे महामारी की स्थिति बिगड़ने का संकेत मिलता है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के अनुसार राज्य में संक्रमण के 6112 नए मामलों में अधिकतर अकोला, पुणे और मुंबई खंड से आए हैं। इससे पहले राज्य में 30 अक्टूबर को एक दिन में 6,000 से ज्यादा मामले आए थे और उसके बाद मामलों की संख्या घटने लगी थी. संक्रमण के नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 20,87,632 हो गई जबकि 44 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 51,713 हो गई. इन 44 मौतों में 19 लोगों की मौत पिछले 48 घंटे में हुई, 10 की मौत पिछले सप्ताह हुई जबकि 15 की मौत उससे पहले हुई थी। मुंबई शहर और आसपास के इलाकों से संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले आ रहे थे. लेकिन, 12 फरवरी के बाद से अकोला, अमरावती में संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि हुई है। अकोला खंड में 12 फरवरी को संक्रमितों की संख्या 76,207 थी जो शुक्रवार को बढ़कर 82,904 हो गई। अकोला खंड में अकोला, अमरावती और यवतमाल जिले शामिल हैं। इससे पहले दिन में राज्य सरकार ने कहा कि ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में पाये गये कोरोना वायरस के नये स्वरूप का कोई मामला महाराष्ट्र के अमरावती और यवतमाल जिलों में सामने नहीं आया है।"

देश में दोबारा कोरोना संक्रमण का का प्रकोप बढ़ रहा है, खासकर महाराष्ट्र व केरल राज्य में।महाराष्ट्र में तीन महीने बाद पहली बार शुक्रवार को कोविड-19 के 6,000 नए मामले आए जिससे महामारी की स्थिति बिगड़ने का संकेत मिलता है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के अनुसार राज्य में संक्रमण के 6112 नए मामलों में अधिकतर अकोला, पुणे और मुंबई खंड से आए हैं। इससे पहले राज्य में 30 अक्टूबर को एक दिन में 6,000 से ज्यादा मामले आए थे और उसके बाद मामलों की संख्या घटने लगी थी.संक्रमण के नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 20,87,632 हो गई जबकि 44 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 51,713 हो गई. इन 44 मौतों में 19 लोगों की मौत पिछले 48 घंटे में हुई, 10 की मौत पिछले सप्ताह हुई जबकि 15 की मौत उससे पहले हुई थी। मुंबई शहर और आसपास के इलाकों से संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले आ रहे थे. लेकिन, 12 फरवरी के बाद से अकोला, अमरावती में संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि हुई है। अकोला खंड में 12 फरवरी को संक्रमितों की संख्या 76,207 थी जो शुक्रवार को बढ़कर 82,904 हो गई। अकोला खंड में अकोला, अमरावती और यवतमाल जिले शामिल हैं। इससे पहले दिन में राज्य सरकार ने कहा कि ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में पाये गये कोरोना वायरस के नये स्वरूप का कोई मामला महाराष्ट्र के अमरावती और यवतमाल जिलों में सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पश्चिमी महाराष्ट्र के पुणे, सतारा जिले और विदर्भ क्षेत्र के अमरावती और यवतमाल जिलों में कोरोना वायरस के नये मामले बढ़ने के मद्देनजर इन इलाकों से लिये गये वायरस के नमूनों की 'जीनोम सीक्वेंसिंग' की गई। राज्य में अस्पतालों से 2159 लोगों को छुट्टी मिलने के साथ अब तक 19,89,963 लोग स्वस्थ हो चुके हैं. राज्य में 44,765 उपचाराधीन मरीज हैं। वहीं, मुंबई में दिसंबर के बाद से कोविड-19 के सबसे ज्यादा 823 मामले आए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार मुंबई में संक्रमितों की संख्या 3,17,310 हो गई जबकि पांच और लोगों की मौत हो जाने से मृतक संख्या 11,435 हो गई। पिछले 24 घंटे के दौरान 440 मरीजों को छुट्टी दे दी गयी। शहर में 6577 मरीजों का उपचार चल रहा है।महानगर पालिका के अनुसार शुक्रवार को शहर में 18,366 नमूनों की जांच की गई। अब तक कुल 30,98,894 जांच की गई है। इस समय नागपुर में स्थिति एक बार फिर खराब हो रही है। इस बीच महाराष्ट्र के मंत्रियों और नेताओं को भी कोरोना वायरस संक्रमण हो गया है। इनमें कुछ नेता ऐसे भी हैं, जो दोबारा कोरोना वायरस की चपेट में आए हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके के क्षेत्रों में भी पिछले कुछ दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। देश में कोरोना से बचाव का सबसे प्रमाणिक तरीका है कि टीकाकरण जल्द रफ़्तार पकडे। इस समय तक देश में कोरोना की पुष्टि 10977387 वाले पीड़ित हैं, जिनका इलाज चल रहा है उनकी संख्या 143127, इनमे से ठीक हो चुके की संख्या 10678048 है, मृत लोग156212` बढ़ते केसो के कारण देश में जल्द वेक्सिन लगे इसकी जरुरत है निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सबसे पहले कोविड 19 वैक्सीन हेल्थकेयर कर्मियों यानी डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स और स्वास्थ्य से जुड़े लोगो को दी जा रही है` सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मिलकर इनकी संख्या 80 लाख से एक करोड़ बताई जा रही है इनके बाद करीब दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स यानी राज्य पुलिसकर्मियों, पैरामिलिटरी फोर्सेस, फौज, सैनिटाइजेशन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी इसके बाद नंबर लगेगा 50 वर्ष से ऊपर के लोगों का` भारत में पचास वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 27 करोड़ के लगभग है। स्वास्थ्य कर्मियों व सेवा कर्मियों के बाद कोरोना वरीयता में ये बुजुर्ग लोग ही आते हैं। अभी तक केवल चिकित्सा व अन्य सेवा कर्मियों को ही कोरोना वैक्सीन लगाई जा रही है। यह कार्य पिछले महीने से ही शुरू हो चुका है। सवाल पैदा हो रहा है कि इन लोगों को वैक्सीन लगाने का तरीका क्या हो? क्या केवल सरकारी चिकित्सा कर्मी ही यह काम कर सकते हैं? भारत जैसे विशाल देश में यह संभव नहीं है। इसके साथ यह भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि वैक्सीन का वितरण सरकारी खर्चे पर होगा अथवा इस कार्य में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी होगी। भारत को टीकाकरण का शानदार अनुभव है। इस कार्य में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भागीदारी का अनुभव भी अच्छा-खासा है। विश्व का सबसे बड़ा पोलियो टीकाकरण अभियान इसी आधार पर पूरा किया गया था। इसके अलावा अन्य टीकाकरण अभियान भी चलते रहे हैं। अतः कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान भी हम इसी तर्ज पर शुरू कर सकते हैं। फैसला केवल यह करना है कि समाज के किस आय वर्ग के लोगों को सरकार बिना किसी खर्चे या न्यूनतम खर्चे पर वैक्सीन उपलब्ध करायेगी और किस वर्ग के लोगों को अपने खर्चे से लगवाने की इजाजत देगी। इसके लिए जरूरी होगा कि सरकार वैक्सीन की किफायती कीमत तय करे और निजी क्षेत्र को इस कार्य में शामिल करके जल्दी से जल्दी लोगों को टीका लगाये। इसके साथ ही इस कार्यक्रम को व्यावहारिक रूप से सफल बनाने हेतु 'कोविड एप' पर खुद को पंजीकृत कराने के लिए लोगों को प्रेरित करे जिससे टीका प्राप्त लोगों की गणना आसानी से हो सके। निजी चिकित्सा क्षेत्र का तन्त्र भारत में बहुत बड़ा है। खास कर शहरी व अर्ध शहरी क्षेत्रों में अस्पतालों व अन्य चिकित्सा सेवाओं का अच्छा खासा ढांचा तैयार हो चुका है। कोरोना टीकाकरण में इसका इस्तेमाल सुविधापूर्वक किया जा सकता है शर्त केवल यह है कि निजी क्षेत्र के लिए कोरोना टीके की फीस सरकार तय कर दे जिससे यह लाभार्थियों को घोषित फीस पर ही टीका लगाये। इसका सीधा लाभ यह होगा कि टीका लगवाने के लिए लोग स्वयं आगे आयेंगे और उन्हें इसे लगवाने के लिए मुश्किलें भी नहीं झेलनी होंगी। ऐसा करके सरकारी खर्चे में भी बचत होगी। अभी तक भारत में केवल .6 प्रतिशत लोगों को ही कोरोना टीका लग सका है जबकि अमेरिका में 23 प्रतिशत लोगों को लगाया जा चुका है। भारत जब कोरोना टीकों का निर्यात दूसरे देशों को कर रहा है तो अपने देश में वह लोगों तक इसे पहुंचाने में आल्सय कैसे दिखा सकता है जबकि मुम्बई व महाराष्ट्र के अन्य शहरों में संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने की तरफ जा रहे हैं। इसके साथ ही कोरोना वेरियंट व स्टेंस के कुछ मामले भी भारत में पाये गये हैं। वेरियंट कोरोना से भी ज्यादा रफ्तार से फैलता है। इसकी काट भी सिर्फ टीका है। अतः अब टीका लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए और कोरोना के दूसरे आक्रमण के डर से निजात पाई जानी चाहिए। यह कार्य मार्च महीने तक निपट जाये तो बहुत बेहतर होगा जिससे नये वित्त वर्ष की शुरूआत भयमुक्त माहौल में हो।

अशोक भाटिया

खड़ी बोली को फिर से खड़ा करने की जरूरत !

उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली मातृ भाषा मूल रूप से खड़ी बोली है ,जिसे कौरवी भाषा भी कहा जाता है। इस भाषा का सर्वाधिक प्रभाव मेरठ,बागपत, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, सहारनपुर और उत्तराखंड के हरिद्वार व देहरादून जनपदों में देखा जा सकता है।कहा जाता है कि सबसे पहले 14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो ने इस खड़ी बोली का प्रयोग करना आरंभ किया।उन्होंने खड़ी बोली में कुछ कविताएं भी लिखी , जो सरल , सरस और प्रभावी होने के कारण शीघ्र ही प्रचलित हो गई। इस बोली का प्रयोग बोलचाल और साहित्य में धीरे धीरे होने लगा।जिससे यह बोली प्रचलित हो गई।15वीं और 16 वीं शताब्दी तक आते आते में हिंदी के कवि भी अपनी कविताओ में कहीं कहीं खड़ी बोली का प्रयोग करने लगे , परन्तु ऐसे कवियों की संख्या उस समय बहुत कम थी। अधिकांश कविता अवधी और व्रजभाषा में ही साहित्य रच रहे थे। 18वीं शताब्दी में साहित्य में इस भाषा या फिर बोली को स्थान मिलने लगा।वह भी पद्य के बजाए केवल गद्य में खड़ी बोली बढ़ने लगी।यही से हम कह सकते है कि हिंदी गद्य ने खड़ी बोली के रूप में जन्म लिया। जिसका श्रेय आचार्य मुंशी सदासुखलाल, लल्लू लाल और सदल मिश्र को जाता हैं।उन्होंने ही खड़ी बोली में गद्य लिखने आरंभ किये। जिस प्रकार फारसी , अरबी व अन्य भाषाओं के शब्दो से उर्दू भाषा का उदय हुआ। उसी प्रकार खड़ी बोली में संस्कृत के शब्दों की अधिकता करके हिंदी का वर्तमान स्वरूप बना। वास्तव में खड़ी बोली हिंदी भाषा का वह रूप है जिसमें संस्कृत के शब्दों की अधिकता करके हिंदी भाषा की सृष्टि हुई, इसी तरह खड़ी बोली में फारसी तथा

अरबी के शब्दों की अधिकता करके उर्दू भाषा की उतपत्ति हुई है। खड़ी बोली से अभिप्राय उस बोली से है जिसपर ब्रजभाषा या अवधी भाषा की छाप न हो । यानि ठेंठ हिंदीं ,परिनिष्ठित पश्चिमी हिंदी का एक रूप हो। खड़ी बोली पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर व उत्तराखंड के हरिद्वार व देहरादून के मैदानी भाग में विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में बोली जाती है।वही अम्बाला, पटियाला के पूर्वी भाग, रामपुर और मुरादाबाद के क्षेत्रों में खड़ी बोली का वर्चस्व है। मेरठ की खड़ी बोली आदर्श खडी बोली मानी जाती है जिससे आधुनिक हिंदी भाषा का जन्म हुआ कहा जा सकता है। वही मुजफ्फरनगर , सहारनपुर व बागपत मे खड़ी बोली मे हरियाणवी भाषा की झलक देखने को मिलती है। खड़ी बोली में खड़ी शब्द का अर्थ 'खरी' से है अर्थात खरापन यानि शुद्ध अथवा ठेठ हिन्दी बोली। हिंदुस्तान में पहले अरबी-फारसी और हिंदुस्तानी शब्दो से मिश्रित उर्दू भाषा का चलन था, या फिर अवधी या ब्रज भाषा का प्रयोग में थी। लेकिन 14 वीं शताब्दी में अमीर खुशरो ने काव्य रूप में व 18वीं शताब्दी के आरम्भ में कुछ हिंदी गद्यकारों ने ठेठ हिंदी में लिखना शुरू किया। इसी ठेठ हिंदी को 'खरी हिंदी' या 'खड़ी हिंदी' यानि खड़ी बोली कहा जाने लगा।

खड़ी बोली को अनेक नामों से जाना जाता है ।इसे हिंदुई, हिंदवी, दक्खिनी, दखनी या दकनी, रेखता, हिंदोस्तानी, हिंदुस्तानी बोली या भाषा भी कहते है लेकिन अधिकांश इसे कौरवी भाषा के रूप में देखते है। डॉ॰ ग्रियर्सन ने इसे 'वर्नाक्युलर हिंदुस्तानी' तथा डॉ॰ सुनीति कुमार चटर्जी ने इसे 'जनपदीय हिंदुस्तानी' का नाम दिया है। डॉ॰ चटर्जी खड़ी बोली के साहित्यिक रूप को 'साधु हिंदी' या 'नागरी हिंदी' के नाम से प्रमाणित करते हैं। जबकि डॉ॰ ग्रियर्सन ने खड़ी बोली को 'हाई हिंदी' भी कहा है।

कुछ लोग खड़ी बोली नाम को बज्रभाषा के सापेक्ष मानते हैं। जिसे सन 1803 में लल्लू जी लाल ने खड़ी बोली नाम , ब्रजभाषा की मधुरता तथा कोमलता की तुलना में इस बोली को दिया गया था जिससे कालांतर में आदर्श हिंदी तथा उर्दू का विकास हुआ। वही कुछ लोग इसे उर्दू के सापेक्ष मानकर उसकी अपेक्षा इसे प्रकृत शुद्ध, ग्रामीण ठेठ बोली के रूप में मान्यता देते हैं। खड़ी बोली शब्द का सबसे पहले प्रयोग लल्लू लाल द्वारा अपनी कृति प्रेमसागर में किया गया। किंतु इस ग्रंथ के मुखपृष्ठ पर खरी शब्द ही मुद्रित है।इसलिए हम कह सकते है कि खड़ी बोली ही खरी बोली और यही कौरवी भाषा है।जिसको फिर से प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है।

डॉ श्रीगोपाल नारसन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा हैल्थ ऑफ भारत व दैनिक अमन प्रेस आर. जेड.-138, रविनगर एक्सटेंसन, नियर पार्क हॉस्पिटल, न्यू दिल्ली-110018 से मुद्रित एवं एस-503ए स्कूल ब्लॉक, शक्करपुर दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाऐगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को आई दिल्ली के सरकारी स्कूल की याद, बच्चों को भेजा प्यारा सा संदेश

वॉशिंगटन। पति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान भारत आईं अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप की यादों में अभी भी दिल्ली का सर्वोदय सरकारी स्कूल बसा हुआ है। यही वजह हैं कि उन्होंने ट्वीट करके यहां के बच्चों के लिए प्यारा सा संदेश भेजा है। मेलानिया ने दिल्ली के सर्वोदय स्कूल के अपने एक पुराने वीडियो पर ट्वीट किया और बच्चों और शिक्षकों के अच्छे भविष्य की कामना की। मेलानिया ने ट्वीट किया मैं पिछले साल सर्वोदय स्कूल में की गई यात्रा को याद कर रही हूं।

मनु गुलाटी कृपया दिल्ली के सरकारी स्कूल के छात्रों और शिक्षकों को मेरा प्यार और शुभकामनाएं दीजएिगा।

मनु गुलाटी दिल्ली के सरकारी स्कूल में टीचर हैं। मनु गुलाटी ने भी ट्वीट करके मेलानिया ट्रंप को धन्यवाद दिया। मनु गुलाटी ने कहा कि आपका याद किया जाना हमारे लिए सम्मान की बात है। हमारे दिल्ली के सरकारी स्कूल के स्टूडेंट आपको बहुत याद करते हैं। खासतौर पर उस पल को जब आपने पंजाबी गाने पर उनके साथ आनंद लिया था। छात्रों की तरफ से आपको ढेर सारा प्यार। उल्लेखनीय है कि पिछले साल मेलानिया ट्रंप भारत दौरे के दौरान दक्षिण दिल्ली के सर्वोदय सह-शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचीं थी। इस दौरान उन्होंने केजी क्लास के बच्चों से मुलाकात की थी। मेलानिया ट्रंप के स्वागत के लिए स्कूल में भांगड़ा, राजस्थानी लोक नृत्य सहित कई तरह के रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक नन्हे बच्चे ने स्कूल में ऐसा डांस किया कि मेलानिया उस पर फिदा हो गईं और उस बच्चे के पास पहुंच गईं और उसकी खूब तारीफ की।

मेलानिया ने उस दिन एक घंटे से भी ज्यादा समय स्कूल में बिताया। इस दौरान कई कक्षाओं के छात्रों से उन्होंने बातचीत की। केजी के छात्रों के लिए विद्यालय में बनाए गए गतिविधि कक्ष में अमेरिका की प्रथम महिला छोटे बच्चों के साथ बैठीं। उस वक्त क्ले मॉडल बना रहे छात्रों से भी मेलानिया ने बात की। शिक्षिकाओं ने जब छात्रों से पूछा कि क्या वे मेलानिया से कुछ पूछना चाहेंगे तो एक उत्साहित बच्ची ने पूछा अमेरिका कितना बड़ा है? स्कूल में कई और बच्चों ने अमेरिका की प्रथम महिला से कई सवाल किए। एक बच्चे ने पूछा अमेरिका क्या बहुत दूर है? एक अन्य लड़की ने भी यही पूछा कि क्या अमेरिका बहुत दूर है? नन्हें बच्चों के इन सवालों पर अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया मुस्कुराती नजर आईं। उन्होंने भी बच्चों से कुछ सवाल किए। वहीं छात्रों का एक और ग्रुप ब्लॉक से कुछ बना रहा था। मेलानिया उनके पास भी पहुंचीं और उनके साथ मिलकर कुछ बनाने लगीं। एक छात्रा ने उनसे पूछा प्रथम महिला के तौर पर आप क्या करती हैं? मेलानिया ने चौथी कक्षा के बच्चों के साथ उनकी 'हैप्पीनेस क्लास' के दौरान ध्यान भी किया। थोड़ी देर ध्यान के बाद उन्होंने कहा मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

चीन ने कोविड-19 के दो और टीको को उपयोग की मंजूरी दी

ताइपे। चीन ने कोविड-19 के दो और टीको को वृहद उपयोग की मंजूरी दी और उसके टीकों की संख्या बढ़ गई है। नेशनल मेडिकल प्रोडक्ट्स एडमिनिस्ट्रेशन ने कैनसिनो बायोलोजिक्स और सरकारी कंपनी सिनोफार्म के एक-एक टीके को सशर्त मंजूरी दी। दोनों ही टीके आपात उपयोग मंजूरी के तहत पहले ही लोगों के चुनिंदा समूहों में लगाए जा रहे हैं। चीन के पास अब अपने लोगों का टीकाकरण करने के लिए चार टीके हैं। कैनसिनो ने कहा कि एक खुराक वाला उसका टीका खुराक दिए जाने के 28 दिन के बाद 65.28 फीसदी प्रभावी है। उसका दो से लेकर आठ डिग्री के तापमान तक भंडारण किया जा सकता है। किसी चीनी कंपनी का यह पहला कोविड-19टीका है जिसकी एक खुराक की ही जरूरत होगी। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलोजिक्स की सहायक कंपनी सिनोफार्म ने कहा कि उसका टीका 72.51 फीसद कारगर है।

संक्षिप्त समाचार

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कोरोना का कोई नया मामला नहीं

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 5,016 है और एक व्यक्ति के ठीक होने के बाद संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,950 हो गई। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह मेंसंक्रमण से कुल 62 लोगों की मौत हुई है। अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने अब तक कुल 2.63 लाख से अधिक नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की है।

कोरोना वैक्सीन की दो करोड़ डोज के लिए ब्राजील ने भारत बायोटेक से किया समझौता

साओ पाउलो। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के टीके 'कोवैक्सीन' की दो करोड़ खुराक खरीदने के लिए भारत की दवा कम्पनी 'भारत बायोटेक' के साथ समझौता किया है। 'कोवैक्सीन' के इस्तेमाल को हालांकि स्थानीय नियामकों ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। यह समझौता उस दिन किया गया, जब ब्राजील में संक्रमण से मौत का आंकड़ा ढाई लाख पर पहुंच गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के प्रशासन ने बताया 'कोवैक्सीन' टीके की 80 लाख खुराक की पहली खेप मार्च में आएगी। 80 लाख खुराक की दूसरी खेप के अप्रैल में और अन्य 40 लाख खुराक के मई में आने की संभावना है। ब्राजील टीकों की कमी के कारण अपनी 21 करोड़ की आबादी में से केवल चार प्रतिशत लोगों को ही टीके लगा पाया है। देश की दवा कंपनी 'प्रीसीसा मेडिकामेंटोस' और 'भारत बायोटेक' दोनों में से किसी ने इस समझौते की पुष्टि नहीं की है।

चीन की सेंसरशिप और धमकी देने वाली रणनीतियों के प्रभावों से निपटने अमेरिका में विधेयक पेश

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों ने अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ चीन की सेंसरशिप और धमकी देने वाली रणनीतियों के प्रभावों से निपटने और उन पर नजर रखने के लिए विधेयक पेश किया है। विधेयक को बुधवार को पेश किया गया। विधेयक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से चीनी सेंसरशिप निगरानी एवं कार्य समूह स्थापित करने को कहा गया है, ताकि अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों पर चीन की सेंसरशिप के प्रभावों को बेहतर तरीके से समझने और उनसे निपटने की रणनीति के क्रियान्वयन में मदद मिल सके और इस दिशा में हुई प्रगति पर नजर रखी जा सके। सीनेट विदेशी संबंध समिति के सदस्य जेफ मार्कले के अलावा सांसदों मार्को रुबियो, एजिलाबेथ वारेन और जॉन कार्निन ने विधेयक पेश किया। इसके अलावा, विधेयक में चीन की सेंसरशिप एवं धमकाने वाली रणनीति और अमेरिका पर उसके प्रभाव से जुड़े प्रमुख चलन एवं पद्धतियों की जानकारी हासिल करने के लिए अनुसंधान संगठन या संघ द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने की बात की गई है। मार्कले ने कहा, अमेरिकियों और हमारी कंपनियों पर चीन की सेंसर व्यवस्था और उसकी धमकाने की रणनीति के प्रभावों पर नजर रखना और उनसे निपटना अहम है, ताकि हम अपनी आजादी की रक्षा करने की रणनीति बना सकें और इस आजादी को दबाने या उसे नष्ट करने वालों को जवाबदेह बना सकें।'

आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पशिनान के समर्थकों ने येरेवन, आर्मेनिया में मुख्य चौक पर राष्ट्रीय झंडे के साथ प्रदर्शन किया।

ब्रिटेन-स्वीडन और अमेरिका की दवा कंपनी भारत के सीरम इंस्टिट्यूट के साथ मिलकर काम करेगी

वॉशिंगटन। कोरोना के घातक वायरस से जूझ रही दुनिया के बीच अच्छी खबर आ रही है। ब्रिटेन-स्वीडन दवा कम्पनी 'एस्ट्राजेनेका' और अमेरिका की दवा कम्पनी 'नोवावैक्स' ने सांसदों से कहा कि वे 'सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया' (एसआईआई) के साथ साझेदारी कर कोविड-19 के टीके का उत्पादन बढ़ाने को तैयार हैं। महाराष्ट्र के पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया टीके सहित प्रतिरक्षात्मक दवाओं का एक प्रमुख निमार्ता है। यह एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित टीके का उत्पादन कर रहा है। इसे स्थानीय तौर पर 'कोविशील्ड' के नाम से जाना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस महीने कोविशील्ड के आपात इस्तेमाल की अनुमति दी थी साथ ही विश्व के निम्न और मध्यम आय वाले देशों को इसकी आपूर्ति को भी मंजूरी दी थी।

एस्ट्राजेनेका के बायोफर्मास्यूटिकल व्यवसाय के अध्यक्ष रूड डोब्बर ने कहा, 'हमारे साझेदार 'सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया' के साथ मिलकर हमने टीके की वैश्विक और न्यायसंगत पहुंच की प्रतिज्ञा के तहत 2021 की पहली छमाही में कोवैक्स के जरिए 145 देशों को 30 करोड़ खुराक देने की योजना बनाई गई।' 'यूएस हाउस एनर्जी एंड कॉमर्स कमेटी' की निगरानी और जांच उपसमिति में 'पाथवे टू प्रोटेक्शनः एक्सपैंडिंग अवेलेबिलिटी ऑफ कोविड-19 वैक्सीन' पर हो रही सुनवाई में डोब्बर ने कहा, 'अधिकतर आपूर्ति निम्न और मध्यम आय वाले देशों को की जाएगी।' सुनवाई का उद्देश्य टीका निमार्ताओं के अमेरिका में कोविड-19 टीकों को विकसित करने और उसका उत्पादन बढ़ाने को लेकर चल रहे प्रयासों पर गौर करना था।

चार दशकों में चीन ने गरीबी के खिलाफ संघर्ष में पूर्ण जीत हासिल कर 77 करोड़ लोगों का जीवनस्तर सुधारा : जिनपिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की है कि चीन ने पिछले चार दशकों में 77 करोड़ से अधिक लोगों का आर्थिक स्तर सुधारकर गरीबी के खिलाफ संघर्ष में पूर्ण जीत हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि चीन द्वारा किया गया यह 'चमत्कार', इतिहास के पन्नों पर दर्ज किया जाएगा। शी ने गरीबी उन्मूलन में देश की उपलब्धि पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए घोषणा की कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश से गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन हो गया है।

चीन की जनसंख्या करीब 1.4 अरब है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश इतने कम समय में लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल नहीं हुआ है। शी ने कहा ग्रामीण इलाकों में रह रहे सभी गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। इसी के साथ ही, चीन ने 2030 की तय समयसीमा से 10 साल पहले ही गरीबी उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ से अधिक साल में ग्रामीण इलाकों में रह रहे अंतिम 9.899 करोड़ गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। सभी 832 गरीब काउंटी और 1,28,000 गरीब गांव गरीबी सूची से बाहर आ चुके हैं। शी ने कहा कि 1970 के दशक के आखिर में शुरू किए गए सुधार से लेकर अब तक चीन की मौजूदा गरीबी रेखा के अनुसार 77 करोड़ गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

उन्होंने कहा कि चीन ने इस अवधि में वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई कमी में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। शी जिनपिंग ने कहा कि इन उपलब्धियों के साथ चीन ने ह्यचमत्कारह्न किया, जिसे 'इतिहास के पन्नों में दर्ज' किया जाएगा। जिनपिंग ने 2012 के अंत में सत्ता संभाली थी और उस समय उन्होंने गरीबी के पूरी तरह उन्मूलन को अपना मुख्य लक्ष्य बताया था। उस समय चीन में करीब 10 करोड़ गरीब लोग थे। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व बैंक की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के अनुसार पिछले 40 साल में गरीबी से बाहर निकले चीनी लोगों का हिस्सा वैश्विक आंकड़े का 70 प्रतिशत से अधिक है।

रोहिंग्या शरणार्थियों की नौका की तलाश में मदद कर रहा भारत

ढाका। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा है कि भारतीय तट रक्षक बल अंडमान सागर में उन रोहिंग्या शरणार्थियों की नौका की तलाश में मदद कर रहा है, जिनके बारे में माना जा रहा है, कि वे सागर में भटक चुके हैं, और कई दिनों से भूखे-प्यासे हैं। माना जा रहा है कि नौका दो सप्ताह पहले बांग्लादेश से रवाना हुई थी इसके बाद सागर में खराब हो गई। संयुक्त राष्ट्र एवं मानवाधिकार समूहों ने बताया कि नौका पर सवार करीब 90 शरणार्थियों की हालत बेहद खराब है। उनके परिवारों को आशंका है कि उनमें से कई लोगों की मौत हो चुकी है। शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त ने कहा कि उस इसकी सटीक जानकारी नहीं है, कि नौका कहा हैं। एजेंसी ने निकटवर्ती देशों से पता लगाने का आग्रह किया था कि नौका कहां है साथ ही कहा था कि यदि नौका मिले तब उसे मानवीय सहायता मुहैया कराने के लिए तैयार रहे। नौका पर सवार 25 वर्षीय युवक की मां नसीमा खातून ने कहा कि वह अपने बेटे को लेकर चिंतित है। खातून ने कहा, हे भगवान, मेरे बेटे सहित नौका में बचे सभी लोगों को अपने चमत्कार से बचा लो। उन्हें कहीं किनारे पर ले जाओ। उन्होंने कहा क्या मेरा बेटा जीवित है? क्या भूखे रहने के कारण उसे कुछ हो तो नहीं गया? वह केवल चार लीटर पानी अपने साथ लेकर गया था। रोहिंग्या संकट पर नजर रखने वाली 'अराकान परियोजना' के निदेशक क्रिस लेवा ने कहा कि उन्होंने सुना है कि नौका पर सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

सबसे भयानक अकाल संकट के मुहाने पर खड़ा अरब देश यमन

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी अभियानों के प्रमुख मार्क लोवकॉक ने कहा है कि युद्ध प्रभावित देश यमन में हालत तेजी से बिगड़ रहे हैं। अगर दानदाताओं खासतौर पर खाड़ी के पड़ोसी देशों ने संयुक्त राष्ट्र की 3.85 अरब डॉलर की मांग पर उदारतापूर्वक दान नहीं दिया,तब यमन को अब तक के सबसे भयानक अकाल आ सकता है। लोवकॉक ने कहा कि खाड़ी देशों खासतौर पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 2018 और 2019 में उदारतापूर्वक दान दिया था,लेकिन पिछले वर्ष उन्होंने इसमें जबरदस्त कटौती की थी। उन्होंने कहा कि इससे एजेंसी वर्ष 2020 में प्रति माह केवल 90लाख लोगों को खाद्य पदार्थ और अन्य मानवीय सहायता मुहैया करा पाई थी जबकि वर्ष 2019में खाद्य पदार्थ और मानवीय सहायता पाने वाले लोगों की संख्या एक करोड़ 30 लाख से एक करोड़ 40 लाख व्यक्ति प्रति माह थी। उन्होंने कहा वे 40 लाख लोग जिन्हें पिछले वर्ष भोजन नहीं मिला वे ह्यह्य उन लोगों में शामिल हैं जो भुखमरी की ओर बढ़ रहे हैं।'

लोवकॉक ने कहा, कोष के बिना और लोग काल के गाल में समा जाएंगे, अब जो देश के हालात हैं, जहां कुछ इलाकों में पहले ही अकाल है, उसमें अकाल की विभीषिका और बढेगी और ऐसा अकाल दुनिया ने दशकों में नहीं देखा होगा। तब इस लिहाज से बहुत कुछ दांव पर है। गौरतलब है कि अरब के इस सर्वाधिक निर्धन देश में संघर्ष 2014 में उस वक्त शुरू हुआ जब ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना और देश के उत्तरी इलाकों पर कब्जा कर लिया था।

अमेरिका ने भारत और पाक के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते का स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने नियंत्रण रेखा तथा अन्य क्षेत्रों में संघर्षविराम के समझौतों का सख्ती से पालन करने के भारत और पाकिस्तान के संयुक्त बयान का स्वागत किया है और इसे दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाइडन प्रशासन पाक सहित क्षेत्र के नेताओं और अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

साकी ने कहा अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के संयुक्त बयान का स्वागत करता है कि दोनों देश नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का सख्ती से पालन करने पर सहमत हुए हैं और यह 25 फरवरी से प्रभावी हो गया है। भारत और पाकिस्तान ने संयुक्त बयान जारी कर जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा एवं अन्य क्षेत्रों में संघर्षविराम के सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमति जताई है। प्रेस सचिव ने कहा यह दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता की दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम है, जिसमें हमारे साझा हित जुड़े हैं। हम दोनों देशों को इस प्रगति को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पर्याप्त कदम उठा रहा है, इस पर उन्होंने कहा कि उस आकलन के बारे में मैं आपको विदेश मंत्रालय या खुफिया विभाग की ओर इशारा करूंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक अलग संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रशासन ने एलओसी पर तनाव कम करने के लिए दोनों पक्षों से 2003 में हुए संघर्ष विराम समझौते का पालन करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा हम नियंत्रण रेखा के पार घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों की निंदा करते हैं। प्राइस ने कहा कि अमेरिका की भूमिका की बात करें तो हम कश्मीर एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी वार्ता का समर्थन करते हैं और निश्चित रूप से इस समझौते का स्वागत करते हैं, जो 25 फरवरी से प्रभावी हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सहयोगी है जिसके साथ अमेरिका के कई साझा हित जुड़े हैं।

अमेरिकी विमानों ने सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया पर किया हवाई हमला, बरसाए बम

दमिश्क। अमेरिका का जो बाइडेन प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है और उसने सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकाने पर जोरदार हवाई हमला कर जमकर बमबारी की है। बताया जा रहा है कि इस मिलिशिया गुट ने इराक में अमेरिकी दूतावास पर रॉकेट हमला किया था। रॉकेट हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे और एक ठेकेदार की मौत हो गई थी। माना जा रहा है कि सुपर पावर अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के एक महीने बाद ही हवाई हमला करके जो बाइडेन ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने रॉकेट हमले के जवाब में भले ही यह हवाई हमला किया हो लेकिन उसके दायरे को सीमित रखा है ताकि तनाव न बढ़े। साथ ही इस हमले को सीरिया में अंजाम दिया गया है ताकि इराक की सरकार को राहत मिले जो खुद भी 15 फरवरी को हुए रॉकेट हमले की जांच कर रही है। यह हवाई हमला बाइडेन प्रशासन की पहली सैन्य कार्रवाई है।

बाइडेन प्रशासन ने अपने शुरूआती दिनों में यह इरादा जाहिर किया था कि वे चीन की ओर से पेश की चुनौती पर ज्यादा फोकस करेंगे। अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि इस हवाई हमले को सीधे राष्ट्रपति जो बाइडेन के आदेश पर अंजाम दिया गया है। इस हमले की घोषणा करते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा कि इस संतुलित सैन्य कार्रवाई को राजनयिक कदमों के साथ अपने साथियों के साथ विचार विमर्श के बाद अंजाम दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के जरिए राष्ट्रपति बाइडेन ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि हम अमेरिकी और गठबंधन सेना के लोगों की रक्षा करेंगे। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने कई बार जवाबी सैन्य कार्रवाई की है। इराक में अमेरिकी दूतावास पर रॉकेट हमले ऐसे समय पर किए गए थे जब वॉशिंगटन और तेहरान दोनों वर्ष 2015 में किए गए परमाणु समझौते को फिर से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता तलाश रहे हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में नाम नहीं लिए बिना पाकिस्तान को लताड़ा

जेनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में कहा कि कोई देश किसी अन्य देश के राज्येत्तर तत्व की ओर से आसन्न सशस्त्र हमले को विफल करने के लिए पहले ही हमला करने के लिए बाध्य हो सकता है। भारत ने साथ ही पुलवामा सहित कई आतंकवादी हमलों का जिक्र किया, जो पड़ोसी देश की जमीन से उस पर किए गए हैं। भारत का इशारा पाकिस्तान की ओर था। संयुक्त राष्ट्र के लिए भारत के उप स्थाई प्रतिनिधि राजनयिक के. नागराज नायडू ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्येत्तर तत्व जैसे कि आतंकवादी संगठन मेजबान देश के दूर दराज के इलाकों से अन्य देशों पर अक्सर हमला करते हैं। नायडू ने कहा कि इस पर बड़ी संख्या में देशों का मानना है कि अन्य देश से गतिविधि को अंजाम दे रहे किसी राज्येत्तर तत्व के खिलाफ बल का इस्तेमाल किया जा सकता है अगर 'राज्येत्तर तत्व ने देश के खिलाफ लगातार हमले किए हैं, यदि उसे समर्थन दे रहा देश राज्येत्तर तत्व के खतरों से निपटने की इच्छा नहीं रखता हो, या देश उसका साथ दे रहा हो या उसे प्रायोजित कर रहा हो।'

उन्होंने कहा, दूसरे शब्दों में कोई देश किसी अन्य देश से राज्येत्तर तत्व की ओर से आसन्न सशस्त्र हमले को विफल करने के लिए पहले ही हमला' करने के लिए बाध्य हो सकता है। 'आरिया फॉमूर्ला बैठकें 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर के समग्र सुरक्षा तंत्र को बरकरार रखने ह्यअंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बल के इस्तेमाल, राज्येत्तर तत्वों, और वैध आत्मरक्षा' पर सुरक्षा परिषद की औपचारिक बैठकें है।

अब जल्द ही गोविन्दगढ़ में भी रुकेगी प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस: सांसद बालक नाथ

सांसद बोले लगातार प्रयास जारी है जल्द ही हम होंगे कामयाब

» मदरलैंड देशबंधु जोशी

अलवर । गोविन्दगढ़ कस्बे में अलवर सांसद महंत बालकनाथ योगी के आगमन पर रविवार को स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओ ने सांसद से मिलकर उनका भव्य स्वागत किया तथा फिर से ट्रैन संख्या 12403/04 प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस ट्रैन का गोविन्दगढ़ स्टेशन पर ठहराव करवाने हेतु व गोविन्दगढ़ स्टेशन पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु ज्ञापन सौंपा तथा जोरदार तरीके से अपनी समस्याओं से सांसद को अवगत करवाया।

गौरतलब है कि गोविन्दगढ़ में प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस ट्रैन की मांग पिछले 7 वर्षों से लगातार की जा रही है परन्तु इस ओर रेलवे अधिकारियों और स्थानीय नेताओ का कोई ध्यान नही है। कस्बेवासी और यात्री बडी परेशानी में है पर अब तक इस मामले पर कोई भी निर्णय नही लिया गया।कस्बेवासियों ने बताया फरवरी 2020 में इस ट्रेन का 10 दिन के लिए अस्थायी रूप से गोविन्दगढ़ स्टेशन पर ठहराव दिया गया था तब बहुत अच्छा यात्रीभार रेलवे को प्राप्त हुआ था और यदि इसे कम से कम 6 महीने के लिये प्रायोगिक रूप से रोका जाता तो एक जंक्शन की भांति अच्छी आमद एवं यात्रीभार मिल सकता था। इसको देखते हुए गोविन्दगढ़ की क्षेत्रीय जनता,रेलवे विकास समिति तथा भाजपा कार्यकताओं ने सांसद से व्यक्तिगत मुलाकात कर गोविन्दगढ़ स्टेशन पर प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव शीघ्र-अतिशीघ्र करवाने तथा गोविन्दगढ़ स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं की बढ़ोतरी करवाने तथा अलवर-मथुरा रेलमार्ग पर गोविन्दगढ़ तथा रामगढ़ ठहराव के साथ लम्बी दूरी की एक-दो नई ट्रेन चलवाने हेतु ज्ञापन सौंपा। सांसद ने प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस के ठहराव का मुद्दा शीघ्र ही रेलवे बोर्ड में जोर-शोर से उठा स्वीकृति दिलवाने का आश्वासन दिया एवं स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं को जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने की भी बात कही।

इस दौरान अलवर सांसद सहित भाजपा नेता सुखवंत सिंह,महाराज बालकदास,गोपाला सोनी,जतिन पंडित, महेंद्र, देवराज, ओमदीप, शुभम समेत हजारो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बजट से मिली सौगात श्रम मंत्री जूली का ग्रामीणों ने जताया आभार

» मदरलैंड संवाददाता

अलवर। अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों ने बजट में अलवर जिले सहित ग्रामीण क्षेत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा विकास कार्यों की गई विभिन्न घोषणाओं के लिए श्रम राज्यमंत्री टीकाराम जूली एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बाजार का आभार जताया है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने मुख्य बाजार में ढोल नगाड़ों के साथ लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की। सरपंच संघ के अध्यक्ष हिम्मत चौधरी ने बताया कि पिछले बजट में भी अलवर ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के वासियों के उत्थान के लिए श्रम मंत्री टीकाराम जूली के अथक प्रयासों से बड़ी घोषणाएं कर ग्रामीण क्षेत्र के विकास को पंख लगाए गए। वहीं बुधवार को जारी हुए बजट में आमजन की मूलभूत पानी-सड़क जैसी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है वही मालाखेड़ा में नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना,5 करोड़ की लागत से मिसिंग लिंक सड़क के कार्य, उमरैण अलवर बांध का जीर्णोद्धार, नटनी का बारा से मालाखेड़ा राजमार्ग निर्माण,मालाखेड़ा पुलिस थाना निरीक्षक थाने में क्रमोन्नत सहित ग्राम वासियों को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए अलवर ग्रामीण में 40 हैडपंप एवं 10 ट्यूबवेल तथा अलवर के उमरैण,रैणी,बानसूर,थानागाजी,राजगढ़,लक्ष्मणगढ़ एवं कठूमर कस्बे के 1हजार61 गांव में पेयजल योजना की डीपीआर बनाई जाएगी। इस अवसर पर सरपंच पेमाराम, किशोरी, विजय चौधरी, मोहन सिंह, पेमाराम माधवगढ़, लालाराम सैनी,उपसरपंच शिवचरण, पंच अनिल दुबे, सावित्री नरेंद्र मीणा सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पेयजल आपूर्ति के लिए क्षेत्र के 17 गांवो की 18.52 करोड़ की 13 पेयजल योजनाओ को मंजूरी मिली: मंत्री टीकाराम जूली

मदरलैंड, शिवा जोशी, अलवर। श्रम , कारखाना और बॉयलर निरीक्षण विभाग , सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना विभाग राज्य मंत्री टीकाराम जूली की अनुशंषा पर ऊर्जा और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री बी.डी. कल्ला ने ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति के लिए अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के 17 गांवो की 18.52 करोड़ की 13 पेयजल योजनाओ को मंजूरी दे दी है। श्रम मंत्री के निजी सचिव राजेश शर्मा ने बताया कि अलवर ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम धूलपुरी की 110.80 लाख , शाहपुर की 163.73 लाख, बाला डेहरा रुँध मदार की 159.17 लाख, नंगली झमावत की 84.94 लाख , भाखेड़ा की 194.61 लाख , ग्राम ढेलावास की 153.54 लाख , ग्राम रोगड़ा की 23.48, ग्राम इंदौक की 140.36 लाख , अहीरबास पूनखर की 242.08 लाख , ग्राम बास अचलपुरी खेडली पिचनौत की 255 लाख, ग्राम जाजोर 119.60 लाख , ग्राम महुआ कला की 46.12 लाख , ग्राम पालखडी नंगली रटावत की 159.11 लाख की योजना मंजूर की है। पेयजल की इन योजनाओं के जरिए पेयजल लाइनों के माध्यम से घर-घर करीब 4 हजार 800 पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे। पेयजल समस्या ग्रसित इन गांवों में पेयजल योजना स्वीकृत होने पर ग्रामीणों ने श्रम मंत्री जूली का आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायत के सरपंच के मृत्यु के बाद निर्वाचित उपसरपंच नारंगी देवी मीना को भुढा सरपंच के वित्तीय पावर सहित सारे पावर

मदरलैंड महेश चंद्र मीणा, रैणी । ग्राम पंचायत-भूढा उपसरपंच श्रीमति नारंगी देवी मीना को दिया सरपंच का पावर भूढा सरपंच रामभरोसी मीना की मृत्यु 08-01-2021 हो जाने के कारण हो गया था रिक्त पद सरपंची का राजस्थान के अलवर जिले की पंचायत समिति-रैणी की, ग्राम-पंचायत भूढा के वर्तमान सरपंच रामभरोसी मीना की गत 08 जनवरी 2021 को मृत्यु हो गई थी । इसलिए सरपंच पद रिक्त (खाली) हो गया था भुढा सरपंच आरक्षित वर्ग अनुसूचित जन जाति से निर्वाचित था इसलिए अलवर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अनु जन जाति वर्ग से निर्वाचित उपसरपंच नारंगी देवी मीना को भुढा सरपंच के वित्तीय पावर सहित सारे पावर आगामी चुनाव तक या अग्रीम आदेशो तक 24-02-2021 दे दिए गए है जिससे ग्राम पंचायत-भुढा के कार्य कलाप सुचारू रूप से हो सके।

सूरजमुखी झरने पर होगा श्रमदान व विचार गोष्ठी का आयोजन

मदरलैंड महावीर प्रसाद, तिजारा ।आदर्श अभिनय समाज , तिजारा द्वारा 28 फरवरी रविवार को सूरजमुखी झरने पर श्रमदान व विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा !विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता समाजसेवी रामवीर शाहाबादी होंगे । इस अवसर पर समिति के सदस्यों व सहयोगियों द्वारा साफ सफाई कर श्रमदान किया जाएगा तथा ऐतिहासिक व धार्मिक तीर्थ स्थलों के संरक्षण विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा । ऐतिहासिक तिजारा नगरी जिसका सूरजमुखी झरना ऐतिहासिक व धार्मिक तीर्थ स्थल है। दो पहाड़ियों के मध्य स्थित यह स्थल आस्था का केंद्र रहा है । यहां पर मंदिर व साधु आश्रम है ।यहां पर बहते झरने व घने पेड़ों से यहां का दृश्य बहुत ही मनोहर लगता था लेकिन विगत कई वर्षों से जल स्त्रोत नीचे चले जाने के कारण व रखरखाव के अभाव में यह स्थल बदहाल होता जा रहा है। सूरजमुखी तीर्थ स्थल के सौंदर्यकरण को बढ़ावा देने के लिए आदर्श अभिनय समाज ,तिजारा द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। जिससे यह तीर्थ स्थल अपनी पुनः पहचान बनाने में कामयाब हो सके ।

कोरोना गाईड लाईन की पालना करें नहीं तो करनी पड़ेगी नियमानुसार कार्यवाही: एसडीएम

» मदरलैंड, मयंक जोशी

बहरोड़। एसडीएम संतोष कुमार मीणा ने शुक्रवार को उपखण्ड कार्यालय में ब्लॉक अधिकारियों की बैठक बुलाकार दुबारा से प्रसारित हो रहे कोरोना की रोकथाम को लेकर विचार-विमर्स किया। बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि महाराष्ट्र और केरल से आने वाले लोगों को बिना जॉच के एंट्री नहीं दी जाये और विवाह शादी व पार्टियों में 200 लोग से ज्यादा नहीं रहे। साथ ही इनके लिए विभाग से परमीशन लेवें। इसके अलावा राज्य सरकार के आदेशानुसार मास्क की अनिवार्यता के लिए दुबारा से सघन अभियान चलाया जायेगा। जिसके लिए पुलिस और नगरपालिका को निर्देशित कर दिया गया है कि किसी भी कार्यालय और अन्य जगहों पर मास्क नहीं लगाने वाले लोगों का चालान करें। वहीं धरना प्रदर्शन करने वालों को शख्त हिदायत दी है कि वो कोरोना और धारा 144 को देखते हुए राज्य सरकार की गाईडलाईन की पालना में भीड़ को एकत्रित नहीं करें। नहीं तो पुलिस और प्रशासन को नियमानुसार कार्यवाही करने को बाध्य होना पड़ेगा।

पुलिस थाने में हैड कांस्टेबल टोकन ओझा व कांस्टेबल देवीप्रसाद का विदाई समारोह मनाया

» मदरलैंड, मयंक जोशी

बहरोड़ पुलिस थाने से हैड कांस्टेबल टोकन ओझा व कांस्टेबल देवीप्रसाद का तबादला होने पर उनके सम्मान में शुक्रवार को थाना परिसर में गाजे बाजे के साथ विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस थाना स्टॉफ ने उन्हें फूल-माला व शाफा पहनाकर सम्मान दिया। स्टॉफ ने उनके कार्यो को याद करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। थानाधिकारी विनोद सांखला ने कहा कि इन्होंने ईमानदारी व मेहनत से अपने कर्तव्य का भली भांति निर्वहन किया है। मैं आशा करता हूँ कि ये दोनों इसी प्रकार ईमानदारी से अपने ड्यूटी करते रहें। निश्चित तौर पर ये बड़ा मुकाम हासिल करेंगे। इनके कार्य व व्यवहार से पूरा स्टाफ खुश है। इस अवसर पर एसआई मुकेश, एएसआई सतीश, हैड कांस्टेबल राजेन्द्र यादव एवं समस्त थाना स्टॉफ के जवान मौजूद रहे।

योग से मिलता है आरोग्य श्री गोविन्द देव परोपकारी ट्रस्ट

» मदरलैंड संवाददाता

रैणी उपखण्ड अन्तर्गत आचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण। संस्थान, रैणी (अलवर) में श्री गोविन्द देव परोपकारी ट्रस्ट के तत्वावधान में योग शिविर आयोजित किया गया। योग आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से आरोग्य प्राप्ति हेतु प्रशिक्षणार्थियों एवं अनुदेशकों को प्रेरित करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर बल दिया। योग प्रचारक एवं योग अनुदेशक केदार नाथ शर्मा ने योग कक्षा में उपस्थित सभी को योगाभ्यास कराया।

उन्होंने कहा कि योग से मानव जीवन आरोग्य प्राप्त करने में सक्षम है केवल इसे अपनाने की जरूरत है नियमित योग करना एवं कराना जिस दिन स्वभाव बन जायेगा उस दिन से योग द्वारा सभी प्रकार के आरोग्य तन व मन में घटित होने लगेगा। वरिष्ठ अनुदेशक तेज राम मीना ने आभार व्यक्त करते हुए सभी को योगाभ्यास करने की सलाह दी। इस मौके पर सुरेन्द्र शर्मा, लज्जा राम मीना, सुरेश चन्द रैगर भूपेंद्र शर्मा, रेखा सैनी आदि मौजूद रहे

मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी रैणी को ज्ञापन दिया

» मदरलैंड, महेश मीणा

रैणी । अलवर सरस डेयरी चेयरमैन बन्नाराम के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री-राजस्थान सरकार के नाम उपखण्ड अधिकारी रैणी को ज्ञापन दिया।

अलवर जिले की पंचायत समिति-रैणी क्षेत्र के सैकड़ो ग्रामीण लोगो ने आज रैणी उपखण्ड अधिकारी को मुख्य मंत्री राजस्थान सरकार के नाम अलवर सरस डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीना के नेतृत्व मे ग्यापन दिया है। क्योंकि आमजन को बजट 2021-22 मे रैणी क्षेत्र मे कोलेज खुलने की आस थी लेकिन रैणी क्षेत्र मे कोलेज नही खुलने से आमजन मे आक्रोश है और इस आक्रोश को ध्यान मे रखते हुए मुख्यमंत्री को जल्द से जल्द कोलेज खुलवाने के लिए लिखित मे निवेदन किया है

इस अवसर पर अलवर सरस डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीना के साथ सैकडो की संख्या मे क्षेत्र के ग्रामीण लोग मौजूद थे , मक्खन लाल मीना ईटोली , अशोक मीना रामपुरा , सुखदेव जामडोली , सिताराम चून्दाला , शैलेन्द्र सिर्रा , सुरेन्द्र धौराला , समय गुर्जर , सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राजस्थान सरकार बजट 2020-21अलवर जिले के लिए निराशाजनक: बी पी मीणा

राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा पर जताया खेद

» मदरलैंड संवाददाता

राजगढ़ । राजस्थान सरकार द्वारा इस साल के बजट में राजगढ तहसील (ज़िला-अलवर)तथा विशेष कर राजगढ़ कस्बे की बड़ी उपेक्षा हुई है ।

सेवानिवृत्त इनकम टैक्स कमिश्नर बीपी मीणा ने खेद जाहिर करते हुए बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा पारित बजट सन 2021-22 मैं जनता के सभी वर्गों के हितों का बहुत अधिक ध्यान रखा है । जिसको व्यापारियों व उद्योगपतियों तथा आम लोगों ने भी सराहा व पसंद किया है ।परन्तु राजगढ़ तहसील (ज़िला -अलवर)की पूर्ण रूप से उपेक्षा हुई है । यह यहाँ के लोगों का दुर्भाग्य ही है , क्योंकि कि राजगढ तहसील क्षेत्र से दो -दो विधायकों को चुनने के बाउजूद भी बजट में इस इलाके की पूर्ण रूप से उपेक्षा हुई है । यहाँ कि तीन मुख्य माँगों पर कोई ध्यान आकर्षित नहीं किया गया है हमारे दोनों विधायकों महोदयों ,आदरणीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी ,राजस्थान सरकार ,के सामने अपने पक्ष को मजबूती से रखने में सफल नहीं रहे ।यहाँ की तीन मुख्य माँगें आम जनता के हितों से संमबंधित है।

1) पहली यहाँ की माँग है कि राजगढ़ कस्बे में 100 बैंड के अस्पताल व ब्लड बैंक होने की जरूरत है ।

2) राजगढ (अलवर)कस्बा का आजादी से पहले से अलवर ज़िले में बहुत महत्वपूर्ण जगह रहा है ।राजगढ कस्बे में सन 1947 से पहले से नगरपालिका पालिका अस्तित्व में है ।परन्तु आजादी के 70 साल बाद भी अभी तक नगरपरिषद का गठन नहीं हुआ है। यह यहाँ के लोगों का दुर्भाग्य ही कहेंगे ।

3) राजगढ कस्बे में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय , में आज लगभग 4000 छात्रों की संख्या है ।

राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना नहीं हुई

अधिकांश छात्र आसपास के आदिवासी व ग्रामीण इलाकों से हैं,जो मुख्यतः कृषि पर आधारित लोगों के बच्चे -बच्चियाँ हैं ।परन्तु यहाँ पर अभी तक राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना नहीं हुई है । यहाँ के गरीबों व आदिवासियों के बच्चे व बच्चियाँ ,प्राइवेट कालेजों की फीस व अन्य खर्चों को सहन करने की क्षमता नहीं रखते है ।यहाँ पर महिला महाविद्यालय की धोषणा तुरंत होनी चाहिए ।इसके लिए बी पी. मीना , पूर्व प्रधान कमिश्नर व समस्त इलाके के कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने राज्य सरकार से प्रबल मांग की है।

डॉग वैक्सीनेशन एवं स्वास्थ्य रक्षण शिविर आयोजित हुआ

» मदरलैंड संवाददाता

बहरोड़ अलवर की फ्रेंड्स कॉलोनी में पिछले कुछ दिनों में कुत्तों की मौत हो जाने के कारण, पशुप्रेमी अदिति शर्मा एवं गोरवी गोयल की पहल पर जिला पशु क्रूरता निवारण समिति अलवर एवं शुभेच्छा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय डॉग स्वास्थ्य रक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शुभेच्छा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ विजय मण्डोवरा एवं जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के डॉ प्रदीप सिंह ने बताया की शिविर में 30 डॉग्स को क्रमी नाशक दवा दी गई एवं 20 डॉग्स को डिस्टेयम्पर, हेपटाइटिस, पारवो वायरस, पैरा इंफ्लूएजा एवं एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। सभी कॉलोनी वासियों ने उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दोरान अदिति शर्मा, गोरवी गोयल, खुशी आदि उपस्थित रहे।

श्री रामचरण महाराज की 301वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

» मदरलैंड, शिवा जोशी

राजगढ। अखिल विजयवर्गीय वैश्य समाज के आराध्य गुरु श्री रामचरण जी महाराज की 301 वी जयन्ती मनाई राजगढ मे बड़ी धूमधाम से

अलवर जिले की तहसील राजगढ मुख्यालय पर स्थित अखिल विजयवर्गीय समाज की धर्मशाला मे विजयवर्गीय समाज के द्वारा बड़ी ही धूमधाम से मनाई गई । इस अवसर पर विजय वर्गीय समाज के गुरू महाराज रामचरण की जयन्ती के अवसर पर समाज के लोगो के द्वारा नाच गान करते हुए प्रसन्नचित मुद्रा मे नजर आए।

इस मौके पर समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर, सचिन, पवनविजय कैशियर, समाज बन्धू गोपाल विजय, खैराती लाल, विनोद विजय, सत्य प्रकाश सहित सैकड़ो गणमान्य मौजूद रहे ।

रेलवे के जीएम को दिया ज्ञापन, इलाहाबाद एक्सप्रेस के ठहराव सहित माँगो को लेकर दिया ज्ञापन

» मदरलैंड संवाददाता

रामगढ़ रेलवे स्टेशन पर रामगढ़ विधायक सफिया जुबेर के निदेर्शानुसार रेलवे आगरा मंडल के जीएम को रामगढ़ स्टेसन पर इलाहाबाद एक्सप्रेस के ठहराव, जडोली में रेलवे फाटक, रामगढ़ गोविंदगढ़ में रेलवे की जमीन पर रेलिंग व वृक्षारोपण करवाने, गजीका स्टेशन पर रास्ते की।

व्यवस्था करवाने का ज्ञापन सौंपा गया इस मौके पर धीरज शर्मा गजेंद्र शर्मा सीएम चौधरी वीर सिंह चौधरी राकेश चौधरी सरपंच खेड़ी सहित अनेक सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

अपराधों पर अंकुश को पुलिस-जनता के बीच संवाद जरूरीः डीजीपी

» राजकुमार

मंगलौर। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि अपराधों पर अंकुश को जनता और पुलिस के बीच संवाद जरूरी है। पुलिस और जन संवाद से आम जन की समस्याओं का भी पूर्णतया निदान संभव है। शुक्रवार को मंगलौर कोतवाली में पहुंचे डीजीपी अशोक कुमार ने जनता से सीधे संवाद किया, पूरी गंभीरता से समस्याओं को सुना। इस बीच आम जन और जनप्रतिनिधियों की ओर से रखी गई समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को जनता के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए इन पर अमल करने की बात कही। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा है कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास बहाली बहुत जरूरी है। दोनों का एक-दूसरे पर विश्वास होगा तो दूरियां भी कम होगीं और जनता के बीच की हर छोटी-बड़ी समस्या पुलिस के संज्ञान में भी आ सकेगी। जिस पर काम करते हुए पुलिस इस दिशा में कार्रवाई कर सकेगी। डीजीपी ने कहा कि आपसी तालमेल से जहां गलतफहमियां दूर होती है वही अपराधों पर अंकुश लगता है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार जनपद में अपराधों पर काफी हद तक अंकुश लगा है। भविष्य में

दूसरे राज्यों के लोग राज्य में आकर अपराधिक गतिविधियों को अंजाम न दे सके इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी ने कहा कि राज्य और जनपद हरिद्वार में लगातार खुलासो से बदमाशों के हौंसले पस्त हुए हैं। कहा कि बदमाश पकड़े भी जाते हैं, उन्हें जेल भी भेजा जाता है लेकिन न्यायालय से उन्हें जमानत मिलती है यह न्यायालय का अपना अधिकार है तथा जो आरोपित पकड़ा गया है उसका भी अधिकार है कि वह न्यायालय से जमानत प्राप्त करे। यह बात उन्होंने उस मामले को लेकर कहीं जिसमें गुड मंडी के एक व्यापारी ने कहा कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई थी मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया था लेकिन वह जमानत पर छूट आया है। कार्यक्रम में सबसे अधिक मामले नशे को लेकर थे। लोगों का कहना था कि अवैध प्रकार से युवा नशे की आदत में पड़ते जा रहे हैं जिससे उनका भविष्य चैपट हो रहा है। इस पर डीजीपी ने कहा कि पुलिस ने नशा विरोधी अलग से एक विभाग गठित किया है साथ ही इसके लिए थाना स्तर पर भी अलग से सेल गठित किए जाने का विचार है। कहा कि इसके लिए लोगों को भी सतर्क होना पड़ेगा। साथ ही यदि कोई व्यक्ति या पुलिसकर्मी अवैध नशे का कारोबार करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें ताकि उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। डीजीपी अशोक कुमार ने क्षेत्र में सभी लोगों से शांति व्यवस्था कायम रखने, आगामी त्यौहार व कुंभ के अवसर पर सतर्क रहने सौहार्द पूर्ण वातावरण कायम रखने की भी अपील की। कार्यक्रम में पहुंचने पर डीआईजी नीरू गर्ग ने उनकी अगवानी की तथा उन्हें गारद द्वारा सलामी पेश की। इस अवसर पर एसएसपी हरिद्वार सेंथिल अबूदई कृष्णराज एस, एसपी क्राइम प्रदीप कुमार राय, एसपी देहात परमिंदर सिंह डोभाल, सीओ मंगलौर पंकज गैरोला, सीओ रुड़की बहादुर सिंह चैहान, जिले के सभी थानाध्यक्ष, प्रभारी निरीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। जनसंवाद कार्यक्रम में बहादराबाद व कलियर क्षेत्र के कुछ लोगों ने डीजीपी अशोक कुमार को बताया कि बहादराबाद में नेशनल हाईवे पर टोल प्लाजा शुरू हो गया है। कुंभ निधि से कांवड़ पटरी मार्ग भी सड़क के रूप में विकसित हो चुका है जो लोग नहर पटरी मार्ग से जाते हैं उन्हे कुछ लोग दबंगई दिखाते हुए वाहनों को रोककर उन्हें भ्रमित कर रहे हैं। आगे सड़क खराब होने और हाईवे से जाने की बात कहकर मारपीट पर भी उतारू हो रहे हैं। अवैध वसूली भी की जा रही है। डीजीपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस को निर्देश दिए कि कांवड़ पटरी मार्ग पर किसी भी प्रकार का कोई टोल टैक्स नहीं है यदि कोई व्यक्ति कांवड़ पटरी मार्ग पर बैरियर लगाता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जाये। इस अवसर पर विधायक देशराज कर्णवाल, विधायक प्रदीप बत्रा, निदेशक सुशील राठी मौजुद रहे।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय परिवहन मंत्री ने दी हरिद्वार, सहारनपुर, मु. नगर को सौगात

मदरलैंड संवाददाता, हरिद्वार। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 5400 करोड़ की लागत से 250 किलोमीटर लंबे सात राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 1750 करोड़ रुपए की लागत और 78 किलोमीटर की लंबाई का पोर लेन मुजफ्फरनगर-हरिद्वार (एनएच-58) हाइवे शामिल है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दोपहर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन राजमार्गों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। वीआइपी घाट पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जिलाधिकारी सी रविशंकर के अलावा ज्वालापुर विधायक सुरेश राठौर समेत, भाजपा जिलाध्यक्ष डा. जयपाल सिंह चैहान, जिला महामंत्री आदेश सैनी, प्रदेश मंत्री एससी मोर्चा चतरसेन, जिला मंत्री आशीष कुमार व भाजपा के कई पदाधिकारी पहुंचे थे। मुजफ्फरनगर-हरिद्वार का चार लेन निर्माण, जिसकी लंबाई 78 किलोमीटर और लागत 1750 करोड़ रुपए है। रुड़की-छुटमलपुर-गागलहेड़ी (एनएच 73) और छुटमलपुर-गणेशपुर एनएच 72ए का 4 लेन निर्माण, जिसकी लंबाई 37 किलोमीटर और लागत 1000 करोड़ रुपए है। मुजफ्फरनगर-हरिद्वार एलिवेटेड संरचना मायापुर एस्केप चैनल पर सेतु (एनएच 58) पर जिसकी लंबाई एक किलोमीटर और लागत 50 करोड़ रुपये है।

जीएसटी में परिवर्तन को लेकर व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

मदरलैंड संवाददाता, रूड़की। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जीएसटी में संरचनात्मक परिवर्तन का नया संस्करण लाने की मांग को लेकर शुक्रवार को ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नमामि बंसल को सौंपा ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि 2017 जुलाई में लागू हुआ जीएसटी प्रणाली आज के समय में छोटे व्यापारियों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। कर अनुपालन इतना पेचीदा हो गया है कि व्यापारी जीएसटी के अनुपालन में अपना आत्मविश्वास खो बैठा है और एक अनजाने डर के चलते कुछ न कुछ गलती कर बैठता है। जिलाध्यक्ष सौरव भूषण शर्मा ने कहा की सरकार व्यापारियों की सभी मांगे व्यापारिक हित में मांन लेनी चाहिए। बताया कि 42 माह में वर्तमान में जीएसटी में लगभग एक हजार बदलाव किए गए लेकिन कर चोरी व फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट की घटनाएं अब भी चरम पर है। कहा कि 42 माह के अनुभव के आधार पर जीएसटी के सभी कानूनों का पुनर्मूल्यांकन का संरचनात्मक परिवर्तन कर जीएसटी का नया संस्करण लिखा जाए। जीएसटी का नया संस्करण इस प्रकार लिखा जाए जोकि कर चोरी रोकने के लिये सक्षम और सरकार को ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि जीएसटी के नए संस्करण में उद्योग संगठनों के साथ-साथ खुदरा व्यापारियों के संगठन की भी भागीदारी होनी चाहिए। प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रमोद गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं जो राज्य में संचालित की जा रही है उनसे स्थानीय व्यापारी व जनता को विस्थापित होना पड़ा है। जिससे उनके खान पान की समस्याएं बढ़ गई है। सरकार को उन सभी का ध्यान रखते हुए सभी की सहायता की जानी चाहिएं। प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप मेहंदीरत्ता ने कहा कि लॉकडाउन के कारण व्यापारियों ने सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। आज व्यापारी का व्यापार मंदी के कारण समाप्त हो रहा है। उन्हें किराया तक देना बहुत कठिन हो गया है। सरकार से इस विषय में भी सहायता दिए जाने की मांग हैं। जिससे व्यापारियों की परेशानी कम हो सके। अतिरिक्त शुल्क बहुत अधिक है जिसमें सरकार द्वारा व्यापारियों को कुछ छूट दी जानी चाहिए। कहा कि यदि सरकार हमारे आग्रह को स्वीकार नहीं करेगी तो हम आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। अरविंद मंगल प्रदेश प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश भर में सरकार को ज्ञापन प्रेषित किए जाएगें। यदि सरकार समय रहते व्यापारियों के हितों में कार्य नहीं करती है तो व्यापारी सरकार का पुरजोर विरोध करेंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रमोद जौहर, जिला महामंत्री विश्वतोष सिंह, जिला कोषाध्यक्ष विभोर अग्रवाल आदि शामिल रहे।

यूट्यूब पर अपलोड़ कर दी अश्लील वीड़ियो

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। अधिवक्ता की फोटो एडिट कर सीबीआई के नाम पर धमकी दी गई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आशंका है कि साइबर ठग ने नया पैंतरा अपनाकर ठगी का प्रयास किया है। सिविल लाइंस कोतवाली में अधिवक्ता ने तहरीर देकर बताया कि करीब 3 दिन पूर्व फेसबुक मैसेंजर पर फोन आया। फिर वीडियो कॉल की गई। कुछ समय बाद फोन पर एक वीडियो भेजी गई। जिसे एडिट कर बनाया गया था। कुछ फोटो भी भेजे जो आपत्तिजनक थे। इसके बाद एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन पर बताया गया कि वह सीबीआई कार्यालय से बोल रहा है। यूट्यूब पर उनकी एक अश्लील वीडियो अपलोड की जा रही है। यदि अपलोडिंग को रुकना हैं तो एक नंबर पर फोन करना होगा। धमकी दी कि यदि वीडियो अपलोड हो गई तो उनके खिलाफ आईटी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज हो जाएगा। जिसके बाद अधिवक्ता ने मामले की जानकारी अपने सहयोगी को भी दी। शुक्रवार को वह एक अन्य सहयोगी का लेकर सिविल लाइंस कोतवाली पहुंच गए। पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देकर तहरीर दी। आशंका जताई जा रही है कि पैसे ऐंठने की नियत से साइबर ठग ने अधिवक्ता को जाल में फंसाने का प्रयास किया। उप निरीक्षक बारू सिंह चैहान ने बताया कि तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जिस सोशल मीडिया के माध्यम से फोटो और वीडियो भेजी गई, उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। जिस नम्बर पर संपर्क करने के लिए कहा था उसकी की डिटेल निकाली जा रही है।

रविदास जयंती पर रात भर होते रहे भजन-कीर्तन, हवन, भंडारे आज

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। संत शिरोमणी गुरू रविदास जयंती को लेकर एससी समाज में जश्न और उत्साह का माहौल है। गांव-गांव मंदिरो में जयंती के उपलक्ष में भजन कीर्तन चलते रहे। रात भर मंदिर संत रविदास के जयकारों से गूंजते रहे। शनिवार को (आज) मंदिरो में हवन, पूजन के बाद भण्डारों व शोभायात्राओ का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर मंदिर समितियो के साथ ही आम ग्रामीण भी संत रविदास जयंती कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने में लगे हैं। सुनेहरा के पूर्व प्रधान एवं कांग्रेस एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री अरविंद नागयान, मंदिर समिति अध्यक्ष सोमपाल सिंह के मुताबिक उनके यहां प्रति वर्ष बड़े स्तर पर संत रविदास जयंती मनाई जाती है। इस बार भी जयंती को लेकर पूरे गांव में जश्न और उत्साह का माहौल बना है। अरविंद प्रधान के मुताबिक रविदास जयंती को लेकर मंदिर को पूरी तरह से सजा दिया गया है। जयंती पर शनिवार सुबह से ही मंदिर में पूजा अर्चना शुरू हो जाएगी। इसके बाद भण्डारा और फिर शोभायात्रा का आयोजन होगा। इसके लिए तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जयंती के जरिए उनका व समाज का मकसद प्रेम व आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का रहेगा। संत रविदास ने सभी को एक सूत्र में बांधने और दुनिया को मानवता का संदेश दिया है। उन्ही के बताए रास्ते पर चलकर आज समाज और पूरी मानव जाति का कल्याण सम्भव है। ढंडेरा निवासी समाजसेवी पप्पू ठेकेदार ने बताया कि उनके यहां हर वर्ष की तरह इस बार भी संत शिरोमणी गुरू रविदास जयंती पूरे उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इसे लेकर गांव में तैयारियां

जारी हैं। भण्डारे के बाद जयंती पर शोभायात्रा का भी आयोजन होना है। डा. बीआर अम्बेड़कर जन कल्याण समिति प्रीत विहार के अध्यक्ष बाबू राम टपरानिया, महासचिव चंद्र प्रकाश, पूर्व बसपा जिलाध्यक्ष मास्टर योगराज सिंह, रिटायर्ड बीएसएनएल एसडीओ प्रेम सिंह के मुताबिक उनके यहां संत रविदास जयंती को लेकर पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। अम्बेड़कर भवन को संत रविदास जयंती के लिए सजा दिया गया है। सुबह से पूरी आस्था और उल्लास के बीच कोरोना नियमों के साथ संत रविदास जयंती मनाई जाएगी। पूर्व प्रधान सतेंद्र प्रकाश, बसपा नेता चंद्रपाल सिंह, मोहनपुरा निवासी एवं समाजसेवी धीर सिंह, अनुज कुमार कहते हैं कि संत रविदास ने पूरी दुनिया को मानवता, प्रेम, भाईचारे व अध्यात्म का पाठ पढ़ाया है। संत रविदास जयंती को लेकर मोहनपुरा और मोहम्मदपुर दोनों ही मंदिरो को सजा दिया गया है। जयंती के उपलक्ष में रात भर मंदिर में भजन-कीर्तन चलता रहा। जश्न के बीच रविदास जयंती का त्यौहार मनाया जा रहा है। इस दौरान भण्डारा व शोभायात्रा का भी आयोजन रहेगा। गांव में समाज के आम लोगों में भी जयंती को लेकर जोश और उत्साह साफ तौर पर देखा जा सकता है। झबरेड़ा में रविदास मंदिर प्रांगण में हवन यज्ञ कर संत शिरोमणि रविदास जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा कस्बे के मोहल्ला हरिजनान, नई मंडी स्थित मंदिर से गाजे बाजे के साथ शुरू हुई। यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर मोहल्ला हरिजनान, छावनी, चैधरीयान से होते हुए पुराना बाजार, मुख्य बाजार, बस अड्डे, शिव चैक से मंदिर में ही संपन्न हुई। शोभायात्रा में संत रविदास की झांकी के अलावा शिव-पार्वती, मां भगवती व भारत माता की मनमोहन झांकियां थी। झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल ने कहा कि संत रविदास ने पूरी मानव जाति को अध्यात्म और भाईचारे का पाठ पढ़ाया। आज भी संत रविदास के विचार प्रासंगिक हैं। बसपा विधानसभा प्रभारी झबरेड़ा आदित्य ब्रजवाल ने कहा कि समाज को संत रविदास के आदर्शो पर चलने की जरूरत है। संत रविदास और बाबा साहेब के आदर्शो पर चलकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। इस अवसर पर मदन सिंह, जोगीराम, सौराज, पवन, धीर सिंह, वेदपाल, राजकुमार, राजू, राहुल, आकाश, ऋषिपाल, मोल्हड़ सिंह आदि उपस्थित रहे। माता मनकामेश्वरी दुर्गा देवी मंदिर में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने माता भगवती दुर्गा के दर्शन कर देश व राष्ट्र की शान्ति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

कैंट बोर्ड में विज्ञान, एनकेइसी कैडेट्स ने बताया स्वच्छता का महत्व

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में शुक्रवार को कैंट बोर्ड स्कूल रुड़की के एनसीसी कैडेट्स द्वारा 84 यूके बीएन एनसीसी रुड़की के कमान अधिकारी कर्नल राजेंद्र सिंह के दिशा निदेर्शानुसार एनसीसी एएनओ आशीष कुमार के नेतृत्व में छावनी क्षेत्र में रैली का आयोजन किया गया। इसमें कैडेट्स ने विज्ञान और प्राकृतिक संतुलन की महत्ता को नारों के माध्यम से आम नागरिकों को बताने का प्रयास किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने डा. चंद्रशेखर वेंकटरमन के विज्ञान में उनकी भूमिका को एनसीसी कैडेट्स ने विस्तार से समझाया और उनके योगदान को सराहा। इस अवसर पर सुभाष सिंह, रविंद्र कुमार राय, अरूण कुमार, अमरीश कुमार,

राजीव कपिल, कमल रावत, विशाल कन्नौजिया, तालिब हुसैन, मेहरबान अली, हुकम सिंह, विपिन कुमार, मुकेश कुमार, आशू समेत समस्त कर्मचारी मौजुद रहे। उधर नेशनल कन्या इण्टर कालेज खानपुर मे चल रहे स्वचछता एक्शन प्लान कार्यक्रम के अन्तर्गत चैथे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वंयसेवियों ने अभिगृहित ग्राम चन्दपुरी कलॉ में स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य किया। प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम गुप्ता ने कहा कि खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाना देश के लिए अभी एक कठिन लक्ष्य है क्योंकि यह एक तरह से सदियों पुरानी प्रथा है और इस वजह से लोगों के बीच जागरूकता फैलाना भी जरूरी है। कार्यक्रम अधिकारी बलराम गुप्ता ने बताया कि सर्वेक्षण के आधार पर ऐसे घरों की सूची जिनमें शौचालय या हेण्डपम्प नही हैं, खण्ड विकास अधिकारी खानपुर को सौंपी जायेगी। सर्वेक्षण कार्य टोली नायिकाओं अंजली, ममता, वंशिका, मिनाक्षी, अंशिका, सुनिता व पारूल के नेतृत्व में दीपा, मंजू, भावना, शालू, महिमा, नीलम, हिमॉशु, शिवानी, ज्योति, खुशी, मुकेश, सचिन, विशाल, वितुल, टीनू, आदि ने किया। कमाण्डर का कार्य मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर ओमपाल सिंह, अंकित कुमार, पंकज कुमार, रोबिन, जोनी मौजुद रहें।

आरसीई के 10 छात्रों का हुआ साक्षात्कार के लिये चयन

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। रूड़की कालेज ऑफ इंजीनियरिंग में स्मार्ट ब्रेन इंजीनियर्स एंड टेक्नोलोजी नोएडा द्वारा कैम्पस रिक्रूटमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया। टीएण्ड़पी मैनेजर डा. तृप्ति खटाना के अनुसार यह कम्पनी भर्ती के लिये बीटेक (सीएसई) अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये आयोजित की गई। प्रथम चरण में 160 छात्रों को कम्पनी के अधिकारियो द्वारा कम्पनी के बारे मे जानकारी दी। दूसरे चरण में कम्पनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों के साथ ग्रुप डिस्कशन किया। जिसमे 10 छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये चयन किया गया। फाईनल साक्षात्कार में कम्पनी ने नयन रस्तोगी, अनुश्री टंडन, भरत सिंह, शलभ शर्मा, अनंत को कम्पनी द्वारा चयनित किया गया। इसी के साथ तृतीय वर्ष के छात्रो को इन्टरनशीप के लिये कम्पनी द्वारा ऑफर दिया। पॉचो छात्रो का चयन तकनीकी स्तर के लिये किया गया। कम्पनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कालेज के प्रयासों की प्रशंसा की। कम्पनी के अधिकारियों ने कालेज मे प्रतिवर्ष ऐसे रोजगार अवसर दिये जाने की इच्छा जाहिर की। संस्था के चेयरमैन सीए सत्येन्द्र गुप्ता व निदेशक ओपी दूबे ने छात्रों व टीएंण्डपी ऐक्सीक्यूटिव, विजेता तथा श्वेता के सहयोग की सराहना की और चयनित छात्रो को शुभकामनायें दी। कहा, कि उन्हें रोजगार के इस पहले अवसर को ग्रहण करके अपनी योग्यता को सिद्ध करना होगा। तभी वो आगे उन्नति कर सकेंगे।

हवन कर मनाया गोरी शंकर मंदिर का स्थापना दिवस

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। अशोक नगर स्थित पानी की टंकी के पास गोरी शिव शंकर मंदिर में प्रति वर्ष की भांति मंदिर का स्थापना दिवस हवन पूजन कर मनाया गया। इसमें क्षेत्र की जनता ने पूजा का आनंद लिया। जिसमें पंडित देवेंद्र पोखरियाल ने क्षेत्रवासियों की कुशलता के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। तत्पश्चात कीर्तन मंडली ने भगवान के कीर्तन गाए। जिसमें क्षेत्र की समस्त जनता उपस्थित थे जिन्होंने

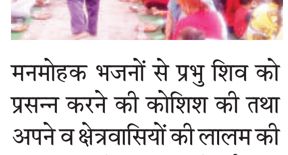

मनमोहक भजनों से प्रभु शिव को प्रसन्न करने की कोशिश की तथा अपने व क्षेत्रवासियों की लालम की कुशलता की कामना की। दोपहर 12 बजे भंडारे शुरू हुआ। लोगों ने भगवान को भोग लगाकर अपनी एवं अपने परिवार की कुशलता की कामना की जिस में उपस्थित मंदिर समिति के अध्यक्ष केदार सिंह नेगी, पूर्व अध्यक्ष भ्यूराज सिंह बटोला, देवी प्रसाद थपलियाल, सुरेंद्र सिंह नेगी, सतीश नेगी, बिजेंदर हेमदान, धीरज सिंह पटवाल, श्रृवण सिंह रावत, राजेंद्र सिंह ओसवाल, बलवंत सिंह रावत, पान सिंह रावत,जय किशन कांति, दिनेश सिंह नेगी बालम सिंह गुसाईं, सतेंद्र बिष्ट, संजय त्यागी, भगवती देवी, उमा देवी, प्रताप सिंह रावत, नरेंद्र सिंह भंडारी, गुसाई, लक्ष्मण सिंह, पंडित प्रदीप आदि शिव भक्त उपस्थित थे।

जीआईसी रुड़की में शुरू हुआ सीएटीसी प्रशिक्षण शिविर

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। एनसीसी 84 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेन्द्र सिंह के निर्देशन में राजकीय इंटर कालेज रुड़की में शुक्रवार से तीन दिवसीय सीएटीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हो गया। बटालियन के कमान अधिकारी ने प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ में एनसीसी कैडेट्स को एकता, अनुशासन, देश प्रेम, एनसीसी बी और सी प्रमाण पत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को शस्त्र

प्रशिक्षण, ड्रिल, स्वास्थ्य एवं सफाई, मैप रीडिंग, टेंट पिचिंग, नागरिक सुरक्षा व आत्म सुरक्षा आदि विषयों पर प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रधानाचार्य राम मिलन सिंह ने कहा कि कैडेट्स अपनी मेहनत के दम पर समाज व राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में योगदान देता है और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करता है। कैडेट्स के लिए मेहनत और अनुशासन बेहद जरूरी है। इसके दम पर ही वह आगे बढ़ता है। इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल राजेंद्र सिंह, एसएम विजेंद्र सिंह, सूबेदार रतन सिंह, वीरेंद्र देवरानी, जय सिंह, सूबेदार रामप्रसाद, हवलदार रंजीत सिंह, परमानन्द, राकेश, एसके राय, आलोक कंडवाल, रामकुमार वर्मा, सुभाष चंद, कैडेट्स शौर्य प्रताप, अफजाल, आदर्श, आर्यन, देवराज सैनी, सोएब, भारत चैहान, रूपक, विनय कर्णवाल आदि उपस्थित रहे।

पार्षदों ने जताई नाराजगी, मेयर बोले, 3 को होगी बोर्ड बैठक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। एक साल बाद होने वाली नगर निगम की बोर्ड बैठक स्थगित होने से पार्षदों ने रोष व्यक्त किया है। मामले को लेकर निगम सभागार में पार्षदों ने बैठक की। इसमें मेयर पर हठधर्मिता व विकास कार्य ठप करने का आरोप लगाया गया। बैठक में आगे की रणनीति पर भी विचार किया गया। पार्षदों ने मेयर व निगम अधिकारियों पर बोर्ड बैठक स्थगित हो जाने की सूचना न देने का आरोप भी लगाया है। हालांकि मेयर की ओर से वार्डो से पूरे प्रस्ताव न आने के कारण बैठक को एक सप्ताह के लिए आगे बढ़ाया है। पार्षदों की इसकी जानकारी देते हुए 3 मार्च को बोर्ड बैठक की बात कही गई है। पहली बोर्ड बैठक 20 फरवरी 2020 को संपन्न हुई थी। बोर्ड बैठक को एक साल से अधिक का समय बीत गया है। मेयर ने पहले 20 और फिर 26 फरवरी को बोर्ड बैठक बुलाने की घोषणा की थी, लेकिन वार्डो से पूरे प्रस्ताव नहीं आ सके। जिसे लेकर शहर के हित में मेयर गौरव गोयल को बोर्ड बैठक एक सप्ताह आगे बढ़ाते हुए 3 मार्च को रखनी पड़ी। शुक्रवार को निगम पहुंचे कुछ पार्षदो ने बोर्ड बैठक स्थगित होने की जानकारी न होने की बात कहते हुए नाराजगी जताई। इस दौरान इन पार्षदों ने निगम परिसर में बने सभागार में बैठक का आयोजन कर मेयर व नगर निगम अधिकारियों के बोर्ड बैठक स्थगित किए जाने का विरोध किया। नाराज पार्षदों ने आगे की रणनीति पर विचार मंथन किया और महापौर पर विकास ठप करने और हठधर्मिता का आरोप लगाया। पार्षद नितिन त्यागी, प्रमोद पाल, धीराज सैनी ने कहा कि एक साल बाद बोर्ड बैठक आयोजित करने का समय निर्धारित किया गया था अब इसे भी टाल दिया गया है। कहा कि बैठक में बजट पास होना था और इसके साथ ही विकास कार्यों पर भी मंथन होने के साथ उन पर मुहर लगनी थी लेकिन महापौर ने सूचना दिए बगैर ही बैठक को स्थगित कर दिया है। पार्षद चंद्रप्रकाश बाटा ने कहा कि प्रत्येक 3 माह के भीतर बोर्ड बैठक होनी चाहिए लेकिन एक साल हो चुका है फिर भी बोर्ड बैठक को लगातार टाला जा रहा है। उन्होंने कहा नगर के विकास कार्य बोर्ड बैठक न होने के चलते अटके हुए हैं। बैठक में पार्षद आशीष अग्रवाल, कुलदीप तोमर, संजीव तोमर, राकेश गर्ग, हेमा बिष्ट, संजीव राय, पंकज सतीजा शामिल रहे। वहीं मेयर ने कहा कि विकास कार्यो को लेकर सियासत करना गलत है। कुछ पार्षद चाहते हैं कि उनके अधुरे प्रस्ताव पर बैठक हो जाए और बाकी वार्डो के विकास छूट जाए, यह सोच गलत है। वह पूरे शहर और पूरे पार्षदों के साथ हैं।

धोलेरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पहले चरण के निर्माण के लिए निविदा जारी

मुंबई। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने गुजरात के धोलेरा में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पहले चरण के निर्माण को मंजूरी दे दी। जानकारी के मुताबिक इसमें 987 करोड़ रुपए का निवेश अनुमानित है। नया अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा परियोजना (डीएमआईसी) के तहत धोलेरा में बनाया जा रहा है। एएआई ने धोलेरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पहले चरण के लिये 987 करोड़ रुपए की निविदा जारी की है। धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर) के उत्तर में स्थित प्रस्तावित हवाईअड्डे से न केवल डीएसआईआर और उसके आसपास के क्षेत्रों की जरूरतें पूरी होंगी बल्कि अहमदाबाद अंतररष्ट्रीय हवाईअड्डे पर दबाव भी कम होगा। गुजरात सरकार ने परियोजना के लिए 1,427 हैक्टेयर जमीन आबंटित की है। 75 हैक्टेयर सरकारी जमीन वाणिज्यिक विकास के लिए दी गई है।

दिसंबर तिमाही में बैंक ऋण 6.2 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई

मुबई । बैंक ऋण सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दिसंबर तिमाही में 6.2 प्रतिशत बढ़ा।

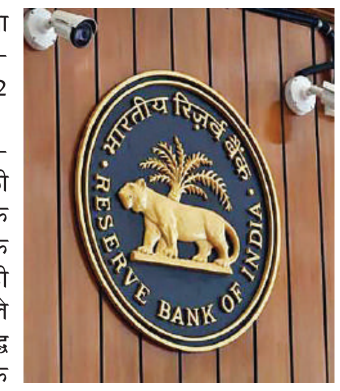

इससे पूर्व तिमाही जुलाई-सितंबर में इसमें 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़े के अनुसार हालांकि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कर्ज में वृद्धि एक साल पहले इसी तिमाही में 7.4 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले कम है। निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज के मामले में वृद्धि दर में दिसंबर 2020 को समाप्त तिमाही में भारी गिरावट दर्ज की गई और यह 6.7 प्रतिशत रही। जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 13.1 प्रतिशत थी। वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिए जाने वाले कर्ज की वृद्धि में सुधार हुआ और आलोच्य तिमाही में इसमें 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत थी।

आरबीआई के आंकड़े के अनुसार बैंकों के चालू, बचत और मियादी जमा में सालाना वृद्धि दर क्रमशः 13 प्रतिशत, 15.8 प्रतिशत और 8.2 प्रतिशत रही। अखिल भारतीय कर्ज-जमा अनुपात आलोच्य तिमाही में मामूली सुधरकर 72.5 प्रतिशत रहा जो इससे पिछली तिमाही जुलाई-सितंबर, 2020 में 72 प्रतिशत था।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े

मुंबई । घरेलू बाजार में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दाम इसके पहले 35-35 पैसे बढ़ गए थे। राजधानी में पेट्रोल 90.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल 81.32 रुपए प्रति लीटर है। दिल्ली में 26 फरवरी को पेट्रोल के दाम कल के भाव 90.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल के भाव कल के हिसाब से 81.32 रुपए प्रति लीटर पर है। मुंबई में भी पेट्रोल के 97.34 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.44 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 91.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 84.20 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में भी पेट्रोल के दाम 92.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.31 रुपए प्रति लीटर हैं। इसी तरह बेंगलुरु में भी पेट्रोल का भाव 93.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.21 रुपए प्रति लीटर हैं।

10 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना!

मुंबई । सोने की कीमत पिछले साल अगस्त में 56200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी। यह इसका सर्वकालिक उच्च स्तर था लेकिन इसके बाद से इसमें 10 हजार रुपए की गिरावट आ चुकी है। एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना शुक्रवार को गिरावट के साथ खुला। सुबह यह 195 रुपए की गिरावट के साथ 46046 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना शुक्रवार को 99 रुपए की गिरावट के साथ खुला। दिन चढ़ने के साथ इसमें और गिरावट आई। सुबह यह 195 रुपए की गिरावट साथ 46046 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। सुबह के सत्र में इसने 46340 रुपए का उच्चतम और 45972 रुपए का न्यूनतम स्तर छू लिया। जून डिलीवरी वाला सोना भी 121 रुपए की गिरावट के साथ 46274 रुपए पर चल रहा था। इसी तरह मार्च डिलीवरी वाली चांदी 787 रुपए की गिरावट के साथ 68489 रुपए प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। दिल्ली के सरार्फा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 358 रुपए की गिरावट के साथ 46 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के भी नीचे चला गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार अब सोना 45,959 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,313 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 151 रुपए बढ़कर 69,159 रुपए प्रति किलो रह गई जिसका पिछला बंद भाव 69,008 रुपए किलो था।

भारत में बढ़ेगा स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी विनिर्माण

नई दिल्ली। शाओमी ने अपने 'मेक इन इंडिया' प्रयासों को मजबूती देने के लिए ठेके पर विनिर्माण करने वाली कंपनियों बीवाईडी, डीबीजी और रेडिएंट से हाथ मिलाया है। चीन की कंपनी ने स्मार्टफोन विनिर्माण के लिए बीवाईडी और डीबीजी से करार किया है। वहीं भारत में अपनी स्मार्ट टीवी की क्षमता बढ़ाने के लिए उसने रेडिएंट से हाथ मिलाया है। शाओमी इंडिया के प्रबंध निदेशक मनु जैन ने बृहस्पतिवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डीबीजी की इकाई हरियाणा में पहले से परिचालन में है। इससे शाओमी की मासिक विनिर्माण क्षमता करीब 20 प्रतिशत बढ़ जाएगी। उन्होंने बताया कि बीवाईडी की इकाई तमिलनाडु में जल्द परिचालन में आएगी। फिलहाल शाओमी के भारत में पांच परिसर है, जहां उसकी भागीदार फॉक्सकॉन और फ्लेक्स तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में फोन असेंबल करती हैं। जैन ने कहा, घर से काम और घर से पढ़ाई की वजह से स्मार्टफोन की मांग में भारी इजाफा हुआ है, जिसके चलते विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्षमता में विस्तार से हम बढ़ी मांग को पूरा कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इन फोन में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर विनिर्मित, असेंबल या खरीदे गए हैं।

सोनी ने लॉन्च किया वायरलेस स्पीकर

नई दिल्ली। सोनी ने भारतीय बाजार में अपने नए प्रीमियम वायरलेस स्पीकर 'एसआरएस-आर3000' की घोषणा की है। भारत में इस प्रोडक्ट को 24 फरवरी से सोनी के सभी रिटेल स्टोर्स, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट शॉपएटएससी डॉट कॉम पोर्टल, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की कुछ बड़ी दुकानों पर उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा, ह्लबाकी के स्पीकर्स जो हॉरीजंटली साउंड का प्रसार करते हैं, उनसे अलग यह नया आरए3000 स्पीकर सोनी के 360 रिएलिटी ऑडियो कंटेंट प्लेबैक और बेहतरीन ऑडियो के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक को हॉरीजंटली (वॉल टू वॉल)और वर्टिकली (फ्लोर टू सिलिंग) दोनों तरीकों से फैलाता है। सोनी का यह नया स्पीकर यूनिक एल्गोरिथम पर आधारित इमर्सिव ऑडियो एन्हांसमेंट प्रदान करता है और यह 2-चैनल स्टीरियो ट्रैक्स को एंबियंट रूम-फिलिंग साउंड में बदलता है। स्पीकर को स्पोटिफाई संग आराम से कनेक्ट किया जा सकता है। फुल रिमोट कंट्रोल के लिए अपने डिवाइस पर स्पोटिफाई कनेक्ट ऐप का इस्तेमाल करते हुए इसे डायरेक्टली भी प्ले किया जा सकता है। इसके अलावा, गूगल असिस्टेंट और अमेजन एलेक्सा वाले डिवाइसों के लिए भी यह उपयुक्त है, जिससे यूजर सिर्फ अपनी आवाज की मदद से म्यूजिक को कंट्रोल कर पाने में सक्षम होते हैं। गूगल होम ऐप या अमेजन एलेक्सा ऐप की मदद से मल्टी-रूम प्लेबैक के लिए इस डिवाइस को कई अलग-अलग तरह के डिवाइसों संग भी जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, ब्लूटूथ टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से स्पीकर को स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट के साथ भी कनेक्ट करना आसान है।

2021 मारुति सुजुकी स्विफ्ट का टीजर हुआ जारी

स्पोर्टी डिजाइन के साथ मिलेगा 90बीएचपपी का दमदार इंजन

नई दिल्ली। भारतीय सड़कों पर दशकों तक रफ़्तार भरने के बाद अब जल्द ही मारुति स्विफ्ट एक नये अवतार में लॉन्च की जाने वाली है। नई स्विफ्ट पहले से कहीं ज्यादा स्पोर्टी हो गई है साथ ही इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को अपडेट भी किया गया है। कंपनी ने अपनी आधिकारिक वेबसाईट पर इस कार का टीजर जारी किया है जिसमें इसके बेहतरीन डिजाइन की झलक मिलती है। 2021 मारुति सुजुकी स्विफ्ट फेसलिफ्ट को जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है। ये स्पोर्टी हैचबैक मौजूदा मॉडल से कहीं ज्यादा बेहतर होगी। इस कार के इंजन में बदलाव किया गया है। कंपनी ने इस प्रीमियम हैचबैक में 1.2 लीटर का के12एन पेट्रोल इंजन लगाया है। ये इंजन 90बीपीएच की मैक्सिमम पावर और 113 न्यूटन मीटर का पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। ये इंजन आइडल स्टार्ट/स्टॉप तकनीक से लैस होगा। नई कार ऑटो गियरशिफ्ट तकनीक से लैस होगी। नया इंजन पहले से ज्यादा फ्यूल की बचत करेगा। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार 2021 मारुति सुजुकी स्विफ्ट में स्मार्ट-प्ले स्टूडियो, कलर्ड मल्टी इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल सिस्टम, फ़्लैट बॉटम स्टीयरिंग व्हील, रिवर्स पार्किंग कैमरा जैसे बेहतरीन फीचर्स को शामिल किया गया है जिससे ग्राहकों को बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरियंस मिलेगा। इन फीचर्स के अलावा नई कार में कई अन्य हाईटेक फीचर्स को भी शामिल किया जा सकता है। इंटीरियर ही नहीं बल्कि इस कार के एक्सटीरियर में भी ग्राहकों को बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। कार के फ्रंट में ग्रिल के बीच में एक क्रोम स्ट्रिप लगाया गया है जो कार को काफी स्पोर्टी लुक देता है। इसके साथ ही कार में री-डिजाइन्ड अलॉय व्हील्स को भी शामिल किया गया है। हालांकि नई स्विफ्ट मौजूदा स्विफ्ट से डिजाइन के मामले में बहुत ज्यादा अलग नहीं है, इसके बावजूद कंपनी ने इसे एक फ्रेश और स्पोर्टी लुक देने का पूरा प्रयास किया है जो ग्राहकों को काफी पसंद आ सकता है। अभी इस कार की कीमत के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि नई स्विफ्ट को 5.50 लाख की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है।

ब्राजील ने भारतीय बायोटेक से किया समझौता

साओ पाउलो । ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के टीके ह्यकोवैक्सीनह्व की दो करोड़ खुराक खरीदने के लिए भारत की दवा कम्पनी भारत बायोटेक के साथ समझौता किया है। कोवैक्सीन के इस्तेमाल को हालांकि स्थानीय नियामकों ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। यह समझौता उस दिन किया गया, जब ब्राजील में संक्रमण से मौत का आंकड़ा ढाई लाख पर पहुंच गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के प्रशासन ने बताया कि कोवैक्सीन टीके की 80 लाख खुराक की पहली खेप मार्च में आएगी। 80 लाख खुराक की दूसरी खेप के अप्रैल में और अन्य 40 लाख खुराक के मई में आने की संभावना है। ब्राजील टीकों की कमी

के कारण अपनी 21 करोड़ की आबादी में से केवल चार प्रतिशत लोगों को ही टीके लगा पाया है। देश की दवा कंपनी प्रीसीसा मेडिकामेंटोस और भारत बायोटेक दोनों में से किसी ने इस समझौते की पुष्टि नहीं की है।

डिलिवरी पार्टनर्स का वेतन बढ़ाएगी जोमेटो

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम जन के साथ कंपनियों भी असर पड़ा है। यही वजह है कि अब ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने पे-स्ट्रक्चर को संशोधित करने का ऐलान किया है। ईंधन की ऊंची कीमतों की वजह से कंपनी डिलिवरी पार्टनर्स को ज्यादा भुगतान करेगी। कंपनी का यह फैसला डिलिवरी पार्टनर्स द्वारा वेतन में वृद्धि को लेकर देशभर में हड़ताल करने के बाद आया है। इसमें कहा गया है कि ईंधन की कीमतें अपनी आय को प्रभावित कर रही है। जोमेटो ने कहा कि संशोधित वेतन स्ट्रक्चर में दूरी के वेतन का एक एडिशनल कंपोनेंट शामिल होगा जो ईंधन की कीमतों में बदलाव के अनुकूल आंका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक जोमैटो ने कहा कि कंपनी ने यह देखा कि लंबी दूरी पर पेट्रोल की बढ़ती कीमत का ज्यादा असर पड़ता है। ऐसे में अतिरिक्त वेतन करने से लंबी दूरी की डिलिवरी करने वाले डिलिवरी पाटर्नस को जल्द से जल्द ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। वर्तमान में जोमैटो के पास 1.5 लाख से अधिक डिलिवरी पार्टनर्स हैं।

टाटा मोटर्स ने जाने-माने एक्टर, सिंगर और डायरेक्टर परमीश वर्मा को पहली नई सफारी डिलीवर की

» मदरलैंड संवाददाता

पटियाला/भटिंडा । भारत के प्रमुख ऑटोमोटिव ब्राण्ड्स में से एक, टाटा मोटर्स ने पंजाब में जाने-माने एक्टर, सिंगर और डायरेक्टर श्री परमीश वर्मा को पहली नई टाटा सफारी डिलीवर की है। 'रॉकी मेंटल' और 'दिल दियां गल्लां' से प्रसिद्ध हुए एक्टर ने इस आइकॉनिक ब्राण्ड की डिलीवरी चंडीगढ़ में टाटा मोटर्स की ऑथोराइज्ड डीलरशिप आरएसए मोटर्स से ली। श्री वर्मा को चाबियाँ टाटा मोटर्स की पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट के रीजनल मैनेजर, नॉर्थ श्री हिमांशु बस्सी की मौजूदगी में सौंपी गईं। पहली सफारी मिलने पर खुशी जताते हुए श्री परमीश वर्मा ने कहा, ''मैं नई टाटा सफारी के लॉन्च की घोषणा के बाद से उसका मालिक बनना चाहता था। मैं बचपन से टाटा सफारी का फैन रहा हूँ और मेरा सौभाग्य था कि मुझे सफारी की इससे पहली वाली जनरेशन भी मिली। मुझे खुशी है कि टाटा मोटर्स सफारी को ऐसे नये आधुनिक अवतार में

वापस लाया है और मैं टाटा मोटर्स का शुक्रगुजार भी हूँ कि उन्होंने मुझे इस आइकॉनिक एसयूवी की तुरंत डिलीवरी ही नहीं की, बल्कि मुझे पूरे पंजाब में उसका पहला ग्राहक भी बना दिया। नई सफारी आधुनिक और स्टाइलिश है और मैं अपनी नई ड्राइव पर जाने के लिए बहुत बेताब हूं, क्योंकि मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ सड़कों का बेताज बादशाह बनने के लिये निकलने वाला हूँ।'' इस डिलीवरी पर टिप्पणी करते हुए टाटा मोटर्स की पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट के रीजनल मैनेजर, नॉर्थ श्री हिमांशु बस्सी ने कहा, ''हम सफारी के कमर्शियल लॉन्च के बाद जल्दी ही श्री परमीश वर्मा को पंजाब की पहली सफारी डिलीवर करके उत्साहित हैं। श्री वर्मा अपनी सामयिक सिंगिंग और स्टाइल के लिये जाने जाते हैं; और नई सफारी से बेहतर क्या हो सकता था, जो अपने नये अवतार में ग्राहकों के लिये अपने सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ डिजाइन और ड्राइविंग डायनेमिक्स की पेशकश करती है; और ऐसे लोगों की परफेक्ट साथी है, जो अपने नियमों पर जीते हैं। अपने भव्य इंटीरियर्स, अत्याधुनिक कनेक्टिविटी और प्रीमियम फीचर्स के साथ सफारी जीवनशैली को नई ऊँचाइयाँ और आयाम देती है। हम देशभर से मिल रहे ग्राहकों के रिस्पॉन्स से खुश हैं और हमारे उत्पाद को जो प्यार मिल रहा है, उससे बहुत उत्साहित हैं। हमें यकीन है कि सफारी अपने पूर्वजों की विरासत को आगे बढ़ाएगी, क्योंकि उसके द्वारा आधुनिक ग्राहकों को आकर्षित करना जारी है।''

इन्फ्रा डॉट मार्केट ने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया

INFRA. MARKET

बेंगलूरु । बी2बी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस इन्फ्रा डॉट मार्केट ने टाइगर ग्लोबल के नेतृत्व में सी शृंखला के वित्त पोषण के तहत 10 करोड़ डॉलर जुटाने के बाद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर लिया है। इस निवेश दौर में शामिल हुए अन्य मौजूदा निवेशकों में ऐक्सेल पार्टनर्स, नेक्सस वेंचर पार्टनर्स, इवॉल्वेंस इंडिया फंड, सिस्तेमा एशिया फंड और फाउंडामेंटल जीएमबीएच शामिल हैं। कंपनी ने जून 2019 में ऐक्सेल पार्टनर्स से शुरूआती निवेश हासिल किया था और वह 20 महीने के भीतर अब यूनिकॉर्न की स्थिति में पहुंच गई है। कंपनी ने 10 करोड़ डॉलर के इस निवेश दौर के साथ अब तक 15 करोड़ डॉलर जुटाई है। सौविक सेनगुप्ता और आदित्य शारदा द्वारा 2016 में स्थापित मुंबई की यह प्रौद्योगिकी फर्म निर्माण परिवेश में सभी कंपनियों के लिए उन्नत खरीद अनुभव के साथ निर्माण सामग्रियों के लिए वन-स्टॉप मार्केटप्लेस उपलब्ध कराती है। यह छोटे विनिमार्ताओं की क्षमता को एकत्रित करते हुए और तकनीकी एवं सेवाओं के मेल से निर्माण सामग्रियों की आपूर्ति शृंखला को डिजिटल तरीके से बदल रही है। यह स्टार्टअप बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए 140 अरब डॉलर के निर्माण सामग्रियों के बाजार को लक्षित कर रहा है। पिछले चार वर्षों से मुनाफा कमा रही कंपनी का सकल मर्केंडाइज मूल्य (जीएमवी) 40 करोड़ डॉलर है और वह इस साल के अंत तक 1 अरब डॉलर के जीएमवी हासिल करना चाहती है।

रुपया 67 पैसे लुढ़का

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली तथा एशियाई मुद्राओं की नरमी के चलते शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में रुपए में 67 पैसे की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इससे रुपया 73 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे आ गया। रुपया गुरुवार को 72.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। छह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 90.35 पर पहुंच गया। शुक्रवार सुबह अधिकांश एशियाई मुद्राओं ने गिरावट के साथ शुरूआत की।

एस्सार पावर मध्य प्रदेश में लगाएगी सौर ऊर्जा संयंत्र

मुंबई । एस्सार ग्लोबल फंड (ईजीएफएल) की निवेश कंपनी एस्सार पावर लिमिटेड मध्य प्रदेश में 90 मेगावॉट पीवी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना बना रही है, जिस पर वह 300 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह संयंत्र दतिया में लगाया जाएगा। कंपनी ने अपने पावर पोर्टफोलियो के पुनर्संतुलन के लिए अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित बिजली संयंत्र मध्य भारत के दतिया जिले में 105 हेक्टेयर भूमि पर भांडेर में स्थापित होने वाला एक सौर फोटोवोल्टिक परियोजना है और इसे दो भागों में निष्पादित किया जाएगा। पहला हिस्सा 33.7 मेगावाट और दूसरा हिस्सा 56.17 मेगावाट का होगा। इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली

को 132 केवी स्तर पर इवैकुएट किया जाएगा और इसे भांडेर 132/33 केवी एमपीपीटीसीएल सबस्टेशन से जोड़ा जाना प्रस्तावित है, जो लगभग 5 किमी की दूरी पर स्थित है और मध्य प्रदेश के भीतर औद्योगिक उपभोक्ताओं को इसकी आपूर्ति की जाएगी। इस परियोजना के जून 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सेंसेक्स एक हजार अंक फिसला; निफ्टी 14,900 अंक से नीचे

मुंबई । वैश्विक बाजारों की गिरावट के बीच कई बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव नीचे आने से शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स एक हजार अंक से अधिक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स एक समय 49,950.75 अंक पर आ गया था। हालांकि इसने कुछ सुधार दर्ज की और 927.21 अंक की गिरावट के साथ 50,112.10 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार एनएसई निफ्टी 270.40 अंक नीचे 14,826.95 अंक पर था। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक में सर्वाधिक तीन प्रतिशत की गिरावट रही। इसी तरह आईसीआईसीआई

बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, एमएंडएम, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर नेस्ले इंडिया, मारुति सुजुकी, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर बढ़त में रहे। पिछले सत्र में सेंसेक्स 257.62 अंक की बढ़त के साथ 51,039.31 अंक पर और निफ्टी 115.35 अंक चढ़कर 15,097.35 अंक पर बंद हुआ था।

ऑनलाइन जोखिम प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध नहीं होने की वजह से कारोबार बंद हुआः एनएसई

सेबी के साथ लगातार संपर्क में है और उसे घटनाक्रमों की पूरी जानकारी उपलब्ध करा रहा है

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि ह्यऑनलाइन जोखिम प्रबंधन प्रणालीह्व उपलब्ध नहीं होने की वजह से बुधवार को करीब चार घंटे तक एक्सचेंज का कारोबार बंद रहा। एक्सचेंज ने कहा कि उसे अपने दूरसंचार सेवाप्रदाताओं तथा वेंडरों से इसके प्रमुख कारण के विश्लेषण का इंतजार है। एनएसई ने बयान में कारोबार

बंद होने के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि उसके पास दो दूरसंचार सेवा कंपनियों के कई कनेक्शन हैं। दोनों ही कंपनियों ने सूचित किया कि उनके लिंक में अस्थिरता पैदा हो रही है। एक्सचेंज ने कहा कि लिंक में इस अस्थिरता की वजह से ऑनलाइन जोखिम प्रबंधन प्रणाली प्रभावित हुई। बयान में कहा गया है कि ऑनलाइन जोखिम प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध नहीं होने की वजह से बाजार का सामान्य कामकाज प्रभावित हुआ और कारोबार को बंद करना पड़ा। एक्सचेंज ने कहा कि वह लगातार इस समस्या के हल के लिए काम करता रहा और एक बार इसका समाधान होने के बाद बाजार को फिर खोल दिया गया। एनएसई ने कहा कि वह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ लगातार संपर्क में है और उसे घटनाक्रमों की पूरी जानकारी उपलब्ध करा रहा है।

हरभजन, लक्ष्मण, युवराज और वान ने मोटेरा की पिच पर उठाए सवाल, गावस्कर बोले रक्षात्मक खेल से मुश्किल में पड़ा इंग्लैंड

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह और वीवीएस लक्ष्मण सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि मोटेरा की टर्निंग पिच टेस्ट क्रिकेट के लिए आदर्श नहीं है। क्रिकेट लीजेंड सुनील गावस्कर ने इन क्रिकेटरों से विपरीत राय व्यक्त की है। भारत ने तीसरे टेस्ट मैच में दूसरे दिन ही 10 विकेट से जीत दर्ज करके चार मैचों की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बना ली है। सुनील गावस्कर ने कहा कि बल्लेबाजों ने बेहद रक्षात्मक रवैए के कारण अपने विकेट गंवाए और उनमें से अधिकतर सीधी गेंदों पर आउट हुए हैं। पूर्व बल्लेबाज लक्ष्मण ने कहा कि मोटेरा की पिच टेस्ट मैच के लिए आदर्श नहीं थी। इस पिच पर भारतीय बल्लेबाज भी नहीं चल पाए। भारत की तरफ से 400 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हरभजन का भी ऐसा ही मानना है। इस 40 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने कहा यह आदर्श पिच नहीं थी। अगर इंग्लैंड अपनी पहली पारी में 200 रन बना लेता तो भारत भी संकट में होता, लेकिन दोनों टीमों के लिए पिचें समान हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने भी पिच पर नाखुशी जताई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में ट्वीट किया अगर इस तरह की पिचें

तैयार की जाती है, तो मेरे पास जवाब है कि यह कैसे काम कर सकता है। टीमों को तीन पारियां खेलने के लिए दो। युवराज सिंह ने भी पिच की आलोचना की लेकिन उन्होंने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की प्रशंसा भी की। उन्होंने ट्वीट किया मैच दो दिन में समाप्त हो गया, पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। अगर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह इस तरह के विकेट पर गेंदबाजी करते तो उनके नाम पर 1000 और 800 विकेट दर्ज होते। फिर भी अक्षर का क्या स्पैल था। बधाई। अश्विन, इशांत को बधाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने हिंदी में ट्वीट किया एक मैच के लिए ऐसा विकेट ठीक है, जहां बल्लेबाज के कौशल और तकनीक का टेस्ट होता है, लेकिन मैं इस तरह का विकेट और नहीं देखना चाहता और मुझे लगता है कि सारे खिलाड़ी भी नहीं चाहते। बहुत अच्छे, इंडिया। गावस्कर ने हालांकि जीत का श्रेय भारतीय स्पिनरों अश्विन और पटेल को दिया। उन्होंने कहा, 'इसी पिच पर रोहित और क्राउली ने अर्धशतक जमाए। इंग्लैंड रन बनाने के बजाय विकेट बचाये रखने के बारे में सोच रहा था। अक्षर पटेल को श्रेय देना चाहिए जिस तरह से उसने खास गेंदों का उपयोग किया। अश्विन और अक्षर का प्रदर्शन शानदार था। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने केवल एक स्पिनर के साथ उतरने के लिए इंग्लैंड की आलोचना की।

एक साल के ब्रेक के बाद मार्च में फिर शुरू होगी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

नई दिल्ली। पुनर्गठित हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैम्पियनशिप एक साल के ब्रेक के बाद मार्च में फिर शुरू होगी। इस प्रतियोगिता को पिछले साल कोरोना महामारी के कारण रद्द करना पड़ा था। घरेलू प्रतियोगिता इस साल नए और पुनर्गठित प्रारूप में आयोजित की जाएगी क्योंकि हॉकी इंडिया राज्यों, केंद्र प्रशासित प्रदेशों, संस्थानिक इकाईयों और अकादमियों में खेल के विकास के अलावा खिलाडियों की भागीदारी को बढ़ाना चाहती है। सत्र 11वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 के साथ शुरू होगा, जिसका आयोजन 10 से 18 मार्च तक झारखंड के सिमडेगा में कराया जाएगा। इसके बाद 17 से 25 मार्च तक हरियाणा के नरवाना जिले में 11वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 का आयोजन किया जाएगा। हॉकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 का शुरूआती चरण 17 से 26 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। महिला प्रतियोगिता भी 17 से 24 मार्च तक इसी के साथ चलेगी। दोनों टूनार्मेंट भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद सिमडेगा में तीन से 12 अप्रैल तक 11वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेली जाएगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने एक बयान में कहा कि पिछले साल महामारी के कारण सभी खेल प्रतियोगिताएं बंद हो गई थी, हम घरेलू कैलेंडर बहाल करने को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि सत्र पूर्ण रूप से नए अवतार में शुरू होगा जिसमें पुरूष और महिलाओं के लिए सब जूनियर, जूनियर, सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का पुनर्गठन किया गया है। महामारी का खतरा अब भी बरकरार है, तो राष्ट्रीय महासंघ ने सभी मेजबान राज्य संघों को प्रत्येक स्थल पर एक 'हाईजीन' अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड विश्व टेस्ट स्पर्धा से आउट, भारत ने बनाई जगह

अहमदाबाद। इंग्लैंड विश्व टेस्ट स्पर्धा से आउट हो गया है और भारत ने अपनै स्थान सुरक्षित कर लिया है। यहां दिन-रात्रि तीसरे टेस्ट में 10 विकेट की जीत से इंग्लैंड को जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया और इसकी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। भारत चार मार्च से यहां शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट में ड्रा या जीत से लार्ड्स में न्यूजीलैंड से खेलने का अधिकार हासिल कर लेगा। न्यूजीलैंड ने पहले ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है और वह सूची में दूसरे स्थान पर काबिज है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि इंग्लैंड अंक तालिका में 64.1 प्रतिशत अंक (पर्सेंटेज प्वाइंट) नीचे आ गया है और इसमें भारत 71 'पर्सेंटेज प्वाइंट' से शीर्ष पर है। इसके अनुसार इंग्लैंड अहमदाबाद में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट को गंवाकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गया है। इंग्लैंड चार मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और उसे 18 से 22 जून तक होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलने के लिए चार मैचों की श्रृंखला 3-1 से जीतने की जरूरत थी। न्यूजीलैंड ने 70 'पर्सेंटेज प्वाइंट' से फाइनल में स्थान पक्का किया। अगर भारत चौथे और अंतिम टेस्ट में हार जाता है तो आस्ट्रेलिया फाइनल में जगह बना लेगा जो 69.2 'पर्सेंटेज प्वाइंट' से तीसरे स्थान पर है। भारत यहां दो दिन के अंदर जीत दर्ज करने से पहले तालिका में दूसरे स्थान पर था।

अश्विन के टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने की उपलब्धि पर बधाइयों का तांता

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने की उपलब्धि पर बधाईयों का तांता लगा है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले पिंक बॉल टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़ते ले ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया के वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। अक्षर पटेल के साथ रविचंद्रन अश्विन भी इस जीत के हीरो रहे। अश्विन ने मैच की दोनों पारियों में न सिर्फ 7 विकेट लिए। बल्कि टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने की उपलब्धि भी हासिल की। अपने 77वें टेस्ट में अश्विन ने जोफ्रा आर्चर का शिकार कर अपना 400वां विकेट पूरा किया। अश्विन श्रीलंकाई गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन (72 टेस्ट) के बाद सबसे तेजी से यह कारनामा किया है। अश्विन के इस कारनामे के बाद उन्हें हर कोई बधाई दे रहा है। आईपीएल टीमों ने भी इस फिरकी गेंदबाज को 400 टेस्ट विकेट पूरे करने पर बधाई दी। अश्विन की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें बधाई देने में पीछे नहीं रही। दिल्ली टीम ने अश्विन को मॉडर्न डे लीजेंड बताया। इसके अलावा टीम ने अक्षर पटेल और इशांत शर्मा की भी तारीफ की। टीम ने ट्वीट किया कि असली पावर दिल्ली में होती है। पिंक बॉल टेस्ट में गिरे इंग्लैंड के 20 में से 19 विकेट दिल्ली कैपिटल्स के सितारा खिलाड़ियों ने लिए। दरअसल, अश्विन, इशांत और अक्षर पटेल आईपीएल के इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स टीम में शामिल हैं। राजस्थान रॉयल्स ने तो इस स्पिनर को बधाई देने के लिए अपने ट्विटर अकाउंट से मजेदार मीम शेयर किया, जिसमें अश्विन को उसेन बोल्ट से भी तेज दौड़ते दिखाया गया। इसके अलावा महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स ने भी ट्वीट कर अश्विन को बधाई दी। सीएसके ने लिखा कि सही प्लान के साथ गेंदबाजी करने वाला खिलाड़ी! 400 विकेट पूरे.. आगे और भी आएंगे। मुंबई इंडियंस ने लिखा कि अश्विन ने पिंक बॉल टेस्ट में 'माउंट 400' की चढ़ाई की। बता दें कि अश्विन ने पिंक बॉल टेस्ट में अपने 600 इंटरनेशनल विकेट भी पूरे किए। वे अब तक 234 मैचों में 602 विकेट ले चुके हैं। उनके नाम 77 टेस्ट मैचों में 400 विकेट, 116 वनडे मैचों में 150 विकेट और 46 टी20 मैचों में 52 विकेट दर्ज है। उनसे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले (956), हरभजन सिंह (711), कपिल देव (687) और जहीन खान (610) ने लिए हैं। हालांकि अश्विन का स्ट्राइक रेट इन सभी गेंदबाजों से बेहतर है।

अनुभवी खिलाडियों से सहायता मिली: ज्योति

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी ज्योति ने कहा है कि अनुभवी खिलाडियों के साथ लगातार खेलते रहने के साथ ही प्रशिक्षण से भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। ज्योति ने मलेशिया दौरे में अप्रैल 2019 में महिला टीम की ओर से खेलना शुरू किया था। उस विशेष दौरे के दौरान भारतीय टीम ने चार मैच जीते और एक मैच ड्रा रहा। ज्योति ने कहा, मैं महिलाओं के इस शानदा समूह का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हमारे पास जितने अनुभवी खिलाड़ी हैं, उससे मुझे निश्चित रूप से लाभ हुआ है। मैं हमेशा इन खिलाडियों से कुछ न कुछ हासिल करने के लिए तत्पर रहती हूं। भारत में महिला टीम की खिलाड़ी होने का यह एक शानदार समय है, हॉकी इंडिया के समर्थन के कारण ही हमें काफी एक्सपोजर मिला है। ज्योति ने कहा, मेरा मानना है कि मेरे लिए यह एक शानदार अवसर है कि मैं आगे बढ़ूं और तेजी से बढ़ूं क्योंकि मुझे यहां अपनी टीम में बहुत सारे विश्वस्तरीय खिलाड़ी मिले हैं। वंदना, रानी, नवजोत, नवनीत के रुप में मेरे पास ऐसे खिलाडियों का एक ऐसा समूह है जो मेरी क्षमताओं पर विश्वास करते हुए हमेशा मेरे खेलने में सहायता करता है।

भारत ने दो दिन में इंग्लैंड को दी मात, अमिताभ बोले धोबी पछाड़ से चित हुआ इंग्लैंड

मुंबई। विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय टीम ने महज दो दिन के अंदर ही अहमदाबाद टेस्ट में इंग्लैंड को मात दे दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। भारत की जीत पर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपनी प्रतिक्रिया की है। अमिताभ बच्चन ने इंग्लैंड पर भारतीय टीम की जीत को शानदार बताते हुए कहा कि यह 'धोबी पछाड़' है। उनके इस ट्वीट पर खूब रिएक्शन आ रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने भारत की इंग्लैंड पर जीत के बाद ट्वीट किया- भारत का ध्वज-विजयी! क्रिकेट टेस्ट बनाम इंग्लैंड। क्या 2 दिनों में एकतरफा टेस्ट मैच जीतने का कोई और

उदाहरण है और वह भी 10 विकेट से। शुक्रिया टीम इंडिया, इस जीत के लिए वह भी नम्रता के साथ। इंग्लैंड को धोबी पछाड़। अमिताभ बच्चन ने हमेशा की तरह इस ट्वीट की संख्या टी-3825 रखी है। अमिताभ बच्चन भारतीय टीम के सपोर्ट में हमेशा खड़े नजर आते हैं। उनके ट्वीट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्हें क्रिकेट का कितना शौक है।

रूट बोले: आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट के लिए अनुकूल पिच को लेकर विचार करना चाहिए

अहमदाबाद। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने पराजय के बाद कहा कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट के लिए अनुकूल पिच को लेकर विचार करना चाहिए। मोटेरा की पिच टेस्ट क्रिकेट के लिए उपयुक्त थी या नहीं यह फैसला करना खिलाड़ियों का नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का काम है। इंग्लैंड दोनों पारियों में 112 और 81 रन आउट हो गया और भारत ने 10 विकेट से मैच जीता लेकिन रूट ने पिच को इसके लिए दोष देना उचित नहीं समझा। उन्होंने हालांकि कहा कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट के लिए अनुकूल पिच को लेकर विचार करना चाहिए। रूट ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह पिच काफी चुनौतीपूर्ण था। यह बल्लेबाजी के लिए बेहद मुश्किल थी। इसका

फैसला खिलाड़ी नहीं करेंगे कि यह खेल के लिए उपयुक्त थी या नहीं। यह आईसीसी का काम है।' उन्होंने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में हमें जैसी भी परिस्थितियां हों उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है।' रूट ने कहा कि उनकी टीम पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने का मौका गंवा बैठी जो कि संभव लग रहा था। उन्होंने कहा, 'हम निराश है। मुझे लगता है कि हमने मौके गंवाए विशेषकर पहली पारी में। हमारा स्कोर एक समय दो विकेट पर 71 रन था और हमारे पास बड़ा स्कोर करने का वास्तव में अच्छा मौका था।' अहमदाबाद में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच में स्पिनर्स के लिए अधिक मददगार पिच बनाने के विवादों के बीच जो रूट ने उन बातों को खारिज किया है जिनमें कहा जा रहा था कि जब अगस्त में भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी तो वहां हरी पिचें बनाकर इसका बदला लिया जाएग। रूट ने कहा कि इसके बजाय इंग्लैंड 'बहुत अच्छी' पिचें बनाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इसके बावजूद वहां उनके सीमर्स का दम देखने को मिलेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा मैच सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया। पिंक बॉल टेस्ट में स्पिनर्स ने खूब दम दिखाया और 30 में से 28 विकेट हासिल किए। दोनों टीमें चारों पारियों में 150 का आंकड़ा हासिल नहीं पाईं। साथ ही निजी स्कोर की बात करें तो दोनों टीमों में रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए रूट ने पिच फैक्टर को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि सक्षम टीमें दुनिया में हर कहीं रन बना सकती हैं। रूट ने कहा, 'हम सही मायनों में बहुत अच्छे विकेट बनाएंगे (जब भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी)। अगर हम एक टीम के तौर पर मजूबत होना चाहता हैं और हर जगह चुनौती पेश करना चाहते हैं तो हमें नियमित रूप से बड़े रन बनाने की आदत डालनी होगी। हमें अच्छी पिचों पर गेंदबाजी करने की आदत डालनी होगी और 20 विकेट लेने के रास्ते निकालने होंगे। मुझे लगता है कि अच्छी टीम तैयार करने का यह सही तरीका है।'

मोटेरा में अश्विन ने 11वीं बार बेन स्टोक्स को बनाया शिकार

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष सितारा स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मोटेरा डे-नाइट टेस्ट में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। अपने 77वें टेस्ट में अश्विन ने जोफ्रा आर्चर का शिकार कर अपना 400वां विकेट पूरा किया है। अश्विन श्रीलंकाई गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन (72 टेस्ट) के बाद सबसे तेजी से यह कारनामा किया है। इसके अलावा इस मैच में अश्विन ने 11वीं बार इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन स्टोक्स का शिकार किया। रविचंद्रन अश्विन अब तक 234 मैचों में 602 विकेट ले चुके हैं। उनके नाम 77 टेस्ट मैचों में 400 विकेट, 116 वनडे मैचों में 150 विकेट और 46 टी20 मैचों में 52 विकेट दर्ज है। उनसे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले (956), हरभजन सिंह (711), कपिल देव (687) और जहीन खान (610) ने लिए हैं। हालांकि इन सब में अश्विन का स्ट्राइक रेट का सबसे बेहतर है। अश्विन ने ओवरऑल टेस्ट में जिन बाएं हाथ के बल्लेबाजों को सबसे ज्यादा बार आउट किया है, उनमें स्टोक्स सबसे ऊपर हैं। इसके अलावा अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को 10 बार और इंग्लैंड के एलेस्टेयर कुक को 9 बार आउट किया है। अश्विन का यह 77वां टेस्ट मैच है। वे अब तक 400 विकेट ले चुके हैं। इनमें 200 से ज्यादा विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाजों के हैं। श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ 191 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। हालांकि यह उनके कुल विकेट का सिर्फ 24 फीसदी ही है। मुरलीधरन ने टेस्ट में सबसे ज्यादा 800 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने 190 जबकि ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न ने 172-172 बार बाएं हाथ के बल्लेबाजों को आउट किया है। अश्विन भारत के लिए 400 टेस्ट विकेट लेने वाले वाले चौथे गेंदबाज हैं। उनसे पहले कपिल देव, अनिल कुंबले और हरभजन सिंह ये कारनामा

कर चुके हैं। लेकिन अश्विन ने सबसे तेजी से इस आंकड़े को छुआ है। अनिल कुंबले को 400 विकेट के लिए 85 टेस्ट मैच लग गए थे, वहीं हरभजन सिंह ने ये आंकड़ा 96 टेस्ट मैच में छुआ था।

पराजय से निराश रूट बोले: ये तो दर्शकों के साथ धोखा हो गया

अहमदाबाद। पिंक बॉल टेस्ट में भारतीय टीम से मिली तीसरे टेस्ट में पराजय को इंग्लैंड के कैप्टन जो रूट हजम नहीं कर पा रहे है और काफी निराश हैं। रूट ने मैच के बाद कहा कि उन्हें लगता है कि जो दर्शक इस मैच को देखने आए थे, उनके साथ धोखा हुआ और वे खुद को लुटा हुआ महसूस कर रहे होंगे। इंग्लैंड टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 112 और दूसरी पारी में 81 रन ही बना पाई। भारत ने पहली पारी में 145 रन बनाए जिसके बाद मेजबानों ने 49 रन के टारगेट को 7.4 ओवर में हासिल कर लिया। रूट ने दो दिन में मैच खत्म होने को लेकर कहा, 'यह शर्म की बात है क्योंकि यह एक शानदार स्टेडियम है और करीब 60 हजार लोग इस उम्मीद से आए थे कि एक बेहतरीन और यादगार मैच देखने को मिलेगा। मुझे लगता है कि उनके साथ धोखा हुआ।' उन्होंने हालांकि कहा कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट के लिए अनुकूल पिच को लेकर विचार करना चाहिए। रूट ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह पिच काफी चुनौतीपूर्ण था। यह बल्लेबाजी के लिए बेहद मुश्किल थी। इसका फैसला खिलाड़ी नहीं करेंगे कि यह खेल के लिए उपयुक्त थी या नहीं। यह आईसीसी का काम है।' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने कॉमेंट्री के दौरान इस पिच को 'लॉटरी' बताया था, लेकिन रूट ने माना कि उनकी टीम की तरफ से बल्लेबाजी बेहद खराब रही। भारतीय टीम ने तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। अब चौथा और अंतिम टेस्ट मैच अहमदाबाद में ही 4 मार्च से खेला जाएगा।

ऑरलैंडो में गेनब्रिज एलपीजीए गोल्फ टूनार्मेंट के पहले राउंड के दौरान अन्निका सोरेनस्टैम शॉट मारने के बाद गेंद को देखते हुए।

जीत के हीरो अक्षर पटेल की गेंदबाजी देख रहाणे ने दिया नया नाम

नई दिल्ली। पिंक बॉल टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के हीरो रहे अक्षर पटेल ने घरेलू मैदान में शानदार गेंदबाजी की और मैच में 11 विकेट लेकर टीम इंडिया को बड़ी जीत दिला दी। मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल काफी खुश दिखे। उन्होंने अपने प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला। अक्षर ने बाद में कहा कि इसी मैच के दौरान उन्हें एक नया नाम भी मिला। यह नाम किया अजिंक्य रहाणे ने जिसके बाद पंत भी इसे दोहराने लगे। अक्षर पटेल ने कहा कि रहाणे ने मुझे सबसे पहले वसीम भाई (वसीम अकरम) कहा। क्योंकि उन्हें लगता था कि गेंदबाजी करते हुए मेरी बाजू खतरनाक तरीके से आगे आती है। रहाणे इसे दोहरा रहे थे तो जल्दी ही पंत ने भी इसे पिक कर लिया।

बिल्लाबोंग ओपन फुटबाल लीग : ब्ल्यू ब्लास्टर्स और केडीपीएस एफसी फायनल में

भोपाल। ब्ल्यू ब्लास्टर्स ने एलीट ग्लाईडर्स को 2-1 से तथा केडीपीएस ने अरेरा एफसी को 3-0 से हराकर भोपाल में खेली जा रही 'बिल्लाबोंग ओपन फुटबाल लीग' प्रतियोगिता के फायनल में प्रवेश किया। आज मैचों के दौरान खिलाड़ियों का परिचय बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के फुटबाल कोच व राष्ट्रीय फुटबालर हरविन्दर सिंह से कराया गया। शनिवार को खिताबी मुकाबला खेला जायेगा। शुक्रवार को विश्राम रहेगा।

बिल्लाबोंग स्कूल नीलबढ़ मैदान पर स्पर्धा के पहले सेमीफायनल ब्ल्यू ब्लाटर्स एफसी ने इलीट ग्लाईडर्स एफसी को 2-1 से हराया। मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थी। ब्ल्यू ब्लास्टर्स से राजीव व विक्रम सिंह राजपूत ने गोल दागे। जबकि पराजित टीम की ओर से अरबाज ने गोल किया। दूसरे सेमीफायनल में अचल राज मिश्रा की हैट्रिक के सहारे केडीपीएस एफसी ने अरेरा एफसी को 3-0 से पराजित कर प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में कदम रखा। पूरे मुकाबले में केडीपीएस के खिलाडी छाए रहे। अरेरा एफसी को गोल करने के कुछ मौके मिले किन्तु वे उन अवसरों को गोल में बदल नहीं पाए।

इन्दौर बैडमिंटन क्लब में जिला सब जूनियर और जूनियर स्पर्धा

इन्दौर। विश्व विख्यात गोपीचंद अकादमी हैदराबाद की तर्ज पर बनायीं गयी नई बैडमिंटन अकादमी में इन्दौर जिला की सब जूनियर और जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 2021 शुक्रवार 26 फरवरी से प्रारंभ होगी। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) द्वारा एप्रूव्ड योनेक्स कोर्ट की शहर की पहली पांच कोर्ट की बैडमिंटन एकेडमी की शुरूआत हो रही है। इस एकेडमी में वर्ल्ड क्लास की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है, जो प्रदेश और बाहरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। एकेडमी के संचालक और टूनार्मेंट सेक्रेटरी मल्हारी काले और अस्तित्व काले ने बताया कि इन्दौर बैडमिंटन क्लब के नाम से शुरू हो रही 168, इंडस सेटेलाइट ग्रीन, कैलोदहाला, देवास नाका स्थित इस एकेडमी का शुभारंभ इन्दौर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन की बैडमिंटन प्रतियोगिताओं से हो रहा हैं। स्पर्धा में 160 से ज्यादा खिलड़ियों की एंट्री आई हैं। इसमें अंडर-15, 17 व 19 वर्ग में बालक और बालिकाओं के सिंगल्स और डबल्स मुकाबले सुबह 9 बजे से खेले जाएंगे। वही अंडर-17 व 19 में मिक्स डबल्स मुकाबले भी होंगे।

कृति सेनन के के साथ रोमांस करते दिखेंगे टाइगर श्रॉफ

एक्शन फिल्मों के जरिये पहचान बनाने वाले अभिनेता टाइगर श्रॉफ जल्दी ही टाइगर फिल्म 'हीरोपंती 2' और 'गणपत' से फैंस का मनोरंजन करते नजर आएंगे। 'गणपत' का हाल में ही पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसे विकास बहल निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में वह एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। इससे पहले टाइगर की ऋतिक रोशन के साथ आई फिल्म 'वॉर' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसका दूसरा पार्ट बनाने की चर्चा भी जोरों पर थी। अब टाइगर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में एक फोटो शेयर की, जिसमें वह पिंक शॉर्ट्स में नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर ये फोटो कोलाज में शेयर की हैं। फोटो में वह अपनी दमदार बॉडी का प्रदर्शन कर रहे हैं। टाइगर ने पिंक शॉर्ट्स में अपनी इस फोटो के कैप्शन लिखा है कि 'उह क्यूट शॉर्ट्स भाई..' लेकिन दिशा पटानी ने अभिनेता की इस पोस्ट पर दिल तोड़ने वाला कमेंट किया है। उन्होंने अपने इस मजेदार पोस्ट में एक्टर को ब्रो जोन में डाल दिया है। उन्होंने लिखा कि 'यो ब्रो ये हैं कुछ क्यूट शॉर्ट्स।' दिशा की इस टिप्पणी पर फैंस मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'दिशा पटानी भाई को भाई बोला।' दूसरे ने रोने की इमोजीस के साथ लिखा, 'दुख भरी जिंदगी है भाई।' इस फोटो में टाइगर काला चश्मा और एक खूबसूरत पेंडेंट पहने नजर आ रहे हैं। यकीनन, टाइगर पिंक शॉर्ट्स में कमाल के लग रहे हैं। करीब 17 घंटे में इस पोस्ट पर 12 लाख के करीब लाइक्स आ चुके हैं। फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

कंगना रनौत मामले में रितिक रोशन को मुंबई पुलिस ने समन भेज 27 फरवरी को तलब किया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत से जुड़े आईटी कानून के मामले में अभिनेता रितिक रोशन से पूछताछ और बयान दर्ज कराए जाने के लिए मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने समन भेजा है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बताया है कि रितिक को 27 फरवरी को इस मामले में पेश होने के लिए कहा गया है। इस केस में रितिक और कंगना दोनों ने कथित तौर पर एक दूसरे को ईमेल्स भेजे थे।

यह समन साल 2016 से जुड़े केस में है, जिसे दो महीने पहले सीआईयू को ट्रांसफर कर दिया गया था। उस केस में शिकायतकर्ता भी रितिक रोशन ही हैं। कंगना रनौत से जुड़े इस केस का पहले साइबर पुलिस स्टेशन इनवेस्टिगेशन कर रही थी। रितिक रोशन ने 5 साल पहले आईपीसी के सेक्शन 419 और आई ऐक्ट के सेक्शन 66 (सी) और 66 (डी) के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कंगना रनौत से जुड़ा विवाद इसी के बाद कई महीनों तक सुर्खियों में रहा था। दोनों ने एक दूसरे को कई लीगल नोटिस भेजे थे। इसलिए इस केस में बाद में कंगना का भी स्टेटमेंट लिया जा सकता है। रितिक रोशन को साल 2013-14 में उनके मेल आईडी पर सैकड़ों मेल आए थे। नामी वकील महेश जेठमलानी ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को इसी संदर्भ में दिसंबर, 2020 में एक पत्र लिखा था कि उस केस में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। उसी के बाद मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने वह केस साइबर सेल से सीआईयू को ट्रांसफर कर दिया था।

आयुष्मान की आने वाली हैं ये फिल्में

अभिनेता आयुष्मान खुराना एक के बाद एक नई भूमिकाओं में नजर आते हैं। अभी वह इस समय अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अनेक' की शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह के साथ 'डॉक्टर जी' में भी दिखाई देंगे। वहीं वाणी कपूर अक्षय कुमार स्टारर 'बेल बॉटम' और रणबीर कपूर के साथ 'शमशेरा' फिल्म कर रही हैं।

आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है जिसमें वह शर्टलेस दिख रहे हैं। उनके हाथ में क्लिप बोर्ड है। इस क्लिपबोर्ड पर फिल्म की रिलीज डेट लिखी गई है। इस फोटो के साथ कैप्शन लिखा है कि 'ये सिर्फ रिलीज डेट की अनाउंटमेंट हैं। ट्रेलर भी बाकी है और पिक्चर भी। हैशटैग के साथ लिखा कि 9 जुलाई 2021 को सिनेमाघरों में 'चंडीगढ़ करे आशिकी'।' फिल्म में आयुष्मान खुराना के दोस्तों ने बॉडी मेकओवर की जमकर तारीफ की है। उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप ने लिखा 'उफ्फ' जबकि वरुण धवन ने बड़ा मजेदार कमेंट करते हुए कहा कि 'सर सर सर सर हम शरीफ क्या हुए पूरी दुनिया ने टी शर्ट निकाल दिए, अच्छे लग रहे हो भाई।'

करणवीर ने लिखा 'चक दे फट्टे' तो प्रोड्यूसर प्रज्ञा कपून ने लिखा कि 'जुलाई जल्दी नहीं आ सकता'। इसके अलावा म्यूजिशियन अली मर्चेंट ने भी कमेंट में लिखा 'कड़क'। इस फिल्म में एक्ट्रेस वाणी कपूर और आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' एक प्रोग्रेसिव लव स्टोरी है और इस का निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया है। आयुष्मान खुराना इस फिल्म में एक क्रॉस फंक्शनल एथलीट की भूमिका में हैं। इस फिल्म को कोरोना महामारी के बीच सिर्फ 48 दिन में चंडीगढ़ में शूट किया गया। कुछ समय पहले एक्ट्रेस वाणी कपूर ने फिल्म से शूट की एक पिक्चर ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा था कि 'शुगर, स्पाइस एंड एवरीथिंग नाइस। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' 9 जुलाई 2021 को रिलीज होने के लिए तैयार है।'